जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 15 संख्याः 223 प्रभात हिण्डौन सिटी, बुधवार 14 जून, 2023 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

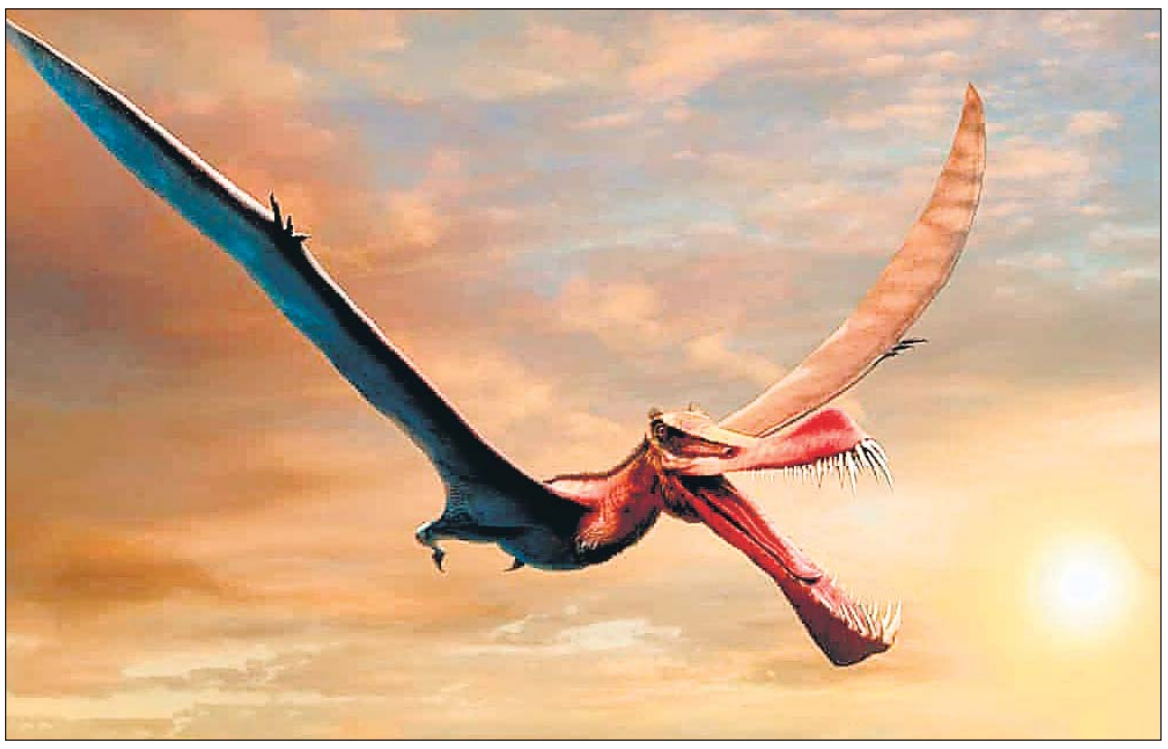

एक दुर्लभ जीवाश्म से टैरसॉर की नई प्रजाति का पता चला है, जिसके पंखों का फैलाव 23 फुट तक था। इसकी खोपड़ी तीन फुट लम्बी थी और स्नाउट (थूथन) नुकीला था और मुँह में 40 तीखे दांत थे। एक कलाकार ने अपनी कल्पना के आधार पर इसकी (ऊपर दी गई) तस्वीर बनाई है। जर्नल ऑफ द वर्टिब्रेट पेलिअनटॉलजिस्ट में छपे एक नए शोध के अनुसार लगभग 105 मिलियन साल पहले आस्ट्रेलिया में पंखों वाला एक विशाल रैप्टाइल (सरीसृप) मिलता था। यह जीव, लुप्त हो चुके फ्लाइंग रैप्टाइल्स के समूह, जिन्हें टैरसॉर्स कहते थे, का नवीनतम सदस्य था और ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप का सबसे बड़ा फ्लाइंग रैप्टाइल था। युनिवर्सिटी ऑफ क्वीन्सलैंड के शोध छात्र व सहायक शोध लेखक टिम रिचर्ड्स ने एक वक्तव्य में कहा कि, यह जीव यह बहुत भयावह दिखता था, बिल्कुल ड्रैगन जैसा। संभवतः यह एरोमांगा इनलैण्ड सी के पास रहता था और मछलियों का शिकार करता था। हालांकि इस जीव का जीवाश्म नॉर्थवेस्ट क्वीन्सलैंड के पास दस साल पहले मिला था, पर, शोधकर्ता यह साबित नहीं कर पाए थे कि, यह एक नई प्रजाति है। टैरसॉर की 200 प्रजातियां हैं, जिसमें 16 फुट लम्बे जीव से लेकर गौरैया के आकार के जीव शामिल हैं। टैरसॉर ना केवल उड़ सकते थे बल्कि तैरने में भी माहिर थे। युनिवर्सिटी ऑफ क्वीन्सलैंड की टीम को इस जीव के आकार व विशिष्टता का पता इसके जबड़े के विश्लेषण से लगा है। उन्होंने इसे ''तापुन्गाका शाय'' नाम दिया है। यह शब्द ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के एक ग्रुप, वानामारा नेशन की अब लुप्त हो चुकी भाषा का है। शोध लेखक स्टीव सैलिसबरी ने बताया कि, तापुन और गाका का अर्थ है, क्रमशः भाला और मुंह। सैलिसबरी, जो यूनिवर्सिटी ऑफ क्वीन्सलैंड में जीवाश्म वैज्ञानिक हैं, ने बताया कि, क्योंकि, इस जीव की हड्डियां हल्की और भुरभुरी होती हैं, इसलिए ऑस्ट्रेलिया व विश्व में कहीं भी इनके जीवाश्म मिलना काफी बड़ी चुनौती है। परिणाम स्वरुप, पेलिअन्टॉलजिस्ट्स के लिए इनका जीवन रहस्यपूर्ण बना हुआ है। गत माह ही यू.के. की एक रिसर्च टीम को पता लगा कि, इन जीवों के बच्चे, अण्डे से निकलने के कुछ ही समय के अंदर उड़ सकते थे। इनके जीवाश्म की खोज से सबसे खास बात यह पता चली है कि, इनके ऊपरी व निचले जबड़े पर ''हड्डी के शिखर '' जैसी संरचना थी।

'अभी जल्दी क्या है'

राजस्थान में कांग्रेस पार्टी की आंखें 24, अकबर रोड, स्थित ए.आई.सी.सी. मुख्यालय पर टिकी हैं

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। सभी की निगाहें नई दिल्ली पर हैं, क्योंकि राजस्थान को इंतजार है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के बीच क्या समझौता हुआ है तथा समझौते के नियम व शर्तें क्या हैं।

लेकिन ज़मीनी स्तर पर कोई सक्रियता नहीं दिख रही है। दिल्ली में 24, अकबर रोड़ पर स्थित कांग्रेस का मुख्यालय सुनसान पड़ा है, सभी कमरे खाली पड़े हैं, वहां कोई नहीं है।

माना जाता है कि राहुल गांधी जो अभी लंदन में हैं, की वापसी तक कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय नहीं होगा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे कर्नाटक में हैं।

एक अनुभवी वरिष्ठ पत्रकार ने कहा कि ''अभी जल्दी क्या है।'' राजस्थान कांग्रेस समाधान का इंतजार कर रही है पर नेतृत्व खुली आंखों से सो रहा है।

इसी प्रकार खड़गे एक कामचलाऊ अध्यक्ष की तरह काम कर रहे हैं उनके पास ना तो कोई सचिवालय है ना ही उन्होंने अभी तक कोई पदाधिकारी ही नियुक्त किया हैं। वे अपनी टीम बनाने में असमर्थ हैं। वे क्या चाहते हैं और गांधी परिवार क्या चाहता है इस पर कोई आपसी समझ नहीं है।

इसी बीच वरिष्ठ नेताओं ने प्रमुख पद पाने के लिए लॉबिइंग करना शुरु कर दिया है। सुरजेवाला ए.आई.सी.सी. के महासचिव (संगठन) बनना चाहते हैं वहीं के.सी. वेणुगोपाल, जो मौजूदा ए.आई.सी.सी.सी. महासचिव (संगठन) हैं, अपने पद पर बने रहने के लिए हर हमले का मुकाबला कर रहे हैं। उन्हें राहुल गांधी का पूर्ण समर्थन प्राप्त है।

खड़गे प्रमुख पदों पर अपने लोगों को लाना चाहते हैं पर वे जानते हैं कि गांधी परिवार के समर्थन के बिना वे ऐसा नहीं कर सकते हैं। फिलहाल तो कांग्रेस में हर स्तर पर भ्रम व्याप्त है।

- पर, राहुल गांधी के लंदन में और खड़गे के कर्नाटक में होने के कारण, मुख्यालय में कोई गतिविधि नज़र नहीं आ रही। कमरे खाली हैं और बराण्डे भीड़ रहित।
- राजस्थान में पार्टी के कार्यकर्ता व नेता, पायलट-गहलोत समझौते की ''डीटेल्स'' जानने के लिये आतुर हैं, पर, हाई कमान आंख खोलकर बेसुध सी सो रही है।
- खड़गे ''एडहॉक अध्यक्ष'' जैसे लग रहे हैं, न उनकी टीम बनी है, न पदाधिकारी नियुक्त हुए हैं।
- पर, ए.आई.सी.सी. के दिग्गज बड़े पद पाने के लिये ''लॉबिंग'' कर रहे हैं।
- सुरजेवाला ए.आई.सी.सी. में महासचिव बनने की कोशिश में हैं, जिसके पास पार्टी के संगठन का चार्ज हो। दूसरी ओर वेणुगोपाल रक्षात्मक मुद्रा में हैं, क्योंकि हर तरफ से उन पर वार हो रहे हैं, उनका पद पाने के लिये, पर, उन्हें राहुल गांधी का प्रश्रय प्राप्त है।
- खड़गे भी महत्वपूर्ण पदों पर अपने वफादारों को नियुक्त करना चाहते हैं, पर, वे जानते हैं कि, यह तभी संभव है, जब गांधी परिवार से हरी झंडी मिलेगी।

'जब व्यापारिक ''गुड्स'' सीमा ''क्रॉस'' नहीं करते तो, सैनिक सीमा ''क्रॉस'' करेंगे'

यह पुराना सिद्धांत पूरी तरह से पाकिस्तान पर लागू होता है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। पाकिस्तान सरकार मुश्किल परिस्थितियों में भी सबक लेने से इनकार करती है। पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था बहुत खराब स्थिति में है। विदेशी मुद्रा भंडार बिल्कुल तली में पहुँच गया है, खाद्यान्न की जबरदस्त कमी है तथा महँगाई ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है।

पाकिस्तान सामान्य अर्थशास्त्र तक को समझता प्रतीत नहीं हो रहा है। उसे यह समझ नहीं आ रहा कि दूरस्थ देशों से महँगा सामान आयात करने के बजाय, पड़ोसी देश भारत के साथ व्यापार करना उसे बहुत सस्ता पड़ेगा।

अच्छा अर्थशास्त्र ही अच्छी राजनीति हुआ करता है। यह बात पाक सरकार जितनी जल्दी महसूस कर लेगी तथा भारत के सीमा पार व्यापार को सुगम बनाने के कदम उठा लेगा, यह अर्थव्यवस्था तथा जनता के लिये उतना ही बेहतर रहेगा।

फिर भी, पाकिस्तान, भारत-विरोधी सोच को दशकों से अपने गले का हार बनाये हुये है तथा अपने पड़ोसी देश भारत के प्रति उसका शत्रुतापूर्ण रुख ही उसकी विदेश नीति को परिभाषित करता आ रहा है।

शत्रुता सदैव ही स्वयं की पोषक होती है। वस्तुतः लोगों और वस्तुओं का सीमा पार आना-जाना दोनों देशों के भू-राजनैतिक दुश्मनी की समाप्ति की ओर पहला कदम हो सकता है। जैसा कि 19वीं शताब्दी के मशहूर फ्रांसीसी अर्थशास्त्री फ्रेड्रिक बेस्टिअट ने कहा था, ''जब वस्तुएं सीमाओं को पार नहीं करती है, तब इस काम को सैनिक करते हैं।''

यह बता देना जरूरी है कि भारत और पाकिस्तान के बीच थोड़ी-बहुत मात्रा में तो व्यापार इस समय भी चल ही रहा हो, चाहे वह गैर कानूनी रूप से हो रहा हो या फिर अफगानिस्तान जैसे तीसरे देश के माध्यम से। वक्त आ गया है कि यह व्यापार सरकारी स्तर पर हो। व्यवसाय से जुड़े समझदार लोगों के स्वर यह कहते हुये सुनाई देने लगे हैं तथा इन स्वरों ने सरकार का ध्यान इस तथ्य की तरफ खीचंना भी शुरु कर दिया है कि भारत के साथ व्यापार पर प्रतिबंध लगाना नुकसानदेह है।

सीमा पर मौजूद तनावों, जो 2019 के पुलवामा हमले के बाद और भी बढ़ गये हैं, के परिणामस्वरूप निराशाजनक हो चुके व्यापारिक संबंधों को बहुत नुकसान पहुँचा है। अत्यधिक नजदीकी के बावजूद, व्यापार न होना अर्थशास्त्र के ''ग्रेविटी मॉडल'' के विपरीत है। ग्रेविटी मॉडल दूरी को व्यापारिक रिश्ते बनाने का एक प्रमुख कारक मानता है। अनौपचारिक माध्यमों से पाकिस्तान पहुँचने वाले सामानों में शामिल हैं- टमाटर जैसी सब्जियाँ, दवाएं, फार्मास्यूटीकल उत्पाद, रसायन, कपड़ा, टायर तथा मशीनरी। पाकिस्तान से बाहर जाने वाली चीजों में शामिल हैं- सूखे मेवा, दालें, खाद्य तेल, जूते-चप्पल, कपड़े तथा तंबाकू। इसलिए,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- अब पाकिस्तान के व्यापारियों ने दबाव बनाना शुरू किया है, दोनों देशों के बीच व्यापार खोलने के लिये।

सुप्रीम कोर्ट ''पेपर लैस'' हो जाएगा 3 जुलाई से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। सुप्रीम कोर्ट 3 जुलाई से पेपर लैस होने जा रहा है, उसी दिन ग्रीष्मावकाश के बाद कोर्ट पुनः शुरु होने वाला है। सुप्रीम कोर्ट में आधुनिक तकनीकों का प्रयोग किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट के कुछ कोर्ट रूम में बिग स्क्रीन लगाई जाएगी, जहां वकील वीडियो कॉन्फ्रैंस के जरिए बात कर सकेंगे। वीडियो कॉन्फ्रैंस के लिए 120 इंच की स्क्रीन कोर्ट रूम में जजों के लिए लगेगी। जजों के लिए दस्तावेजों की भौतिक प्रति की जगह पॉपअप स्क्रीन ले लेगी। और कानून की किताबों की जगह डिजीटल लायब्रेरी लेगी। जज और वकील 3 जुलाई से कोर्ट परिसर में बदलाव देख सकेंगे। ये परिवर्तन कोर्ट संख्या 1, 2 एवं 3 में ये परिवर्तन किए जाएंगे। आधुनिक तकनीक धीरे-धीरे अदालतों में भी लागू की जाएगी।

- वीडियो कॉन्फ्रैंस के लिए कोर्ट रूम में बड़ी-बड़ी स्क्रीन लगाई जा रही हैं। कागजात की जगह पॉप अप स्क्रीन और कानून की किताबों की जगह डिजिटल लाइब्रेरी प्रयुक्त की जाएगी।

उत्तर व पश्चिम भारत में सीटें कम आने की आशंका है भाजपा को?

कर्नाटक की हार के बाद, इस आशंका से घिरी भाजपा ने तेलगुदेशम पार्टी से गठबंधन की तैयारी की

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। इसे कर्नाटक ''इफैक्ट'' कहें या कुछ और दक्षिण भारत मे ंकदम जमाने की भाजपा की योजना के परिवर्तन का दौर चल रहा है तथा गठबंधन सहयोगी बदले जा रहे हैं, खासकर आंध्र प्रदेश में, जहाँ से लोकसभा के 25 सांसद चुने जाते हैं। तमिलनाडु की तरह आंध्र में भी भाजपा की मामूली सी उपस्थिति है, लेकिन पार्टी यहां अपने पुराने सहयोगी तेलुगुदेशम से नया गठबंधन करने की तैयारी में हैं, जो कि राज्य में पुनः जमने की कोशिश में हैं। पार्टी यहां लोकसभा, विधानसभा चुनाव हार चुकी है।

पूर्व में आंध्र प्रदेश में तेलुगुदेशम और भाजपा ने गठजोड़ किया था पर तेलुगुदेशम के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू ने 2019 में आम चुनाव से पहले गठबंधन तोड़ दिया था। चंद्रबाबू को पासवान की तरह राजनैतिक मौसम के अनुसार राह चुनने वाला नेता माना जाता है। उन्होंने तब हारने वाले घोड़े पर दांव खेला और हार गए।

भाजपा ने तब 300 से ज्यादा सीटें हासिल की और आंध्र प्रदेश में जीत मिली, कांग्रेस से अलग हुए गुट वाय.एस.आर.सी.पी. को, जो शानदार बहुमत के साथ सत्ता में आई और इसके 23 सांसदों ने संसद में मोदी सरकार को समर्थन दिया। यह भाजपा की मजबूत व विश्वस्त समर्थक बन गई। यहां तक इसके सांसदों को भाजपा का ही माना जाता था

इस बार भी समीकरणों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। लेकिन भाजपा की मजबूरी है कि वह दक्षिण भारत में अपनी सीटें बढ़ाना चाहती है ताकि उत्तर तथा पश्चिम भारत में होने वाले नुकसान

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- तेलगुदेशम पार्टी से भाजपा की पुरानी दोस्ती थी, पर, 2019 के चुनाव के पहले तेलगुदेशम पार्टी के नेता चन्द्रबाबू नायडू ने, हवा को गलत समझते हुए भाजपा से गठबंधन तोड़ कर विपक्ष के साथ संबंध स्थापित किये।
- पर, भाजपा को कोई फर्क नहीं पड़ा था, क्योंकि वाय.एस.आर. कांग्रेस पार्टी ने चुनाव में भारी विजय पायी तथा भाजपा को पूरा समर्थन दिया संसद में।
- परन्तु, अब दक्षिण भारत में पैर पसारने की दृष्टि से भाजपा ने आंध्र में तेलगुदेशम से हाथ मिलाया है।
- भाजपा के दोनों हाथों में लड्डू हैं, अगर तेलगुदेशम-भाजपा गठबंधन जीता तो, भाजपा को फायदा ही है, पर, अगर वाय.एस.आर. कांग्रेस जीती तो, वह पार्टी भाजपा के लिए पहले की भांति, संसद में संकट मोचन का काम करेगी ही।

आई.टी.आई. केन्द्र भवन में पैंथर घुसा

डूंगरपुर, 13 जून। चितरी दाहला के डामरीया फला में स्थित आई.टी.आई. केन्द्र भवन में पैंथर घुसने से हड़कम्प मच गया। जानकारी के अनुसार सोमवार शाम को आई.टी.आई. केंद्र के बाथरूम में पैंथर होने की पुष्टि पर गलियाकोट उपखंड अधिकारी को सूचना दी गई।

- सोमवार शाम पैंथर घुसने से एकदम अफरातफरी मच गई थी। मंगलवार सुबह उदयपुर से रैस्क्यू टीम पहुंची, पर इससे पहले ही पैंथर निकलकर भाग गया।

गलियाकोट उपखंड अधिकारी पंकज कुमार कलासुआ ने वन विभाग को तुरंत प्रभाव से मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना पर चितरी थानाधिकारी गोविंद सिंह भी मय जाप्ते पहुंचे। इधर वन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्विटर के पुराने कर्ता धर्ता डोरसी ने भारत सरकार पर धमकी देने का आरोप लगाया

डोरसी के अनुसार, भारत सरकार ने किसान आंदोलन के दौरान भारी दबाव बनाया कि, उन पत्रकारों की टिप्पणियाँ ब्लॉक की जायें, जो किसान आंदोलन में सरकार की नीतियों व निर्णयों की कड़ी आलोचना कर रहे थे

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। ट्विटर के पूर्व बॉस जैक डोरसी के एक आरोप से देश में एक राजनैतिक तूफान आ गया है। डोरसी ने आरोप लगाया है कि भारत ने 2020-21 के किसान आंदोलन के दौरान इस माइक्रोब्लॉगिंग वैबसाइट (ट्विटर) पर दबाव डालने की कोशिश की थी। लेकिन सरकार इस दावे को ''सफेद झूठ'' बताते हुये, सिरे से खारिज कर दिया है।

हमेशा हर बात से इंकार करने के लिए तैयार रहने वाले केन्द्रीय आई.टी. मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने जैक डोरसी की इस टिप्पणी को उनके द्वारा बोला गया ''सफेद झूठ'' और ''ट्विटर के इतिहास के संदेहास्पद दौर'' को लिखने की कोशिश बताते हुये, उसे खारिज कर दिया है। आई.टी. मंत्री ने कल इन रिपोर्टों का भी खण्डन किया था कि सरकारी पोर्टल ''कोविन'' का डेटा हैक कर लिया गया है।

''कोविन'' की हैकिंग की मीडिया रिपोर्ट पर चन्द्रशेखर ने कहा था कि यह साइट हैक नहीं हुई है तथा सार्वजनिक क्षेत्र का डेटा तो पहले ही हैक हो गया था। ज्ञातव्य है कि ''कोविन'' में सभी भारतवासियों का स्वास्थ्य संबंधी डाटा, जिसमें उनके टेलीफोन नम्बर तथा आधार कार्ड नम्बर भी शामिल हैं, संगृहित रहता है।

- डोरसी ने यह भी कहा कि, सरकार ने उनसे कहा था कि, ''हम ट्विटर'' को हिन्दुस्तान में बंद करा देंगे। हम आपके कर्मचारियों के घरों पर छापे मारेंगे, अगर आपने हमारी बात नहीं मानी।
- सूचना प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर व आई.टी. विभाग के राज्य मंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने डोरसी के आरोपों का पूर्णतः खण्डन किया और कहा, ट्विटर ने भारत के कानून-कायदों को मानने से साफ इंकार कर दिया था, उनका यह कृत्य भारत की सार्वभौमिकता को चुनौती देने वाला काम था, अतः भारत सरकार को उनके साथ सख्ती का व्यवहार करना पड़ा था।

सोमवार को यूट्यूब चैनल ''ब्रेकिंग पॉइन्ट्स विद क्रिस्टल एंड सागर'' पर एक इन्टरव्यू के दौरान, जैक डोरसी से पूछा गया था कि क्या उन्होंने विदेशी सरकारों की ओर से कभी किसी दबाव का सामना किया है।

उन्होंने जवाब दिया था, ''उदाहरणार्थ-भारत।'' भारत वह देश है जिसने किसान आंदोलन के संबंध में तथा कुछ खास पत्रकारों, जो सरकार के आलोचक थे, के संबंध में कई बार अनुरोध किया था। अपनी इस बात को भारत ने कई तरीकों से व्यक्त किया, जैसे-''हम भारत में ट्विटर बंद कर देंगे''.....''हम आपके कर्मचारियों के घरों पर छापे मारेंगे'', और ऐसा भारत ने किया भी था, ''अगर आपने हमारे आग्रह को नहीं माना तो हम आपके दफ्तर बंद करा देंगे''.... और यह है भारत, एक लोकतांत्रिक देश।''

जैक डोरसी, जिन्होंने 2021 में ट्विटर सी.ई.ओ. का पद छोड़ दिया था, ने टर्की और नाइजीरिया की सरकारों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इन देशों ने पिछले वर्षों में अलग-अलग बिन्दुओं पर अपने देशों में ट्विटर प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया था, जिसे बाद में हटा दिया गया था। उन्होंने कहा कि टर्की सरकार भी ''उसी तरह'' (भारत की तरह) पेश आई थी।

कई विपक्षी दलों ने इन टिप्पणियों को शेयर किया है तथा सरकार को निशाना बनाया है।

केन्द्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तमिलनाडू के मंत्री की ई.डी. ने तलाशी ली

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 13 जून। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तमिलनाडु के बिजली मंत्री टी.वी. सैंथिल बालाजी के ऑफिस पर तलाशी में ई.डी. के दुरुपयोग की कड़ी निंदा की।

एक बयान में उन्होंने कहा कि ये तरीके विपक्ष को चुप नहीं करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वे इस प्रकार मोदी सरकार की जन विरोधी नीतियों के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष जारी रखने के विपक्ष के संकल्प को और मजबूत कर रहे हैं।

खड़गे ने कहा कि मोदी सरकार के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसकी कड़ी आलोचना की और कहा, इससे विपक्ष के इरादे और मजबूत होंगे।

विचार बिन्दु

दौड़ना काफी नहीं है, समय पर चल भी पड़ना चाहिए। फ्रांसिसी कहावत

ग्रीन हाइड्रोजन होगा भविष्य का कार्बन रहित ऊर्जा का स्त्रोत

ऐसा अंदाज़ा लगाया जा रहा है कि अगले दो दशकों में विश्व स्तर पर किसी भी देश की ऊर्जा मांग में सबसे बड़ी वृद्धि भारत में देखने को मिलेगी। अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था के साथ, जनसंख्या में वृद्धि के चलते भारत को अपने यहां पूरे यूरोपीय आर्थिक संघ के आकार के बराबर बिजली प्रणाली बनाने की आवश्यकता होगी। हालांकि अपने संसाधनों को देखते हुए भारत अपने औद्योगीकरण की गारंटी के लिए तेजी से आधुनिकीकरण करने वाले चीन तथा अन्य देशों के समान अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिए गहन कोयला आधारित रास्ता आसानी से अपनाना पड़ सकता है। मगर इसकी बजाय यह अपने औद्योगीकरण को सुदृढ़ आधार देने के लिए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए कहीं अधिक संतुलित दृष्टिकोण अपना कर चल रहा है। यह एक शुभ संकेत है। ऊर्जा की वैकल्पिक प्रौद्योगिकियों के पैकेज में ग्रीन हाइड्रोजन भी एक घटक है। इस पैकेज में जैव ईंधन, प्राकृतिक गैस और पारंपरिक रिन्यूएबल ऊर्जा शामिल हैं। इतने बड़े भूभाग वाले देश के लिए स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को अपनाना जरूरी नवोन्मेष है। बहुतों को लगता है कि वास्तव में भारत विकासशील देशों को एक नया रास्ता दिखा रहा है, विशेष रूप से उन देशों को लिए जिनके यहां औद्योगीकरण की गति को तेज करने के प्रयासों में ऊर्जा की बड़ी मांग होने वाली है। भारत अक्सर अधिकतम संभव सीमा तक जीवाश्म ईंधन कोयले के उपयोग को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराता रहा है। इस वास्तविकता से इन्कार नहीं किया जा सकता है कि अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के लिए ऊर्जा के बुनियादी ढांचे का निर्माण करने की बड़ी आवश्यकता होती है। ऐसा ढांचा बनाने के लिए देश में पहल हो गई है। इसी पहल पर सारी दुनिया की निगाहें इस देश पर लगी है। अगर भारत अपनी ऊर्जा प्रणाली में सही संतुलन बनाने में सफल होता है, तो अन्य विकासशील देश इसका अनुसरण करेंगे। अब तक किसी भी देश ने अपनी औद्योगिक क्षमता के निर्माण के लिए पूरी तरह से नवीकरणीय ऊर्जा पर भरोसा नहीं किया है। भारत ने इसमें पहल करते हुए ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का प्रारंभिक काम शुरू किया है जो यदि परवान चढ़ता है तो वह इस देश को दुनिया में एक अग्रणी मुल्क के रूप में पहचान दे सकता है।

प्रधानमंत्री ने 15 अगस्त 2021 को स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में 'नेशनल हाइड्रोजन मिशन' का ऐलान किया था। बाद में उसी के अनुरूप भारत सरकार ने करीब 20 हजार करोड़ रुपये के 'नेशनल ग्रीन हाइड्रोजन मिशन' को मंजूरी दे दी है। इस मिशन के तहत सरकार ने 2030 तक 50 लाख टन ग्रीन हाइड्रोजन बनाने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। सरकार चाहती है कि आने वाले समय में भारत ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, उपयोग और निर्यात का ग्लोबल हब बन जाय। जो रोडमैप तैयार किया गया है उसके तहत अगले सात वर्षों में हर साल पांच मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोन का उत्पादन देश में होना है। इसके लिए इस क्षेत्र में कुल आठ लाख करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। मिशन के तहत 60-100 गीगावाट की इलेक्ट्रोलाइजर क्षमता तैयार की जायेगी। इलेक्ट्रोलाइजर की मैन्युफैक्चरिंग और ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन पर 17,490 करोड़ की प्रोत्साहन राशि देने का भी प्रावधान किया गया है। देश में ग्रीन हाइड्रोजन के हब को विकसित करने के लिए 400 करोड़ का प्रावधान अलग से रखा गया है। बताया गया है कि इस मिशन से छह लाख लोगों को रोजगार मिलेगा। इससे ईंधन तेल के आयात पर होने वाले एक लाख करोड़ का खर्च घटेगा। इससे ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में सालाना 50 मिलियन मीट्रिक टन की कमी आएगी। उर्वरक और केमिकल बनाने के खर्च में कमी आएगी। ग्रीन ऊर्जा स्त्रोत से हाइड्रोजन उत्पन्न करने के लिए कंपनियों को फायदा मिलेगा। इस प्रकार उत्पादित ग्रीन हाइड्रोजन, ऊर्जा के रूप में अनेक क्षेत्रों में इस्तेमाल की जा सकेगी। ग्रीन हाइड्रोजन स्वच्छ ऊर्जा का सबसे अच्छा स्त्रोत माना जाता है। इसमें सौर ऊर्जा का इस्तेमाल करके पानी में मौजूद हाइड्रोजन और ऑक्सीजन अलग करके हाइड्रोजन पैदा की जाती है। ये हाइड्रोजन कई चीजों के लिए ऊर्जा का काम कर सकती है।

ग्रीन हाइड्रोजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे बनाने में कार्बनडाइ ऑक्साइड गैस का उत्सर्जन नहीं होता। पर्यावरणविदों का दावा है कि यह ऑयल रिफाइनिंग, फर्टिलाइजर, स्टील और सीमेंट जैसे भारी उद्योगों को कार्बन मुक्त करने में मदद कर सकती है। लिहाजा ग्लोबल कार्बन उत्सर्जन में कटौती में भी ये मददगार साबित होगी।

ग्रीन हाइड्रोजन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे बनाने में कार्बनडाई ऑक्साइड गैस का उत्सर्जन नहीं होता। पर्यावरणवादियों का दावा है कि यह ऑयल रिफाइनिंग, फर्टिलाइजर, स्टील और सीमेंट जैसे भारी उद्योगों को कार्बन मुक्त करने में मदद कर सकती है। लिहाजा ग्लोबल कार्बन उत्सर्जन में कटौती में भी ये मददगार साबित होगी। विशेषज्ञ मानते हैं कि ऊर्जा चुनौतियों से निपटने में हाइड्रोजन ऊर्जा की क्षमता का दोहन करने का यह सही समय है। अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रिक वाहनों की हाल की सफलताओं ने साबित किया है कि नीतियों तथा प्रौद्योगिकी में नवाचार में स्वच्छ ऊर्जा उद्योग विकसित करने की शक्ति है। हाइड्रोजन आधारित ईंधन के साथ-साथ नवीकरणीय ऊर्जा के जरिये ऊर्जा भंडारण के प्रमुख विकल्प के रूप में अब हाइड्रोजन उभर रहा है जिससे ऊर्जा संसाधनों वाले क्षेत्रों से हजारों किलोमीटर दूर ऊर्जा की कमी वाले क्षेत्रों में प्रचुर मात्रा में अक्षय ऊर्जा से ऊर्जा का परिवहन होगा। भारी उद्योग, लंबी दूरी की माल ढुलाई, नौवहन और विमानन को डीकार्बोनाइज करने के साधन के रूप में, संयुक्त राष्ट्र जलवायु सम्मेलन में कई उत्सर्जन कटौती के वादों में ग्रीन हाइड्रोजन को आधार बनाया गया है। सरकारों और उद्योगवर्ग दोनों ने हाइड्रोजन को शुद्ध शून्य कार्बन अर्थव्यवस्था के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में स्वीकार किया है। ग्रीन हाइड्रोजन की लागत को कम करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की एक पहल में घोषणा की गई है कि वह ग्रीन इलेक्ट्रोलाइज़र के लिए पिछले वर्ष निर्धारित अपने लक्ष्य को 25 गीगावाट से बढ़ा कर 2027 तक लगभग दोगुना 45 गीगावाट तक कर रहा है। यूरोपीय आयोग ने भी अपना विधायी प्रस्ताव तैयार किया है जिसमें हाइड्रोजन सहित नवीकरणीय और कम कार्बन गैसों के उत्सर्जन और यूरोप में सभी नागरिकों के लिए ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यूरोपीय संघ के गैस बाजार को डीकार्बोनाइज करने की बात की गई है। उधर संयुक्त अरब अमीरात ने भी आगे बढ़ कर अपने देश की नई हाइड्रोजन रणनीति में 2030 तक वैश्विक कम कार्बन हाइड्रोजन बाजार का एक चौथाई हिस्सा रखने का लक्ष्य रखा है। जापान ने हाल ही में घोषणा की है कि वह अनुसंधान और विकास में तेजी लाने के लिए अपने ग्रीन इनोवेशन फंड से 3.4 बिलियन डॉलर का निवेश करते हुए अगले 10 वर्षों में हाइड्रोजन ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देना।

हाइड्रोजन प्रौद्योगिकियों की जब बात आती है तो ग्रे, ब्लू, ग्रीन शब्द भी उससे जुड़े आते हैं। यह सब इसके उत्पादन के तरीके व्यक्त करते हैं। जलने पर हाइड्रोजन केवल पानी का उत्सर्जन करता है लेकिन इसे बनाने में कार्बन सघन हो सकता है। उत्पादन विधियों के आधार पर, हाइड्रोजन ग्रे, नीला या हरा - और कभी-कभी गुलाबी, पीला या फ़िरोज़ा भी कहा जाता है। ग्रीन हाइड्रोजन एकमात्र प्रकार है जो जलवायु-तटस्थ तरीके से उत्पादित होता है, जो 2050 तक कार्बन मुक्त ऊर्जा के लिए महत्वपूर्ण है। ग्रीन हाइड्रोजन ग्रे हाइड्रोजन और ब्लू हाइड्रोजन से भिन्न होता है। आवर्त सारणी में हाइड्रोजन सबसे सरल और सबसे छोटा तत्व है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि इसका उत्पादन कैसे किया जाता है, यह उसी कार्बन-मुक्त अणु के साथ समाप्त होता है। हालांकि, इसके उत्पादन के रास्ते बहुत विविध हैं। ग्रे हाइड्रोजन पारंपरिक रूप से मीथेन से बनाया जाता है जिसमें हाइड्रोजन के साथ कार्बन डाई आक्साइड भी बनता है जो जलवायु परिवर्तन के लिए मुख्य अपराधी माना जाता है। कोयले से भी ग्रे हाइड्रोजन का तेजी से उत्पादन किया गया है। इसमें भी उत्पादित हाइड्रोजन की प्रति यूनिट काफी अधिक कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन होता है। इतना अधिक कि जिसे अक्सर ग्रे के बजाय ब्राउन या ब्लैक हाइड्रोजन कहा जाता है। यह आज औद्योगिक पैमाने पर उत्पादित किया जाता है। ब्लू हाइड्रोजन भी ग्रे हाइड्रोजन के समान प्रक्रिया से वैसे ही बनाता है जब हाइड्रोजन को मीथेन (या कोयले से) से विभाजित किया जाता है और इसे लंबे समय तक संग्रहीत करने के लिए उत्पादित कार्बन डाई आक्साइड को कैप्चर करने के लिए अतिरिक्त तकनीकों की आवश्यकता होती है। अक्षय ऊर्जा आज अधिकांश देशों में बिजली का सबसे सस्ता स्त्रोत है। जानकार लोगों का कहना है कि ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन को बढ़ाने के लिए उसकी उत्पादन प्रक्रिया के महत्वपूर्ण घटक 'इलेक्ट्रोलिसिस' की लागत को कम से कम तीन गुना कम करने की आवश्यकता है। हालांकि ग्रीन हाइड्रोजन के मामले में हम सौर पीवी जैसी कहानी दोहराई जाती देख सकते हैं। यह अब स्पष्ट हो चला है कि ब्लू हाइड्रोजन की अस्थिर और संभावित रूप से बढ़ती लागत के विपरीत, ग्रीन हाइड्रोजन की एक स्थिर, घटती लागत होती है जिस पर अब सबका ध्यान जा रहा है। इसलिए भारत में पूंजी की लागत को कम करने के लिए कम जोखिम वाले ग्रीन हाइड्रोजन के निर्माण के लिए नवीकरणीय प्रौद्योगिकियों और इलेक्ट्रोलाइज़र के निर्माण को बढ़ाकर निवेश लागत को कम करने का प्रयास होगा। इक्कीसवीं सदी के दूसरे दशक में अब अक्षय ऊर्जा प्रौद्योगिकियां पहले से अधिक परिपक्वता के स्तर पर पहुंच गई हैं जो दुनिया भर में प्रतिस्पर्धी नवीकरणीय बिजली उत्पादन की आधार भूमि तैयार कर रही हैं जिसमें ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन सभी के लिए लाभ का सौदा माना जा रहा है।

-अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

भारत में जल से जुड़ी योजनाएं विश्व में सबसे बड़ी : शेखावत

जोधपुर, (कासं)। केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जल संसाधनों को बचाए रखना हमारी सबसे बड़ी चुनौती है। भारत सरकार इस मामले में गंभीर है। इसलिए देश में आज जल से जुड़ी जितनी भी योजनाएं हैं, वे आकार और बजट के मामले में विश्व में सबसे बड़ी योजनाएं हैं।

शेखावत मंगलवार को जोधपुर में राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रुडकी के उत्तर पश्चिमी क्षेत्रीय केन्द्र के उद्घाटन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि जल की चुनौती हम सब के सामने खड़ी है। जलवायु परिवर्तन और बढ़ती हुई आवश्यकताओं के चलते यह हमारे लिए बड़ी चुनौती है। पश्चिमी राजस्थान में गुजरात से लेकर पंजाब से लगते हिस्से में तो यह चुनौती और भी ज्यादा बड़ी है, क्योंकि यह रेगिस्तानी इलाका है और भूजल पर निर्भरता हमारी अधिक है। उन्होंने कहा कि अब पंजाब जैसे राज्य में भी चुनौतियां बढ़ रही है। देश में सबसे ज्यादा भूजल का दोहन पंजाब में हो रहा है। अब पानी का अधिकतम और उचिततम उपयोग कैसे कर सकते हैं। इस विषय पर इस संस्थान को काम करना होगा।

उन्होंने कहा कि इस रेगिस्तानी क्षेत्र की आवश्यकता को देखते हुए ये सेंटर जोधपुर में स्थापित किया गया है। मैं विश्वास करता हूं कि आने वाले समय में जोधपुर क्षेत्र की जल की समस्याओं के निवारण में और जल पुनर्भरण से जुड़े कार्यक्रमों को परिणामोन्मुखी बनाने के लिए काम करने में इस सेंटर की बहुत बड़ी भूमिका होगी।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार जिस तरह से काम कर रही है, वह अद्वितीय है। यूपीए सरकार में 2004 से 2014 तक जल सेक्टर में आठ हजार करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि अभी पिछले नौ साल में ही भारत सरकार ने दो लाख अस्सी हजार करोड़ रुपए खर्च कर दिए। जल शक्ति मंत्रालय समठाता के साथ काम कर रहा है। जलविज्ञान केन्द्र इस दिशा में काफी काम कर सकता है। रेगिस्तानी भूभाग की आवश्यकता और आजीविका और जीवन के भविष्य के लिए इस संस्थान का यहां होना उपयोगी होगा। उन्होंने जोधपुर में नया संस्थान खुलने पर सबको बधाई भी दी।

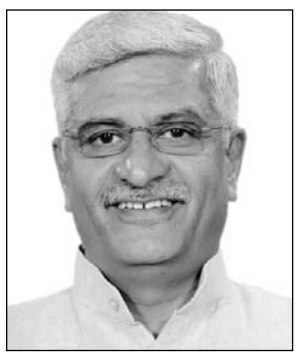

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत

- **केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि जल संसाधनों को बचाए रखना हमारी सबसे बड़ी चुनौती है,भारत सरकार इस मामले में गंभीर है**

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि अर्थव्यवस्था की बेहतरी के लिए मोदी सरकार ने कठोर फैसले लेकर सुधार किए हैं। कटिंग एज इंडस्ट्रीज को लाकर उनका डवलपमेंट भारत में करने का प्रयास किया जा रहा है। इसके परिणाम स्वरूप देश में नया आर्थिक परिदृश्य बना है। अब कॉरपोरेट सेक्टर में करोड़ों रोजगार के अवसर पैदा हो रहे है। आज हमारे स्टार्टअप की संख्या एक लाख को पार कर चुकी है और यूनिकॉर्न की संख्या तो 111 को पार कर चुकी है।आज हम दुनिया के सबसे ज्यादा यूनिकॉर्न स्टार्ट अप वाले देश हैं। सौ लाख करोड़ रूपए का निवेश आधारभूत संरचना में किया गया है। इसी बजट में दस लाख करोड़ के निवेश की संकल्पना की गई है।

शेखावत ने कहा कि जिस देश ने हमें गुलाम रखा है, आज हम उस देश ब्रिटेन को पछाड़ कर दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने में कामयाब हुए हैं। जिस गति से हम आगे बढ़ रहे हैं, उससे आर्थिक विश्लेषण और सर्वे करने वाली संस्थाएं भी मान रही है कि आने वाले तीन साल में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएंगे। जापान और जर्मनी को भी शीघ्र पीछे छोड़ने वाले हैं। हम जिस गति से बढ़ रहे हैं, उससे विश्वास के साथ कह सकते हैं कि हम विकसित भारत के सपने को साकार करके रहेंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि आज जिन लोगों को रोजगार मिलने वाला है। वे सौभाग्यशाली है। प्रधानमंत्री के उद्बोधन और साक्षी में उन्हें नियुक्ति पत्र मिला है। आज देश में बदलाव का दौर है और आप इस बदलाव के वाहक बन रहे है। दुनिया की कोई ताकत हमें विकसित देश बनने से नहीं रोक सकती। नौकरी का परिदृश्य बदल रहा है। नौकरियों में आवेदन के लिए लाइन लगना पड़ता था। इंटरव्यू में फेवर के लिए अफसरों और नेताओं के चक्कर लगाने पड़ते थे, लेकिन अब ऐसा नहीं है। इस परिवर्तन का सौभाग्य हमें मिला है।

सवा महीने बाद भी नहीं मिला भुगतान, किसानों की हालत तंग

फागी, (निसं)। क्रय-विक्रय सहकारी समिति द्वारा किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदे गये चने का मूल्य सवा महिने बाद भी नहीं मिलने से किसानों की तंगी हालत हो गई है। बाजार दर से कुछ अधिक राशि मिलने की आश में किसानों ने यहां कृषि उपज मण्डी यार्ड में सांगानेर क्रम विक्रय समिति की ओर से समर्थन मूल्य पर संचालित खरीद केन्द्र पर चना की तुलाई की थी। जिसका जल्द भुगतान मिलनी की उम्मीद थी, किन्तु तुलाई के सवा माह बीत जाने के बाद भी भुगतान के कोई आसार दूर-दूर तक भी दिखाई नहीं दे रहे हैं। किसान छोटू मानहाला व अन्य की माने तो बाजार से लिए कर्ज को चुकता करने के लिए एवं बाजार से ज्यादा रकम मिलने की उम्मीद में तो चना फसल का बेचान किया था किन्तु समय अधिक निकलने से कर्ज का चुकारा व अन्य घरेलू कार्यों में भारी परेशानी का समना करना पड़ रहा है। विजेन्द्र सिंह प्रभारी खरीद केन्द्र फागी का कहना है कि किसानों से खरीद की गई फसल का भुगतान शुक्रवार तक किसानों के खाते में भुगतान हो जावेगा।

- **समर्थन मूल्य पर खरीदा था चना**

पावटा में दिनों दिन बढ़ रही जाम की समस्या, एम्बुलैंस फंसी

पावटा में जाम के दौरान फंसी एम्बुलैंस।

पावटा, (निसं)। सप्ताह के पहले दिन सोमवार को पावटा कस्बे के सर्विस रोड पर जाम लग गया और वाहनों की लंबी कतारें लग गई। वहीं यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए प्रागपुरा थाना व यातायात पुलिसकर्मियों द्वारा कोई कोशिश नजर नहीं आई।

कई दुपहिया व चौपहिया वाहन फंसे रहे, तो इलाज के लिए मरीज को जल्द अस्पताल पहुंचाने की एंबुलेंस चालक की कोशिश भी जाम में दम तोडती नजर आई। सुबह दस बजते-बजते वाहनों का दबाव इस कदर बढ गया कि सर्विस रोड पर वाहनों की लंबी कतार लग गई। लेन व्यवस्था का अनुपालन न करने व जल्द आगे निकलने की होड में स्थिति और खराब हो गई। छोटे-बडे सभी वाहन एक जगह स्थिर हो गए। मुख्य सडकों के जाम होने से लोग गंतव्य तक पहुंचने के लिए संकरी गलियों से गुजरने को विवश हो गए। वहीं बैंकों, दुकानों व मॉल के सामने अवैध पार्किंग व बेतरतीब तरीके से खडे वाहनों से लंबे जाम में एंबुलेंस फंस गईं, उसमें सवार मरीज परेशान हुए। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले भी जाम में इसी तरह एक एंबुलेंस फंसी थी लेकिन जिम्मेदार अपनी आँखे बंद कर किसी बडी दुर्घटना का इंतजार कर रहे है।

भीषण गर्मी में पेयजल का संकट गहराया

पेयजल संकट को लेकर महिलाओं ने जाम लगा प्रदर्शन किया।

भीलवाड़ा, (निसं)। भीषण गर्मी के बीच भीलवाड़ा में पेयजल का संकट गहराने लगा है। जलदाय विभाग की लापरवाही के ख़िलाफ़ महिलाओं का ग़ुस्सा फूटा और आक्रोशित महिलाओं ने सड़क मार्ग पर जाम लगा प्रदर्शन शुरू किया। वार्ड 52 कोली मोहल्ले की आक्रोशित महिलाओं ने सांगानेरी गेट पर प्रदर्शन करते हुए जाम लगा दिया।

महिलाओं का कहना था कि भीषण गर्मी में भी जलदाय विभाग की ओर से वार्ड नंबर 52 कोली मोहल्ला में जलापूर्ति नहीं होने से उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। रोज टैंकर मंगवाना भी संभव नहीं है। इस संबंध में कई बार जलदाय विभाग के अधिकारियों से समस्या का समाधान करने की मांग की गई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ऐसे में उन्होंने जाम लगाकर अपना विरोध जताना पड़ा है। जाम की सूचना मिलने पर सुभाष नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और समझाइश का प्रयास किया।

- **वार्ड 52 कोली मोहल्ले की महिलाओं ने सांगानेरी गेट पर प्रदर्शन किया**

खैरथल को जिला बनाने का कितना फायदा होगा यह तो टिकट और जनता का निर्णय तय करेगा

किशनगढ़ बास, (निसं)। अलवर जिले के किशनगढ़ बास विधानसभा में खैरथल जिला बनने के बाद चुनावी समर परवान चढ़कर बोलने लगा है। वैसे तो चुनाव होने में अभी 5 माह हैं, लेकिन चुनाव में किस्मत आजमाने के लिए नेताओं ने गांव-गांव में दस्तक देना शुरू कर दिया है।

कांग्रेस में टिकट चाहने वालों की लंबी सूची है तो वहीं भाजपा में अभी तक केवल एक ही नाम है पूर्व विधायक रामहेत यादव जिनकी टिकट लगभग तय मानी जा रही है। विधायक दीपचंद खेरिया खैरथल जिला बनने के बाद जीत और टिकट दोनों को पक्का मानकर कांग्रेस राज में हुए विकास कार्यों को जनता के बीच रखने में और भाजपा व पूर्व विधायक रामहेत यादव पर हमला बोलने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

इस बार खेरिया कांग्रेस टिकट को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं। 2018 के चुनाव में कांग्रेस टिकट नहीं मिलने पर खेरिया बसपा टिकट पर चुनाव लडे और चुनाव जीतकर कांग्रेस सरकार में शामिल हो गए। वैसे परिसीमन के बाद बनी किशनगढ़ बास विधानसभा में हुए तीनों बार के चुनाव में कांग्रेस खाता नहीं खोल पाई है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मानना है कि इस बार राजस्थान में कांग्रेस की सरकार रिपीट होगी और किशनगढ़ बास से कांग्रेस चुनाव जीतेगी।

- **परिसीमन के बाद किशनगढ़ बास विधानसभा में तीनों चुनाव में कांग्रेस को मिली हार, दो बार भाजपा और एक बार बसपा जीती है चुनाव**
- **कांग्रेस में टिकट चाहने वालों की लंबी सूची है तो वहीं भाजपा में अभी तक केवल एक ही नाम है पूर्व विधायक रामहेत यादव जिनकी टिकट लगभग तय मानी जा रही है, इधर इस बार विधायक दीपचंद खेरिया कांग्रेस टिकट को लेकर पूरी तरह आश्वस्त हैं**

जिला बनाए जाने के सुनहरे पल का चुनावी लाभ उठाने के लिए खैरिया कोई कसर नहीं छोड़ना चाह रहे हैं। जिला बनाए जाने की खुशी में स्वागत कार्यक्रम गांव, गली, मोहल्ले, वार्ड, कॉलोनी के साथ समाज के लोगों की ओर से कार्यकर्ता इन दिनों चुनाव से पहले जनता के बीच खैरिया के कार्यकाल में हुए कामों को भुनाने में लगे हैं।

पूर्व विधायक रामहेत यादव और भाजपा का जन आधार इसलिए मजबूत माना जा रहा है की पिछले साढ़े 4 साल में यादव ने क्षेत्र की जनता से संपर्क नहीं तोड़ा है और लगातार उनके बीच रहे और अनेक बड़ी सभाएं रैली व आंदोलन कर सरकार के खिलाफ लड़ाई लड़ी।

कांग्रेस टिकट की दौड़ में पूर्व गृहमंत्री स्व. बाबू संपत राम की पुत्रवधू सिमरन कौर पूरी तरह सक्रिय होकर पुराने परिचित कार्यकर्ताओं से मुलाकात करने के लिए गांव गांव निकली हुई हैं कांग्रेस टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए नींव को मजबूत करने में लगी सिमरन कौर का क्षेत्र की जनता से पुराना रिश्ता रहा है। खैरथल रिजर्व सीट से बाबू संपत राम लंबे समय तक विधायक का चुनाव लड़ कर विधानसभा पहुंचे हैं और राजस्थान सरकार में गृह मंत्री रहे हैं। उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों की आज भी खैरथल किशनगढ़ बास के लोग मिसाल देते हैं। सिमरन कौर करीब 25 साल से क्षेत्र की जनता के साथ जुड़ी हुई हैं जिसके कारण कार्यकर्ताओं से सीधा संपर्क रखती है।

खैरथल रिजर्व सीट समाप्त होने व किशनगढ़ बास विधानसभा क्षेत्र बनने के बाद सिमरन कौर कांग्रेस टिकट की दौड़ में पहले भी रही हैं लेकिन सामान्य सीट होने के कारण टिकट नहीं मिला इस बार फिर सिमरन कौर कांग्रेस से टिकट की दौड़ में लगी है। सिमरन कौर दलित नेता स्वर्गीय बाबू संपत राम की पुत्रवधू होने के साथ राजस्थान सरकार में प्रशासनिक सेवा में रहे वरिष्ठ आईएएस अशोक संपत राम की पत्नी है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 14 जून, 2023

आषाढ़ मास, कृष्ण पक्ष, एकादशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, अश्विनी नक्षत्र दिन 11:40 तक, अतिगंड योग रात्रि 3:00 तक, बालव करण प्रात: 8:44 तक, चन्द्रमा आज मेष राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-वृष, चन्द्रमा-मेष, मंगल-कर्क, बुध-वृष, गुरू-मेष, शुक्र-कर्क, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज कुमार योग प्रात: 8:49 तक है। राजयोग दिन 1:40 से सूर्योदय तक है। आज योगिनी एकादशी व्रत है।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:02 तक, शुभ 10:44 से 12:27 तक, चर 3:52 से 5:35 तक, लाभ 5:35 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:37, सूर्यास्त 7:17

मेष

मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मन:स्थिति में सुधार होगा। आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्य योजनानुसार बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

वृष

मित्रों/रिश्तेदारों के कारण समय खराब हो सकता है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मिथुन

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

सिंह

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा।

कन्या

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। यात्रा में दुर्घटना का भय बना रहेगा।

तुला

परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। धार्मिक-सामाजिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बढ़ेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक

विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण दु:ख हो सकता है। महत्वपूर्ण और आवश्यक कार्यों के संबंध में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में मानसिक तनाव बना रहेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। परिजनों के व्यवहार के कारण अपमानित होना पड़ सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कुंभ

परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिचितों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक विवादों से राहत मिल सकती है। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन

आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

अंत्येष्टि स्थल से अतिक्रमण हटवाया

सूरौठ। थाना अन्तर्गत ग्राम ढिंढोरा में योगी समाज के अंत्येष्टि स्थल पर समाज के ही कुछ लोगों के द्वारा कर रखे अतिक्रमण को सूरौठ तहसीलदार गजानंद मीणा सूरौठ प्रशिक्षु डीएसपी अशोक जोशी थाना प्रभारी कैलाश चंद बैरवा कि उपस्थित में करवाया गया ध्वस्त तहसीलदार मीना ने जानकारी देते हुए बताया कि योगी समाज के द्वारा समाज के ही तीन चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया गया।

जगदीश प्रसाद योगी विजेन्द्र योगी रघुवीर योगी बाबूलाल योगी काडु नाथ योगी जल्लीराम योगी राकेश योगी रामभरोसी योगु रामहरि प्रेमराज योगी सहित सभी लोगों ने सूरौठ तहसीलदार गजानंद मीणा ढिंढोरा ठाम विकास अधिकारी विक्रम बेनीवाल सरपंच प्रतिनिधि गंगा प्रसाद बंडा पटवारी व सूरौठ प्रशिक्षु डीएसपी अशोक जोशी सहित सभी प्रशासनिक अधिकारियों का जताया आभार जगदीश योगी ने बताया कि सर्व योगी समाज 70 से 80 वर्षों से वही पर समाधि देते चले आ रहे हैं ये तीन चार लोग अंत्येष्टि स्थलों में दबे शवों को बाहर निकालने की कोशिश बार बार करता था जिस पर इनके खिलाफ सूरौठ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी।

बाढ़ करसोली में विधायक कोष से 28 लाख से ज्यादा के विकास कार्य हुए

हिण्डौन सिटी। विधायक भरोसी लाल जाटव ने राजस्थान सरकार की ओर से चलाए जा रहे महंगाई राहत शिविर एवं प्रशासन गांव के संग अभियान ग्राम पंचायत बाढ़ करसोली में शिविर का निरीक्षण किया एवं मुख्यमंत्री वारंटी कार्ड वितरित किए।

इस दौरान विधायक भरोसी लाल जाटव के साथ नगर परिषद सभापति बृजेश कुमार जाटव हिंडौन एसडीएम सुरेश हरसोलिया, हिंडौन देहात ब्लॉक अध्यक्ष भगत सिंह डागुर, शहर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष नरसी पाराशर भी मौजूद रहे। इस अवसर पर ग्राम पंचायत बाढ करसोली सरपंच राजकुमारी जाटव एवं सरपंच प्रतिनिधि समाजसेवी दिनेश जाटव सहित सर्व समाज के पंच पटेलों ने विधायक भरोसी लाल सहित सभी अतिथियों का माला एवं साफा बाधकर स्वागत किया। लाभार्थियों को संबोधित करते हुए नगर परिषद सभापति बृजेश कुमार जाटव ने कहा कि ग्राम पंचायत बाढ़ करसोली में विधायक कोष से 28 लाख से ज्यादा के विकास कार्य किए गए हैं एवं पंचायत समिति से भी इस ग्राम पंचायत में काफी विकास कार्य हुए हैं।

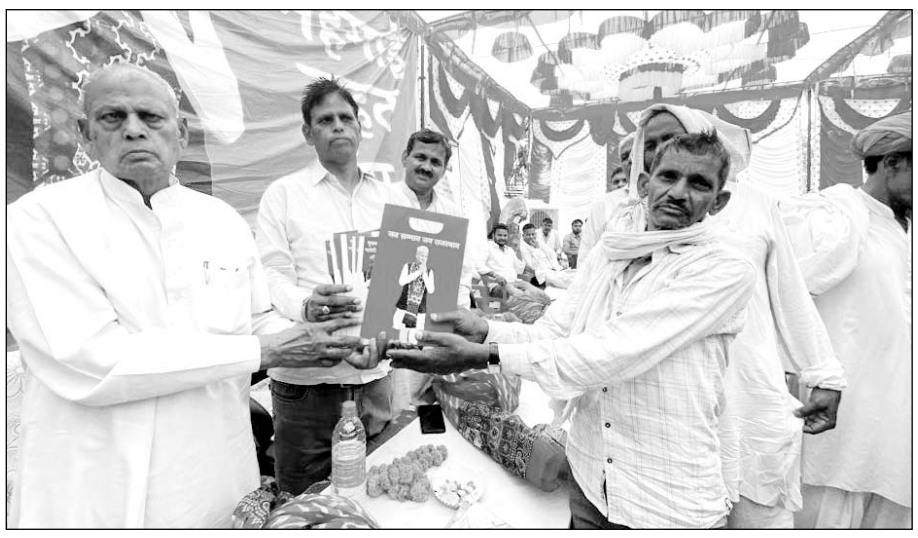

विधायक भरोसी लाल जाटव ने करसोली में शिविर का निरीक्षण कर वारंटी कार्ड वितरित किए।

सभापति बृजेश जाटव ने बताया कि आमजन और वंचित वर्ग को महंगाई से राहत देने के लिए उनकी दैनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में कई जनउपयोगी घोषणाएं की है। इन घोषणाओं को जन-जन तक पहुँचाने तथा मिशन मोड में प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन हेतु महंगाई राहत कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। मंहगाई राहत कैम्पों में 10 योजनाओं का लाभ प्रदान किया जा रहा हैं। उक्त योजनाओं से लाभान्वित होने हेतु अपने नजदीकी कैम्प में आवश्यक रूप से स्वयं अथवा अपने परिजन के माध्यम से उपस्थित हो योजनाओं में पंजीकरण करावें। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की जनता की समस्या को बखूबी जाना तो उन्होंने आम जनता को सीधा लाभ देने के लिए यह योजनाएं लागू की और इन योजनाओं की कानून बनाकर गारंटी भी दी पहले व्यक्ति इलाज कराने के लिए कर्ज लेने को मजबूर होता था किसानों की खेती तक बिक जाती थी इसे देखते हुए 10 लाख की बीमा राशि को बढ़ाकर 25 लाख रुपये कर दिया आप राजस्थान के किसी भी बड़े हॉस्पिटल में जाकर अपना निशुल्क इलाज करा सकते हैं उन्होंने बताया कि किसानों के लिए 2000 यूनिट बिजली फ्री एवं घरेलू कनेक्शनों में 100 यूनिट बिजली फ्री सुविधा हमारी सरकार ने दी हैं।

सार-समाचार

बहुजन राज अधिकार यात्रा निकाली

करौली (नि.स.) करौली जिले की सपोटरा विधानसभा क्षेत्र के गाम महोली, नयापुरा, दलापुरा, करसाई आदि जगह-जगह पहुंच बहुजन राज अधिकार यात्रा के तहत मिशन 2023 एवम कैलादेवी में 24 जून 2023 को सपोटरा विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ता सम्मेलन की तैयारी हेतु मंगलवार को नुक्कड़ सभाएं कर आम जन से संपर्क किया जिसके मुख्य अतिथि विजय कुमार बैरवा जिला प्रभारी, दौलत सिंह जाटव,शिव सिंह जाटव, जिला अध्यक्ष जमुना लाल जाटव, कमल बैरवा, जमुना लाल मामचारी, नरेश भांकरी आदि साथ में रहे

पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षित किया

करौली (नि.स.)। नवनियुक्त जिला पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता ने बढ़ते साइबर क्राइम को गंभीरता से लेते हुए जिले जिले के पुलिस कर्मचारियों को युद्ध स्तर पर प्रशिक्षित किया जा रहा है जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जीरो टोलरेंस अगेंस्ट साइबर फ्रॉडडस्टेर्स एक्शन प्लान के तहत आधुनिक साइबर सुरक्षा परिदृश्य में पुलिसकर्मियों को अधिक प्रभावशाली सक्षम और सफल बनाने की लिए सूचना व संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग को सतत व परिणामोन्मुखी ढंग से उपयोग में ले कर युद्ध स्तर पर प्रशिक्षित किया जा रहा है जिससे साइबर क्राइम पर अंकुश लगेगा।

नशे के दुष्प्रभाव की दी जानकारी

करौली (नि.स.)। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत मंगलवार को सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के नेतृत्व में नेहरू युवा केंद्र द्वारा विभिन्न गांव में जनसंपर्क कर महिलाओं एवं बच्चों में नशा मुक्ति की जानकारी प्रदान की। नशे के दुष्प्रभाव से होने वाले परिणामों के बारे में जानकारी देकर नशा मुक्ति हेतु गांव गांव के लोगों को जागरूक किया साथ ही सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के छात्रावास अधीक्षकों द्वारा जिले में चल रहे विभिन्न कैंपों में ग्रामीणों को नशा मुक्त भारत अभियान के बारे में जानकारी दी।

भाजपा सोशल मीडिया माध्यम के जरिए चलाएगी कैंपेन

गंगापुर सिटी । भारतीय जनता पार्टी गंगापुर सिटी की सोशल मीडिया कार्यशाला सोमवार को जयपुर रोड बाईपास स्थित आर के रेस्टोरेंट में आयोजित हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सुशासन के 9 वर्ष के उपलक्ष्य में सोशल मीडिया कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें आई टी विभाग एवं सोशल मीडिया से जुडे दायित्वमान कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

कार्यशाला में पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, विस्तारक योजना संभाग प्रभारी राजवीर सिंह, सभापति शिवरतन अग्रवाल, विधानसभा प्रभारी केदार लाल मीणा मंचासिन रहें। कार्यशाला का विधिवत शुभारंभ भारत माता,पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्रपट पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्ज्वलित कर राष्ट गीत वंदे मातरम् के साथ किया। जिसमें आई टी विभाग एवं सोशल मीडिया के पदाधिकारियों से संवाद किया गया। अभी ने अपने अपने सुझाव दिए। विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी मैदान में उतर चुकी हैं। सोशल मीडिया प्रचार के लिए टीम बना रही हैं। बीजेपी ने अपना समीकरण बनना चालू कर दिया है।सोशल मीडिया वॉरियर तैयार कर रही है जो सोशल मीडिया पर बीजेपी का प्रचार करेंगे।सोशल मीडिया संचार के माध्यमों में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। सोशल मीडिया विभाग में काम करने वाले सभी पदाधिकारी सोशल मीडिया वॉरियर हैं। पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर ने कहा कि विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम से केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों सहित पार्टी की गतिविधियों और कार्यक्रमों को बूथ स्तर तक जनता के बीच पहुंचाना हैं। प्रत्येक बूथ स्तर पर सोशल मीडिया वॉरियर्स के माध्यम से बेहतर ढंग से केंद्र सरकार और पार्टी की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे। विस्तारक योजना संभाग प्रभारी राजवीर सिंह ने सोशल मीडिया का उपयोग कहां-कहां और किस तरह करना है, इसकी जानकारी दी उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले हमें अभी से सक्रिय होने की आवश्यकता है, ताकि चुनाव के पहले से बेहतर परिणाम आ सके। सभापति शिवरतन अग्रवाल ने कहा कि पार्टी की गतिविधियों को भी लोगों तक पहुंचाए। बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं को रोजाना सोशल मीडिया पर पोस्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। विधानसभा प्रभारी केदार लाल मीणा ने सोशल मीडिया के चार प्रमुख प्लेटफॉर्म्स हैं और हर प्लेटफॉर्म एक अलग तरह के यूजर को अपील करता है। रणनीति बनाते हुए अभी तक हमारी सोशल मीडिया योजना में सभी प्लेटफॉर्म्स को एक साथ रखा जाता था, लेकिन फेसबुक अपने आप में एक बडा प्लेटफॉर्म है, जबकि व्हाट्सएप की पहुंच बूथ स्तर तक है,इंस्टाग्राम युवाओं को आकृष्ट करता है. इसलिए हमने तय किया कि इन सब प्लेटफॉर्म्स के लिए अलग-अलग कार्यकर्ता की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

शिविर सेमिनार आयोजित

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। 14 जून पूरे विश्व में विश्व रक्तदाता दिवस के रूप में मनाया जाता है इस दिन लोगों में जागरूकता फैलाने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग हिंडौन सिटी द्वारा 14 जून बुधवार 9 बजे से 2 बजे तक जिला अस्पताल हिंडौन सिटी एवं निर्मल महाविद्यालय हिंडौन सिटी में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है ।

जिला अस्पताल के पीएमओ डॉ पुष्पेंद्र गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर को सफल बनाने हेतु जिला चिकित्सालय एवं ब्लॉक चिकित्सा विभाग की टीम ने विभिन्न शिक्षण संस्थाओं एवं विभागों में संपर्क कर रक्तदान के संबंध में जागरूकता तक लाने का प्रयास किया इसी क्रम में एक सेमिनार निर्मल कॉलेज में आयोजित किया गया जिसमें बीसीएमओ डॉक्टर दीपक चौधरी फिजिशियन डॉ आशीष कुमार शर्मा, मुकेश जैन भारत विकास परिषद स्थानीय विद्यालय प्रशासन एवं कई छात्र-छात्राओं ने भाग लिया इस दौरान इस दौरान डॉ आशीष शर्मा ने बताया की मानव रक्त का कोई भी विकल्प अभी तक दुनिया में उपलब्ध नहीं है ।

भाजपा का विशेष लोकसभा अभियान 30 से

हिण्डौन सिटी (का.सं.)। भारतीय जनता पार्टी हिण्डौन सिटी विधानसभा के कार्यकर्ताओं की बैठक क्यारदा के बालाजी के मंदिर पर सम्पन्न हुई।

बैठक के मुख्य अतिथि भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष महेन्द्र सिंह मीना ने उपस्थित कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए कहा कि 30 मई 2023 को देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र में भाजपा सरकार सफलतम 9 वर्ष पूर्ण किये है।

इस अवसर पर 30 जून 2023 तक भाजपा संगठन द्वारा विभिन्न कार्यक्रम सभी जिला ,मण्डल ,शक्ति केन्द्र एवं बूथ पर आयोजित किए जायेंगे तथा विशेष लोकसभा अभियान लोकसभा क्षेत्रों में चलाया जायेगा। मीना ने बताया कि लोकसभा एवं विधानसभा,मण्डल स्तर पर कार्यक्रम किये जायेंगे। योग दिवस का कार्यक्रम 21 जून। डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्य तिथि पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 10 लाख बूथों पर वर्चुअल संवाद (23 जून). 20 जून से 30 जून तक घर -घर अभियान रहेगा।

हिण्डौन सिटी में भारतीय जनता पार्टी विधानसभा क्षेत्र के कार्यकर्ताओं की बैठक हुई।

मीना ने बताया कि विधानसभा मे संयुक्त मोर्चा सम्मेलन ,लाभार्थी सम्मेलन ,योग दिवस पर कार्यक्रम ।मीना ने कहा कि 20 जून से 30 जून तक बूथ पर घर-घर अभियान में 9 बर्ष की उपलब्धियों पर जनता में चर्चा करना। मिस्डकॉल कराना। स्टीकर लगाना, साहित्य एवं प्रचार सामठी देना /वितरित करना। मीना ने कहा कि जल जीवन मिशन के तहत राजस्थान में 36 लाख से अधिक परिवारों को दिये गए नल से जल कनेक्शन। कोविड-19 महामारी के दौरान राजस्थान में 4 करोड से अधिक गरीबों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत मिला नि:शुल्क राशन। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 83 लाख से अधिक शौचालयों का निर्माण किया।

पुलिस अधीक्षक का स्वागत

करौली (नि.स.)। अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय सचिव राजेश गोयल ने आईपीएस अधिकारी ममता गुप्ता का करौली जिला के नवनियुक्त पुलिस अधीक्षक का कार्यभार ग्रहण करने पर अग्रवाल समाज के प्रमुख लोगो के साथ उनके कार्यालय जाकर फूल-माला,पुष्पगुच्छ,साफा दुपट्टा एवं भगवान अग्रसेन जी का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत अभिनंदन किया गया।

सचिव राजेश गोयल ने कहा की अग्रवाल समाज की प्रतिभाएं देश और दुनिया के कोने-कोने में समाज का नाम रोशन कर रही है कठिन परिश्रम कर आमजन को सराहनीय सेवा देकर युवा पीढी को प्रोत्साहित कर रही हैं अपने समाज के युवाओं से अपने कार्य क्षेत्र में परिश्रम करते हुए ऊंचा मुकाम हासिल करने का आह्वान किया इस अवसर पर नगर परिषद करौली की पूर्व चेयरमैन कमलेश गुप्ता,अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष एवं ट्रस्टी गोविंद तमखेरा,पूर्व पार्षद नरेश बंसल, सुमित गर्ग,शिक्षाविद भावना गुप्ता,व्यापार संघ के उपाध्यक्ष हेमंत मंगल सहित अग्रवाल समाज के प्रमुख लोग पस्थित रहे।

घेराव में बामनवास भाजपाई शामिल हुए

बामनवास। उपखंड क्षेत्र सहित पुरे जिले के विभिन्न जगहों से जन आक्रोश महाघेराव कार्यक्रम में सैक्ड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व युवाओ का हुजुम शामिल हुआ ।

प्रदेश में कांग्रेस सरकार के जंगलराज भ्रष्टाचार और कुशासन के खिलाफ जन आक्रोश महा घेराव भारतीय जनता पार्टी द्वारा जन आक्रोश महाघेराव में बामनवास सहित पुरे जिले भर से भाजपा युवा नेता अनंत बड़िला के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए इस कार्यक्रम में शामिल हुए युवाओं में जोश देखने को मिला कांठोस सरकार में बेरोजगार युवाओं के साथ कुठार घात किया है कांठोस सरकार मैं ज्यादातर है भर्ती आए भर्तियों का पेपर लीक हुआ है लेकिन आज तक मुख्य आरोपी गिरफ्त से दूर है और रीट पेपर में मंत्री विधायकों का हाथ हैं लेकिन सरकार इसकी निष्पक्ष जांच नहीं कर रही सीबीआई से जांच होती तो आज कांठोस के कहीं विधायक और मंत्री जेल की सलाखों के पीछे होते हैं कांठोस सरकार युवाओं के साथ उनके भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रही है भ्रष्टाचारी बेरोजगारी विभिन्न मांगों को लेकर इस महाघेराव में कांठोस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया जिसमे वामनवास व गंगापुर सिटी युवा नेता राहुल गोयल महेंद्र जोगी राकेश फुलवाड़ा अवधेश बैसला विकास अरनिया नरेश राजेश शिवराज हेमंत हरकेश भोला लेखराज शिवकेश कपिल संदीप धीरज पुस्पेंद्र उत्तम ऋषि संजय सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद थे।

फील्ड विजिट : भरतपुर ग्राम पंचायत रारह में भरतपुर जिले के नवनियुक्त ग्राम विकास अधिकारियों द्वारा फील्ड विजिट किया गया। जिसमें ग्राम पंचायत रारह के विभिन्न विकास कार्यों का अवलोकन किया गया। उक्त सभी कार्यों का सभी नवनियुक्त ग्राम विकास अधिकारियों द्वारा कार्यों को बहुत शनदार प्रशंसा की।

सीएचसी का औचक निरीक्षण

करौली (नि.स.) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की आमजन तक सहज और समय अनुरूप पहुंच की जानकारी के लिए सीएमएचओ डॉ. दिनेश चंद मीणा ने सीएचसी कुडगांव का औचक निरीक्षण किया जहां इंचार्ज अनुपस्थित मिला जिसके खिलाफ कार्यवाही की जाएगी।

सीएमएचओ डॉ. मीणा ने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन कर उपस्थित कार्मिकों की स्थिति जांची जिसमें इंचार्ज अनुपस्थित पाया गया उन्होंने संस्था पर सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए जांच कक्ष,भर्ती कक्ष,प्रसूता वार्ड और जनरल भर्ती वार्ड का निरीक्षण कर भर्ती मरीजों से व्यवस्थाओं का फीडबैक लिया।

उन्होंने प्रसूताओं से जानकारी जताते हुए कोल्ड चैन मे रखी वैक्सीन का बीबीएम जांचा उन्होंने जांच दौरान पाई खामियों को जल्द ठीक कराने के निर्देश प्रदान किए। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में कुछ खामियां मिली ।

हैरिटेज लाइटिंग कार्य का किया शिलान्यास

भरतपुर (निस)। राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास योजना के चतुर्थ चरण के तहत् लक्ष्मण मन्दिर पर 71 लाख रुपये की लागत से होने वाले हैरिटेज लाइटिंग कार्य का तकनीकी षिक्षा एवं आयुर्वेद राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने षिलान्यास किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर निगम के महापौर अभिजीत कुमार ने की तथा विषिष्ठ अतिथि के रूप में उप महापौर गिरीष चौधरी, नगर निगम के आयुक्त सुभाष गोयल, नगर विकास न्यास के सचिव कमलराम मीणा, शहर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. दयाचन्द पचौरी व शहर के पार्षद उपस्थित थे। शिलान्यास के बाद आयोजित समारोह को सम्बोधित करते हुये कहा कि भरतपुर के धरोहर स्थलों का सौन्दर्यकरण होने के बाद निष्चय ही पर्यटन गति विधियों में इजाफा होगा जिससे रोजगार के नये अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने बताया कि भरतपुर की ऐतिहासिक धरोहरों में जो पच्चीकारी, षिल्प सौन्दर्य एवं बेहतरीन बनावट की वजह से पर्यटकों का आकर्षण का केन्द्र रहे हैं। जब इनका सौन्दर्यकरण हो जायेगा तो पर्यटक निष्चय ही केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान को निहारने के बाद इन केन्द्रों को देखने अवष्य आयेंगे। उन्होंने परियोजना के अधिकारियों को निदेष दिये कि शहर सौन्दर्यकरण के कार्यों में गुणवत्ता पर विषेष ध्यान दें। प्रारंभ में परियोजना के अधीक्षण अभियन्ता नेमीचन्द पंवार ने बताया कि लक्ष्मण मन्दिर पर बिजली की कम खपत वाली एलईडी लाइटें लागई जायेंगी। जिसमें स्पॉट लाईट, स्ट्रिप लाईट, लीनियर लाईट, वॉल वाषर जैसी लाईटें शामिल होंगी। रोषनी के लिए अप लाईटर और डाउन लाईटर का इस्तेमाल किया जायेगा।

उन्होंने यह भी बताया कि शहर सौन्दर्यकरण के लिये आवंटित राशि में से टाउन हॉल परिसर का संरक्षण और पुर्नविकास, नेहरू पार्क का संरक्षण, शहर के प्रमुख 10 गेटों का सौन्दर्यकरण , गंगा मन्दिर व जामा मस्जिद के अग्रभाग पर हैरिटेज रोषनी, सलिग्राम कुण्ड व वृजेन्द्र विहारी कुण्ड का संरक्षण व पुर्नविकास का कार्य कराया जायेगा।

भाजपा ने टिफिन-वे कार्यक्रम मनाया

करौली (नि.स.) । विधानसभा करौली मे भाजपाइयों द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 9 वर्ष के कार्यकाल के पूरे होने के अवसर पर टिफिन-वे कार्यक्रम का आयोजन रणगमा ताल पर पूरे हर्षोल्लास के साथ किया गया।

कार्यक्रम मे भाजपा जिला अध्यक्ष बृजलाल डिकोलिया,कार्यक्रम के संयोजक प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अशोक सिंह धाभाई,जिला महामंत्री गजेंद्र सिंह,करौली शहर मंडल अध्यक्ष योगेश शर्मा उर्फ योगी,महामंत्री आशीष जैन,अजय पाल,गजेंद्र सिंह मीणा,नंदकुमार,अशोक वर्मा, द्वारका प्रसाद गुप्ता,नेता प्रतिपक्ष कुलदीप सिंह धाभाई,कपिल मित्तल,उत्तम सिंह जादौन,पार्षद दीपक, भैरों सिंह गुर्जर,राजकुमारी गुर्जर,गोपाल सिंह गुर्जर,रूप सिंह गुर्जर,धन सिंह चौहान,दिनेश माली आदि भाजपा कार्यकर्ता टिफिनो मे अपने घर से बनाये हुऐ खाने को लेकर रणगमा ताल पर पहुँचे ।

ब्राह्मण महासंगम 3 सितम्बर को

भरतपुर (निस)। सर्व ब्राह्मण महासभा ने महासंगम को लेकर जन जागरण कार्यक्रम षुरू कर दिये हैं। इसी विशय पर चर्चा एवं प्रेस कांफ्रेंसिंग हेतु भरतपुर में सर्व ब्राह्मण महासभा के राश्ट्रीय अध्यक्ष पंडित सुरेष मिश्रा सारस चौराहा स्थित सन एण्ड स्टार होटल में पधारे। जिसमें पंडित सुरेष मिश्रा ने भगवान परषुराम को दीप प्रज्वलित व स्मरण कर कार्यक्रम प्रारम्भ किया।

कार्यक्रम में पंडित सुरेश मिश्रा ने महासंगम से समाज के लोगों को अवगत कराते हुये बताया कि सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा आगमी 3 सितम्बर को जयपुर में ब्राह्मणों का महासंगम होगा। जिसकी शुरूआत दौसा, लालसोठ, गंगापुर सिटी, हिण्डौन सिटी व टोंक से हो चुकी है। जिसमें प्रदेष के हर बूथ से कम से कम 10 ब्राह्मणों को आमंत्रित किया जाएगा। इसके लिए प्रदेष के कुल 51000 वोटों पर समाज के बंधुओं से संपर्क किया जाएगा, और 200 विधानसभाओं के प्रभारी बनाये जा रहे हैं। इसी दौरान महासंगम को लेकर जिलाध्यक्ष पंडित ताराचंद षर्मा ने अपने वकतव्य में बताया कि 3 सितम्बर को आने वाले महासंगम के प्रति समाज का जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। इस लिए इस बार पहली बार प्रदेष की 200 की 200 विधानसभाओं से समाज बंधुओं को जयपुर बुलाया जाएगा और समाज हित में जो भी निर्णय इस महासंगम में लिए जायेंगे।

उन्हें समाज के हर तबके तक पहुंचाया जाएगा। मिश्रा ने बताया कि इस महासंगम में ब्राह्मण अस्मिता को मजबूत करने , समाज को एकजुट करने साथ ही राजनैतिक एवं सामजिक रूप से समाज की ताकत को बढाना एकमात्र उद्धेष्य होगा। मुख्य ऐजेन्डे के रूप में 14 प्रतिशत आरक्षण करने की मांग, भगवान परशुराम विश्वविद्यालय की स्थापना आदि मांगे रखी जायेगी।

पंचायत राज्य मंत्री ने पद दंगल कार्यक्रम में शिरकत की

सपोटरा विधानसभा क्षेत्र के बाढ सलेमपुर गांव में ग्रामीणों ने मंत्री रमेश मीणा का 51 किलो कि माला पहनाकर स्वागत किया।

करौली (नि.स.) ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री रमेश मीणा ने मंगलवार को सपोटरा विधानसभा क्षेत्र के बाढ सलेमपुर गांव पद पद दंगल कार्यक्रम में शिरकत की जिसमें मंत्री ने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों से पुरानी संस्कृति जीवित रहती है और आपसी भाईचारा बढ़ता है इस मौके पर सभी माता बहनों एवं बड़ों से आग्रह किया कि सभी अपने बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा दें जिससे समाज एवं क्षेत्र का नाम रोशन हो। गांव के पंच पटेल एवं ग्रामीणों ने मंत्री को 51 किलो की माला पहनाकर भव्य स्वागत किया इस मौके पर जिला प्रमुख प्रतिनिधि रक्षी लाल बैरवा,रामसहाय मीणा गुरदह,जलधारी मीणा, प्रतिनिधि पंचायत समिति प्रधान करौली एवं ग्रामवासी मौजूद रहे एवं मंत्री ने अपने विधायक कोष से अंबेडकर भवन निर्माण हेतु 10 लाख रुपए की घोषणा की ।

कांग्रेस कमेटी सचिव का स्वागत

करौली (नि.स.)। करौली शहर कि मुस्लिम बस्ती स्थित ढोलीखार मोहल्ला के मौलाना आजाद सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं द्वारा प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नव नियुक्त प्रदेश सचिव भूपेंद्र भारद्वाज का माला एवं साफा पहनाकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश सचिव भूपेंद्र भारद्वाज ने कहा कि आज करौली जिले में कांग्रेस बहुत मजबूत है आने वाले विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस विजय होगी इसके लिए हम सब कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर मेहनत करके कांग्रेस को मजबूत करना है और विजई बनाना है। उन्होंने कार्यकर्ताओं की समस्याओं के बारे में कहां की जिला एवं राज्य प्रशासन से कोई भी कार्य हो तो मे आपके साथ हमेशा तैयार हू कार्यक्रम में करौली शहर पूर्व ब्लाक अध्यक्ष लियाकत अली ने सबका धन्यबाद व्यक्त किया इस अवसर पर बाल कल्याण समिति चेयरपर्सन अनिल शर्मा, पीसीसी सदस्य महेंद्र सूरौठिया, कांग्रेस कमेटी के पूर्व देहात ब्लॉक अध्यक्ष चंद्र प्रकाश मीणा एवं पूर्व जेजेबी सदस्य माधव हरदैनिया का भी माला एवं साफा पहनकर स्वागत किया।

मंत्री ने राहत शिविर में शिरकत की

मण्डरायल के चंदेलीपुरा गांव में मंहगाई राहत शिविर में पंचायत राज्य मंत्री रमेश मीणा (बीच में) ने शिरकत की।

करौली (नि.स.)। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री रमेश चंद मीणा ने मंगलवार को ग्राम पंचायत चंदेलीपुरा के महंगाई राहत एवं प्रशासन गांव के संग अभियान कार्यक्रम के कैंप में शिरकत की।

इस मौके पर ग्राम पंचायत के सरपंच एवं पंच पटेलों द्वारा मंत्री का 51 किलो की फूलों की माला पहनाकर भव्य स्वागत किया। इस मौके पर मंत्री ने ग्राम वासियों से अपील की कि मुख्यमंत्री द्वारा चलाए जा रहे महंगाई राहत कैंप में 10 योजनाओं का लाभ उठाएं जिसमें नरेगा में 125 दिन का कार्य,500 में गैस सिलेंडर,1000 रुपये पेंशन,100 यूनिट बिजली बिल मुफ्त,मुख्यमंत्री चिरंजीवी बीमा योजना,निशुल्क चिरंजीवी स्वास्थ्य जिसमें 25 लाख रुपए तक का इलाज फ्री है का रजिस्ट्रेशन कराकर आदि का लाभ उठाएं और प्रशासन गांव के संग अभियान में अपने वंचित कार्यों को करावे इस मौके पर ग्रामीणों ने अपनी समस्या बताई जिसका मौके पर अधिकारियों को निर्देश देकर हल करने के निर्देश दिए साथ ही ग्रामीणों ने पेयजल की समस्या से मंत्री को अवगत कराया इस पर मंत्री ने कहा कि आपके गांव एवं ढाणियों में जल जीवन मिशन के तहत घर-घर नल योजना का कुछ ही दिनों में कार्य शुरू होने वाला है शीघ्र ही आपकी पेयजल की समस्या का समाधान हो जाएगा इस मौके पर ग्रामीणों ने एक तालाब की मांग रखी जिसके लिए मंत्री रमेश मीणा ने नरेगा योजना अंतर्गत तालाब निर्माण के लिए बीडीओ को निर्देशित किया।

अभिनंदन किया

गंगापुर सिटी । राजस्थान शिक्षक संघ सियाराम के प्रांतीय मंत्री रामदयाल मीणा और जिला अध्यक्ष सोहन लाल गुप्ता के नेतृत्व में और पदाधिकारियों ने आज विशेष अधिकारी डॉक्टर अंजली राजोरिया गंगापुर सिटी का माला पहनाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। साथ ही श्रीमान माननीय मुख्यमंत्री महोदय राजस्थान सरकार जयपुर के नाम ज्ञापन विशेष अधिकारी महोदया गंगापुर सिटी को दिया।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे अभिभाष्य गोपाल यादव पुत्र हरनाथा यादव एवं श्रीमती फूलादेवी पत्नी गोपाल यादव जाति अहीर निवासीगण, ग्राम पोस्ट डीडवाडी, तहसील बौली, जिला सवाई माधोपुर राजस्थान का पुत्र राकेश यादव मेरे अभिभाष्य से अलग रहता है एवं कहने सुनने में नही है तथा उसका व्यवहार मेरे अभिभाष्यगण के प्रति ठीक नही है इसलिए मेरे अभिभाष्यगण ने अपने पुत्र राकेश यादव को अपनी चल अचल सम्पति व अपने जीवन से बेदखल कर दिया है। अब मेरे अभिभाष्यगण का राकेश यादव से कोई लेना देना व सम्बन्ध सरोकार नही है। यदि कोई व्यक्ति राकेश यादव से किसी प्रकार का संव्यवहार किया है या करता है तो वह उसकी व्यक्तिगत जिम्मेदारी होगी इसके लिए मेरे अभिभाष्यगण किसी प्रकार से जिम्मेदार नही रहेंगे। सूचित रहे।
दिनांक-13.6.2023 खेमचन्द सैनी, एडवोकेट मो.-9351717175

कार्यालय ग्राम पंचायत रूंधपुरा,
पंचायत समिति मासलपुर, जिला करौली
क्रमांक:- 07 दिनांक:- 13.06.2023
ई-निविदा सूचना 01/2023-24
ग्राम पंचायत रूंधपुरा, पं.स. मासलपुर की महात्मा गांधी नरेगा व ग्रामीण विकास पंचायती राज विभाग की विभिन्न योजनान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए स्वीकृत निर्माण कार्यों के लिए अनुसांगिक सामग्री आपूर्ति हेतु वाणिज्यिक कर विभाग में जी.एस.टी. अधिनियम 2017 के तहत पंजीकृत एवं अनुभवी फर्मों/सप्लायर्स से दिनांक 31.03.2024 तक के लिए दर अनुबन्ध करने के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं। ई-निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण https://eproc.rajasthan.gov.in एवं https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती हैं।
ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत रूंधपुरा, पंचायत समिति मासलपुर, जिला करौली
सरपंच, ग्राम पंचायत रूंधपुरो, पंचायत समिति मासलपुर, जिला करौली

शराब व वर्दी के नशे में धुत आई.पी.एस. ने होटल में पूरी रात जमकर मचाया तांडव

अजमेर स्थित मकराना होटल में अपने दोस्तों के साथ कर्मचारियों से मारपीट कर की तोड़फोड़

अजमेर, (कासं)। जयपुर रोड स्थित मकराना होटल में एक आईपीएस द्वारा शराब के नशे में अपने दोस्तों के साथ होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट करते हुये तोडफोड़ करने के मामले में एक एएसआई व दो पुलिसकर्मियों सहित आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई को निलंबित किया गया है।

शहर में एक आईपीएस अधिकारी पर अपनी वर्दी और शराब के नशे का इतना गुरुर चढ़ा कि उसने अपने दोस्तों के साथ 11 जून की रात गेगल थाना क्षेत्र के होटल मकराना राज कर्मचारियों के साथ मारपीट और तोड़फोड़ कर दी ओर उसके बाद वहां से चले गये, घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। होटल संचालक ने इसकी सूचना जब गेगल थाना पुलिस को दी तो गेगल थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और आरोपितों की तलाश में निकल गए, लेकिन जब गेगल थाना पुलिस को पता चला की आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई ने होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट की है तो आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई उनके दोस्त और गेगल थाना पुलिस के पुलिसकर्मी एक बार फिर होटल पहुंचे और होटल में तांडव मचाना शुरू कर दिया।

होटल में जो भी लोग मौजूद थे उनके साथ मारपीट और होटल में तोड़फोड़ की गई, लेकिन शराब के नशे में आईपीएस अधिकारी सुशील कुमार विश्नोई यह भूल गए कि होटल में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं और उनकी यह पूरी काली करतूत होटल के सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई। घटना रात करीब 3:00 बजे की है, जब एक फॉर्च्यूनर कार और एक वेन्यू कार में आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई अपने दोस्तों के साथ होटल के बाहर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि आईपीएस अधिकारी सुशील विश्नोई ने वहां बाहर घूम रहे होटल कर्मचारी से वाशरूम की जानकारी ली तो कर्मचारी ने उन्हें वाशरूम का रास्ता बता दिया। इसके बाद सुशील कुमार बिश्नोई होटल के अंदर गए और वहां पर फिर से टॉयलेट का रास्ता पूछने लगे, जब होटल के अंदर मौजूद कर्मचारियों ने उन्हें बताया कि टॉयलेट का रास्ता बाहर से है तो सुशील कुमार विश्नोई ने अपना आपा खो दिया और अपने दोस्तों के साथ मिलकर होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट करना शुरू कर दिया।

रात करीब 3 बजे का वक्त होने के चलते होटल में अधिक स्टाफ मौजूद नहीं था, इसी का फायदा उठाते हुए आईपीएस अधिकारी ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर होटल में जमकर मारपीट की और तोड़फोड़ की। आईपीएस अधिकारी सिविल यूनिफॉर्म में होने के चलते होटल में उन्हें कोई पहचान नहीं सका। जानकारी के अनुसार जब होटल मालिक ने इसकी सूचना गेगल थाना पुलिस को दी तो गेगल थाना पुलिस की टीम होटल पहुंच गई। होटल कर्मचारियों ने पुलिस को बताया कि कुछ लोगों ने आकर उनके साथ मारपीट की और होटल में तोड़फोड़ की है।

जिस पर पुलिस टीम ने तुरंत आरोपियों की तलाश शुरू कर दी लेकिन जब गेगल थाना पुलिस को यह पता चला कि आरोपी कोई और नहीं उन्हीं के आईपीएस अधिकारी सुशील कुमार विश्नोई और उनके दोस्त हैं तो वह सुशील कुमार विश्नोई और उनके दोस्तों को लेकर एक बार फिर होटल में पहुंचे। जहां इस बार उन्होंने पहले से ज्यादा मारपीट की और पुलिसकर्मियों ने भी अपने हाथ साफ करने से बाज नहीं आए गेगल थाना पुलिस के सिपाहियों ने भी होटल कर्मचारियों के साथ मारपीट की।

अज्ञात लोगों के खिलाफ दर्ज की एफआईआर :- जब यह सूचना बाहर आई तो गेगल थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज की है। बताया जा रहा है की गेगल थाना के एसएचओ सुनील कुमार बेड़ा को पूरी घटना की जानकारी होने के बावजूद भी अज्ञात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आईपीएस अधिकारी को बचाने का प्रयास किया जा रहा है। अजमेर एसपी चुनाराम जाट ने घटना में शामिल गेगल थाने के एएसआई रूपाराम, कॉन्स्टेबल गौतम और मुकेश यादव सहित आईपीएस सुशील कुमार विश्नोई को निलंबित कर दिया है।

पूरी घटना पर अजमेर एसपी चुनाराम जाट से संपर्क करने का प्रयास किया लेकिन चुनाराम जाट मीडिया के सामने नहीं आ रहे हैं। वही थाना के एसएचओ सुनील कुमार से जब इस बारे में बात की गई तो उन्होंने कहा कि आरोपियों की तलाश की जा रही है कुछ लोगों को राउंडअप भी किया है लेकिन वह आईपीएस अधिकारी सुशील कुमार बिश्नोई के खिलाफ कुछ भी कहने से बचते हुए दिखाई दे रहे हैं।

आईपीएस की ओर से मारपीट करने मामले में राठौड़ से मुलाकात करते राजपूत समाज के लोग।

- मामले में ए.एस.आई. व दो पुलिसकर्मी सहित आई.पी.एस. को निलंबित किया
- आई.पी.एस. विश्नोई ने अपने दोस्तों के लिये रखी थी विदाई पार्टी

बताया जा रहा है कि सुशील कुमार विश्नोई ने अपने दोस्तों के साथ अपने अजमेर से विदाई की पार्टी रखी थी। वहीं पूरे मामले में अब राजपूत समाज भी खुलकर सामने आया है बताया जा रहा है कि यह होटल राजपूत समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति का है, राजपूत समाज ने आरटीडीसी चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड से भी मुलाकात कर उन्हें पूरी घटना से अवगत कराया है धर्मेंद्र राठौड ने मीडिया से कहा कि इस मामले में किसी भी अधिकारी और पुलिसकर्मी को बख्शा नहीं जाएगा मामले की निष्पक्ष जांच करवाई जाएगी। धर्मेन्द्र राठौड से मुलाकात के दौरान राजपूत समाज के दशरथ सिंह सकराय, नरेंद्र सिंह जालमपुरा, सुमेर सिंह शेखावत, डॉक्टर अजय सिंह राठौड़, बहादुर सिंह पीपरोली, पार्षद देवेंद्र सिंह शेखावत, गजेंद्र सिंह पीह, दातार सिंह राठौड़, मूल सिंह रुनीजा, महावीर सिंह गौड, पदम सिंह भाटी, जय सिंह राठौड़, शम्भू सिंह राठौड, सहित बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे।

विधायक कल्पना देवी का गनमैन गायब

पुलिस विभाग से लेता रहा भुगतान

कोटा, (निसं)। विधायकों की सुरक्षा के लिए सरकार संबंधित जिले की पुलिस से गनमैन मुहैया करवाती है जिन्हें पर्सनल सिक्योरिटी ऑफिसर कहते हैं। कोटा में एक ऐसा मामला सामने आया है जिसमें विधायक के पास बीते 4 साल से गनमैन नहीं है लेकिन गनमैन के वेतन का भुगतान पुलिस विभाग कर रहा है।

पुलिस विभाग ने वर्ष 2019 में विधायक की सुरक्षा में गनमैन तैनात किया था लेकिन वो विधायक के पास पहुंचा ही नहीं। वह न तो पुलिस विभाग में ड्यूटी कर रहा है न ही विधायक की सुरक्षा में लगा है पिछले 4 साल से गनमैन न केवल पुलिस विभाग से वेतन ले रहा है बल्कि अपने हथियार की वार्षिक रिपोर्ट भी जमा करा रहा है।

इस दौरान वह मौज मस्ती करता रहा। मामले के अनुसार कोटा शहर पुलिस लाइन में तैनात कांस्टेबल जितेंद्र सिंह (बेल्ट नंबर 1088) को साल 2019 में विधायक कल्पना देवी के गनमैन के तौर पर तैनात किया गया था उसने कभी विधायक के सुरक्षाकर्मी के तौर पर काम ही नहीं किया।

हालात ये हैं कि न तो विधायक ने और न ही पुलिस ने पुष्टि की कि उनका जवान गनमैन के तौर पर कार्यरत है या नहीं। जितेंद्र सिंह न तो ड्यूटी कर रहा था न ही वह पुलिस लाईन में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहा था। इसका फायदा उठाकर वह बीते 4 सालों से मौज मस्ती में कर रहा था वर्तमान में भी जितेंद्र सिंह लद्दाख घूमने गया है। उसका मोबाइल स्विच ऑफ आ रहा है। कुछ देर के लिए जब फोन चालू हुआ तो उसे पुलिस अधिकारियों ने पुलिस लाईन में हाजिरी देने के लिए कहा लेकिन उसने फिर फोन स्विच ऑफ कर लिया। वीआईपी की सुरक्षा में लगे गनमैन को हर साल अपने हथियार का ब्यौरा उपलब्ध कराना होता है। जिसके लिए उसे पुलिस लाइन में जाना पड़ता है।

- पुलिस विभाग ने वर्ष 2019 में विधायक की सुरक्षा में गनमैन तैनात किया था लेकिन वो विधायक के पास पहुंचा ही नहीं

जब विधायक के साथ लगे गनमैन जितेंद्र सिंह को फोन किया गया तो उनका फोन स्विच ऑफ मिला। ऐसे में पुलिस ने विधायक को फोन कर दिया। विधायक ने कहा कि उनके पास तो कोई गनमैन ही नहीं है। इससे पूरे मामले का भंडाफोड़ हो गया। इसके बाद पुलिस ने आंतरिक जांच शुरू की तो सामने आया कि बीते 4 सालों से वह पुलिस लाईन में अपने हथियार का ब्यौरा प्रस्तुत कर सैलरी भी पूरी उठा रहा था। विधायक कल्पना देवी के बयान के आधार पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) राम कल्याण मीणा ने जितेंद्र सिंह को निलंबित कर दिया है।इस पूरे प्रकरण की जांच पड़ताल भी शुरू कर दी है। एडिशनल एसपी मीणा का कहना है कि इस मामले में विधायक के बयान के बाद कांस्टेबल को निलंबित किया गया है और नियमानुसार कार्रवाई कर रहे हैं। आरोपी कांस्टेबल जितेंद्र सिंह सोलंकी बीते 4 सालों में कई बार पुलिस लाईन में आकर ट्रेनिंग भी ली है। साथ ही वह जयपुर में जाकर गनमैन का प्रशिक्षण भी अलग से 2022 जुलाई में लेकर आया है। हर बार ट्रेनिंग के लिए पुलिस लाईन में आमद करवाता था। साथ ही ट्रेनिंग पूरी हो जाने के बाद वापस रवानगी ले लेता था।

इसके साथ ही पुलिस कर्मियों की परीक्षा भी पुलिस लाईन में आयोजित हुई है इसके लिए भी जितेंद्र सिंह सोलंकी को कई बार पुलिस लाईन से संपर्क किया गया जिसके बाद वह आकर परीक्षा दे जाता और वापस चला जाता था ताकि किसी को शक नहीं हो कि वह कल्पना देवी के साथ बतौर सुरक्षाकर्मी काम नहीं कर रहा है। जितेंद्र सिंह सोलंकी ने एक बार भी पुलिस लाईन में किसी को यह नहीं बताया कि वह कल्पना देवी की सुरक्षा में नहीं लगा हुआ है।

इसके चलते हमेशा पुलिस लाइन से उसकी सैलरी बन जाती थी और उसके खाते में चली जाती थी। आरोपी कांस्टेबल जितेंद्र सिंह सोलंकी को करीब 50 हजार रुपए से ज्यादा की सैलरी हर माह मिल रही थी। ऐसे में वह अभी तक 25 लाख रुपऐं की सैलरी उठा चुका हैं। जबकि उसने बतौर सुरक्षाकर्मी काम ही नहीं किया है। कोटा सिटी पुलिस लाईन के संचित निरीक्षक भगवान सहाय का कहना है कि सैलरी बनाने के लिए कोई डॉक्यूमेंट एमएलए या उसके ऑफिस से नहीं लिया जाता है। ऐसे में लगातार जितेंद्र की सैलरी पुलिस लाईन से बनती रही थी। विधायक कल्पना देवी कोटा के पूर्व राज परिवार की सदस्य हैं। ऐसे में सिविल लाइंस स्थित राजभवन में ही निवास करती हैं।

दूसरा उनका कार्यालय भी नेहरू गार्डन के नजदीक है। पूर्व राजपरिवार के सुरक्षाकर्मी पहले से भी हैं ऐसे में विधायक बनने के बाद कल्पना देवी ने किसी सुरक्षा गार्ड या गनमैन को लगाने की जरूरत भी नहीं समझी है। उनके निजी सहायक रूपेश राय का कहना है कि कभी सुरक्षाकर्मी की जरूरत ही नहीं हुई। कांस्टेबल जितेंद्र सिंह सोलंकी पता नहीं कहां से कागज लाकर गनमैन बन गया हमने कभी देखा भी नहीं है। साथ ही वह एमएलए कल्पना देवी के पास कभी आया भी नहीं है।

पेपरलीक मास्टर माइंड को हाईकोर्ट से नहीं मिली राहत

शिक्षक पात्रता योग्यता परीक्षा पेपर लीक मामले का है मास्टर माइंड है सुरेश ढाका

जोधपुर, (कासं)। शिक्षक पात्रता योग्यता परीक्षा पेपर लीक मामले के मास्टर माइंड सुरेश ढाका को राजस्थान हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली है। आरोपी सुरेश ढाका की तरफ से अग्रिम जमानत के लिए दूसरी बार एप्लीकेशन लगाई गई थी, जिस पर सुनवाई हुई। कोर्ट ने अगली सुनवाई 5 जुलाई रखी है।

बता दें कि 28 अप्रैल को हाईकोर्ट ने अग्रिम जमानत का आवेदन डिटेल ऑर्डर के साथ खारिज कर दिया गया था। इस आदेश को सुरेश ढाका ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में ढाका के वकील सलमान खुर्शीद ने दलील दी कि सुरेश ढाका के खिलाफ 5 प्रकरण बताए गए हैं जो सभी असत्य हैं। उसके खिलाफ कोई केस पैंडिंग नहीं है। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने याचिका को यह कह कर निस्तारित कर दिया था कि यह फैक्ट राजस्थान हाईकोर्ट के समक्ष प्रस्तुत करें। इसके बाद मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई जिसमें सरकारी वकील ने एसओजी के जांच अधिकारी लाखन सिंह को तथ्यात्मक रिपोर्ट के साथ पेश किया।

- ढाका ने अग्रिम जमानत के लिए दूसरी बार लगाई थी एप्लीकेशन

लाखन सिंह ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध 5 प्रकरण हैं, यह एकदम सही है। हमारे द्वारा जो तथ्यात्मक रिपोर्ट पेश की गई है, उसमे भी इसका उल्लेख है। हाईकोर्ट में पिछली सुनवाई 29 मई को हुई थी। तब अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी ने कोर्ट के समक्ष कहा था कि आरोपी सुरेश ढाका के खिलाफ पांच प्रकरण है, इस पर हम अगली सुनवाई में नई तथ्यात्मक रिपोर्ट मय आईओ के शपथ पत्र के साथ पेश करेंगे।इस पर आज मंगलवार को अतिरिक्त महाधिवक्ता अनिल जोशी ने नई तथ्यात्मक रिपोर्ट मय आईओ के शपथ पत्र के साथ पेश की। आरोपी के अधिवक्ता सलमान खुर्शीद ने कोर्ट से आग्रह किया कि शपथ पत्र की कॉपी हमें आज दी गई है। हमें इसके लिए समय दिया जाए। इस पर हाईकोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख 5 जुलाई को नीयत की है।

कार्यवाहक सरपंच रिश्वत लेते पकड़ा

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर एसीबी ने उप सरपंच हाल कार्यवाहक सरपंच को 53 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया। बालेसर निवासी सरपंच ने 2 पट्टे जारी करने के एवज में 53 हजार की घूस मांगी थी।

ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर जोधपुर-ग्रामीण इकाई ने आज कार्यवाही करते हुए बालेसर तहसील के गांव बेलवा खत्रिया के उप सरपंच हाल कार्यवाहक सरपंच सेठाराम माली को परिवादी से 53 हजार रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अतिरिक्त महानिदेशक हेमंत प्रियदर्शी ने बताया कि ए.सी.बी. की जोधपुर ग्रामीण इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी। परिवादी ने बताया कि उसके पैतृक भूखण्ड के दो पट्टे जारी करने की एवज में सेठाराम माली उप सरपंच हाल कार्यवाहक सरपंच द्वारा 55 हजार रुपए रिश्वत राशि की मांग कर परेशान किया जा रहा है।

आंधी-तूफान के आसार

भरतपुर (निस)। पिछले दिनों आये चक्रवाती तूफान से सम्पत्ति के साथ जनहानि भी हुई, अभी मौसम विभाग ने 15 से 16 जून को पुन: आंधी-तूफान आने की चेतावनी जारी की है। कृषि महाविद्यालय कुम्हेर के डीन डॉ. उदयभान सिंह ने बताया कि आंधी और तूफान से अक्सर पशुओं, फसलों, कमजोर इमारतों, बिजली के खम्भों, पुराने पेड़ों के साथ-साथ मनुष्यों को हानि पहुँचती है। सावधानियाँ अपनाकर आंधी तूफान के कहर से बचा जा सकता है।

गैस पाइप लीकेज से हड़कंप मचा

खुदाई करते समय कट गई लाइन

जोधपुर, (कासं)। शहर के सालावास रोड पर मंगलवार की सुबह गैस लीकेज से हडक़ंप मच गया। बताया गया कि लाइन खुदाई करते लाइन कट गई। जिससे गैस का लीकेज हुआ। बाद में पुलिस और कंपनी के अधिकारी वहां पहुंचे और गैस पाइप लाइन को दुरूस्त करवाया गया। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। बताया गया कि बिना अनुमति के सफाई का कार्य चल रहा था। बासनी में एक फैक्ट्री में कपड़ा धुलाई फैक्ट्री की ओर से यह खुदाई करवाई जा रही थी।

जेपीएनटी की वेस्ट लाइन हुई चॉक :- जानकारी के अनुसार जेपीएनटी की ओर से बिछाई वेस्ट पानी लाइन चॉक हो गई थी। कंपनी ने यहां पर सडक़ खुदवा कर काम शुरू कर दिया। मौके पर गैस कंपनी के चेतावनी बोर्ड लगे होने के बावजूद कंपनी ने गैस पाइपलाइन अधिकारियों को सूचना नहीं दी। सुबह 9 बजे यहां जेसीबी से खुदाई शुरू की। चार पांच फीट खुदाई के बाद यहां पर गैस पाइप लाइन का पाइप क्षतिग्रस्त हो गया। इससे गैस निकलने शुरू हो गई और आसपास के जगह पर गैस की गंध फैलने लगी।

इधर जेसीबी वाला मौके से जेसीबी लेकर फरार हो गया। वहीं गैस लीक होते देख पास के केबिन संचालक और अन्य लोग डर के मारे भाग छूटे। आधे घंटे बाद गैस कंपनी के प्रतिनिधि पहुंचे और गैस सप्लाई बंद करवाई गई। यहां अब फिर से गैस पाइप लाइन दुरुस्त करने का काम शुरू किया। गैस पाइपलाइन क्षतिग्रस्त करने के लिए 3 साल की सजा और 25 करोड के जुर्माने का प्रावधान है। मामले में एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। एहतियात के तौर पर बासनी से दमकल को भी बुलाया गया।

वृद्धा की हत्या कर फरार हुआ दूसरा पति

हनुमानगढ़, (निसं)। जंक्शन के खुंजा क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी 65 वर्षीय पत्नी की चाकू से गोद कर हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया जिसकी तलाश की जा रही है। मृतका का शव जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में हत्या का कारण गृह क्लेश होना बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार सूचना मिली कि खैरा बानो (65) वार्ड 5 खुंजा की उसके दूसरे पति इशाक अली पुत्र कासम अली ने चाकू मारकर हत्या कर दी। सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और खून से लथपथ महिला को अस्पताल भिजवाया जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक जांच में पता चला कि खैरा बानो के पहले पति की 15 वर्ष पहले मौत हो गई थी जिसके बाद उसने इशाक अली से निकाह कर लिया था। खैरा बानो के पहले पति से तीन संतान है जिसमें दो पुत्र एवं एक पुत्री है। दो वर्ष पहले पति-पत्नी में अनबन होने के बाद एक पुत्र के साथ खैरा बानो तो दूसरे पुत्र के साथ इशाक अली रहने लगा। बताया जा रहा है कि डबलीराठान में विवाहित खैरा बानो की पुत्री यहां आई हुई थी जिस पर वह अपनी बेटी के साथ उस पुत्र के घर चली गई जिसके पास इशाक अली रह रहा है। वहां किसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई और तैश में आए इशाक अली ने खैरा बानो के पेट में चाकू से ताबड़तोड़ वार कर दिए जिससे उसकी अस्पताल में मौत हो गई। सीआई गेरा ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

मामूली कहासुनी के बाद युवक की हत्या, मुआवज़े की लेकर हंगामा

पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को हिरासत में लिया

भीलवाड़ा, (निसं)। शहर के सुभाष नगर थाना क्षेत्र में बांगड़ हॉस्पिटल के सामने बीती रात को मामूली कहासुनी के बाद एक युवक की चाकू से गोद कर हत्या कर दी गई। चाकूबाज़ी के हमले में घायल युवक को देर रात महात्मा गांधी हॉस्पिटल लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सुभाष नगर थाना प्रभारी नंदलाल रिणवा ने बताया कि मंगलवार रात को बांगड़ हॉस्पिटल के सामने विजयसिंह पथिक नगर निवासी अजय यादव की कुछ साथी एम्बुलेंस ड्राइवरों से कहासुनी हो गई थी। इसके बाद रात को करीब 6 से 8 लोगों ने अजय यादव पर हमला कर दिया और चाकू मारकर घायल कर दिया। अजय की एमजी हॉस्पिटल में उपचार के दौरान मौत हो गई। रात को शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। वहीं इस मामले में एक युवक को डिटेन भी किया गया है। जिससे घटना के बारे में पूछताछ की जा रही है। साथ ही घटनास्थल के आस-पास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जिसमें घटना कैद मिली है।

सुभाषनगर पुलिस ने बताया कि मोतीनगर निवासी राजेंद्र यादव पुत्र मोहनलाल यादव ने हत्या की रिपोर्ट दी है। राजेंद्र ने रिपोर्ट में बताया कि वह बागंड हॉस्पीटल मे एंबुलेंस चलाता है। हॉस्पीटल के बाहर अभिषेक जीगर व नरेश खटीक भी एम्बुलेंस रखते है। ये लोग उसके परिचित हैं। 12 जून को राजेंद्र के बेटे मुरली यादव ने अभिषेक जीनगर को फोन कर उसके पिता को साथ बैठाकर शराब नहीं पिलाने के लिए कहा। इसे लेकर अभिषेक व मुरली के बीच बोलचाल हो गई। इसे लेकर विवाद खड़ा हो गया। मामले को सुलझाने के लिए राजेंद्र की पत्नी ने उसके साले अजय यादव को बांगड़ अस्पताल के पास भेजा। वहां, अभिषेक जीगर, हरीश खटीक, नरेश खटीक, बाबु लाल वसीटा, जीतू व 2-3 अन्य लोग मिले। राजेंद्र भी वहीं खड़ा था। राजेंद्र का एक परिचित नारायण नारायण बैरवा भी वहां होटल पर चाय पी रहा था।

राजेंद्र ने रिपोर्ट में बताया कि नरेश खटीक, बाबु लाल वसीटा, जीतु ने राजेंद्र के साले अजय यादव को पकड़ा और हरीश खटीक ने जेब से चाकू निकाल कर अजय के सीने पर ताबड़-तोड़ वार किये। सीने में चाकू के ताबड़-तोड़ वार के बावजूद अजय खुद को बचाने के लिए वहां से भागा और गिर पड़ा। ये आरोपित भी उसके पीछे भागे। इसके बाद ये आरोपित वापस लौट आये। हरीश, नरेश व अभिषेक तीनों वहां से टवेरा लेकर भाग गये। वहीं बाबूलाल व जीतू भी इधर-उधर हो गये। उधर, चाकू लगने के बाद जान बचाकर भागे साले के पीछे उसका जीजा राजेंद्र भी भाग कर गया, जहां उसे अजय खून से लथ-पथ होकर गली में पड़ा हुआ मिला। राजेंद्र के बेटे मुरली यादव, कान्हा यादव चीख रखे थे।

इसके बाद अजय को उठाकर बांगड़ अस्पताल ले गये, जहां से उसे एमजीअस्पताल ले जाने के लिए कहा बाइक पर उसे हॉस्पिटल लेकर पहुँचे तो डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मंगलवार सवेरे परिजनों ने आरोपीयो को गिरफ़्तारी और मुआवज़े को लेकर मोर्चरी के बाहर हंगाम खड़ा कर दिया। घटना की सूचना के बाद एडिशनल एसपी चंचल मिश्रा, सीओ सदर योगेश शर्मा, सुभाष नगर थाना अधिकारी नंदलाल रिणवा, प्रतापनगर थानाधिकारी अरविंद सिंह चारण सहित पुलिस जाब्ता हॉस्पिटल पहुँचा। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपितों को हिरासत में लेते हुए उचित मुआवज़े का आश्वासन देकर मामला शांत करवाया है।

परिजनों ने आरोपियों की गिरफ़्तारी और मुआवज़े को लेकर मोर्चरी के बाहर हंगाम खड़ा कर दिया।

- घटनास्थल के आस-पास के क्षेत्र के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जिसमें घटना कैद मिली है

अतिक्रमण हटाने पहुंची जे.डी.ए. की टीम को विश्नोई समाज ने रोका

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर में केरु पंचायत समिति के पुनिया की प्याऊ में अतिक्रमण हटाने पहुंची जेडीए की टीम को विरोध का सामना करना पड़ा। विश्नोई समाज के लोगों ने कार्रवाई को लेकर विरोध शुरू कर दिया है। समाज की महिलाएं भी प्रदर्शन में पहुंच गई। फिलहाल जेडीए की कार्रवाई शुरू नहीं हो पाई है। अखिल भारतीय विश्नोई महासभा के देवेंद्र बुडिया भी मौके पर पहुंचे हैं।

- जिस जमीन को लेकर विवाद बताया जा रहा है वहां मां अमृता देवी का बोर्ड लगाया गया है

जिस जमीन को लेकर विवाद बताया जा रहा है वहां पर मां अमृता देवी का बोर्ड लगाया गया है। दरअसल कोर्ट के निर्देश के बावजूद अतिक्रमण नहीं हटाने के विरोध में केरु पंचायत समिति के पुनिया की प्याऊ के लोग पिछले 16 दिनों से धरना दे रहे थे। सोमवार को इन लोगों ने जेडीए के बाहर भी सद्बुद्धि यज्ञ किया था। उसके बाद जेडीए ने मंगलवार को केरू क्षेत्र में अतिक्रमण हटाने को लेकर निर्णय लिया था। जेडीए का दस्ता अतिक्रमण हटाने पहुंचा तो विश्नोई समाज के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए और कार्रवाई को लेकर विरोध जताने लगे। समाज के लोगों का कहना था की मां अमृता देवी के नाम पर बने उद्यान के बोर्ड और पेड़-पौधों को नहीं हटाने दिया जाएगा। वहीं विरोध को देखते हुए फिलहाल कार्रवाई शुरू नहीं हो पाई। मौके पर पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है।

दूसरे पक्ष ने आरोप लगाया कि जोलियाली में करोड़ों की सरकारी जमीन पर उद्यान के नाम पर कब्जा कर लिया गया है। रातों रात यहां तारबंदी करके पौधे लगा दिए गए। जबकि ये गोचर भूमि है। बता दें कि पिछले बार भी जाब्ते के अभाव में जेडीए दस्ते को वापस लौटना पड़ा था। इस बार जाब्ते के साथ टीम पहुंची तो लोगों ने विरोध शुरू कर दिया।

आई.ए.एस. गिरधर निलंबित

जयपुर/अजमेर, (का.सं.)। गिरधर, आई.ए.एस., आयुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण अजमेर को तुरंत प्रभाव से निलम्बित करने के आदेश जारी हुए हैं। गिरधर, आई.ए.एस., आयुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर के विरूद्ध विभागीय जाँच कार्यवाही विचाराधीन है। अत: राज्य सरकार अखिल भारतीय सेवाऐं (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1969 के नियम-3 के उप नियम (1) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए गिरधर, आई.ए.एस., आयुक्त, अजमेर विकास प्राधिकरण, अजमेर को तुरंत प्रभाव से निलम्बित करने के एतद्वारा आदेश प्रदान करती है। राजेन्द्र सिंह कविया शासन संयुक्त सचिव से प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरधर, आई.ए.एस. का निलम्बन काल के दौरान मुख्यालय प्रमुख शासन सचिव, कार्मिक विभाग, शासन सचिवालय, जयपुर के कार्यालय में रहेगा।

SANITATION WATER AND COMMUNITY HEALTH PROJECT
निदेशालय – स्वच्छ परियोजना, उदयपुर
बड़ी रोड़ (हवाला खुर्द), पुलिस अन्वेषण भवन के आगे, उदयपुर (राज.) 313001
Email: directorswach@rajasthan.gov.in, swachhoudaipur@gmail.com
क्रमांक : एफ( )/मां बाडी/निविदा/निदे./स्वच्छ/2023-24/1857 दिनांक 13.06.2023
बोली सूचना संख्या – 08/2023-24
UBN - SWP2324GLSS00017
वर्ष 2023-24 में स्वच्छ परियोजना द्वारा विभिन्न जिलों में संचालित मां बाडी एवं मां बाडी डे-केयर योजना अन्तर्गत केन्द्रों पर अध्ययनरत बालक/बालिकाओं हेतु स्टेशनरी सामग्री (अनुमानित लागत राशि रू. 425.00 लाख) क्रय किये जाने की आवश्यकता है। इस हेतु ई-बोली सूचना आमंत्रित की जाती है। उक्त बोली से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी दिनांक 26.06.2023 को अपरान्ह् 12.00 बजे तक वेबसाईट www.sppp.rajasthan.gov.in, www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकेगी।
निदेशक

भाजपा ऑफिस पर सभा फिर पैदल कूच कर दी गिरफ्तारियां

महाभ्रष्ट कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का सचिवालय महाघेराव, कार्यकर्ताओं का उमड़ा जनसैलाब : सी.पी.जोशी

- भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस ने छोड़ा पानी, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा हुए घायल
- 'कांग्रेस का चरित्र घोटालों से लबालब'
- इधर से फाइल डालो, उधर से सोना निकलेगा, लूट सको तो लूट लो, के ढर्रे पर गहलोत सरकार : अरूण सिंह
- रिपीट नहीं डिलिट होगी कांग्रेस सरकार, एक लाख इनाम घोषित करने पर भी ढूंढ नहीं पाएंगे कांग्रेसी विधायक : राजेन्द्र राठौड़

प्रदेश में बिगडती कानून व्यवस्था और चरम पर पहुंचे भ्रष्टाचार के खिलाफ भाजपा की ओर से कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कार्यालय से पैदल मार्च निकालकर सचिवालय के लिये कूच किया।

जयपुर। प्रदेश में बिगडती कानून व्यवस्था और चरम पर पहुंचे भ्रष्टाचार के खिलाफ अनूठी पोशाक, पोस्टर बैनर और तख्ती लेकर हजारों की संख्या में कार्यकर्ता भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे। प्रदेश कार्यालय के बाहर भाजपा नेताओं ने जयपुर जिले से पहुंचे लोगों को संबोधित किया। इसके बाद भाजपा राष्ट्रीय महामंत्री अरूण सिंह, प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष के नेतृत्व में प्रदेश कार्यालय से पैदल मार्च निकालकर सचिवालय घेराव के लिए कूच किया। इस दौरान पुलिस ने भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को बैरिकेडिंग लगाकर रोकना चाहा, लेकिन भ्रष्ट गहलोत सरकार के खिलाफ व्याप्त रोष के आगे पुलिस के बैरिकेट भी कमजोर पड़ गए।

स्टैच्यू सर्किल पर भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच काफी देर जोर अजमाईश चलती रही। इसके बाद भाजपा नेता और कार्यकर्ता सचिवालय की ओर आगे बढ़ गए। जहां भ्रष्ट कांग्रेस सरकार का पूतला फूंका और भ्रष्ट गहलोत सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए पुलिस ने वाटर कैनन की बौछारें चलाई और भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हल्का लाठीचार्ज भी किया। इसके बाद हजारों भाजपा कार्यकर्ताओं ने गिरफ्तारी दी।

सचिवालय कूच से पहले भाजपा प्रदेश कार्यालय के बाहर हजारों की संख्या में एकत्रित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय महामंत्री एंव प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने कहा कि आमजन में सरकार के भ्रष्टाचार को लेकर गुस्सा है। राजस्थान में भ्रष्टाचार की गति विकास से चैगुनी है, प्रदेश में घूसखोरी के मामले 22 प्रतिशत से ज्यादा बढे हैं। प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने योजना भवन में मिले कैश और सोने के मामले में सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि यहां गहलोत का नया फॉर्मूला आया है, इधर से फाईल डालो, उधर से सोना निकालो।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश की महाभ्रष्ट सरकार के खिलाफ रणभेरी बज चुकी है। कांग्रेस सरकार के दो ही काम हैं कुशासन और भ्रष्टाचार। काँग्रेस 60 साल से यह नारा लगाती आ रही है काँग्रेस आयेगी गरीबी मिटेगी। गरीबी देश की नहीं, सिर्फ काँग्रेस के नेताओं की मिटी वह भी भ्रष्टाचार कर करके। काँग्रेस सरकारों के जीप घोटोले और बोफोर्स घोटाले का हवाला देते हुए कहा कि जिस सरकार का श्रीगणेश ही भ्रष्टाचार से होता है उस पर प्रदेश की जनता कैसे विश्वास कर सकती है। प्रदेश में चारों तरफ भ्रष्टाचार व्याप्त है। युवा, किसान और आम जनता इस भ्रष्टाचार से त्रस्त हो चुकी है। पेपर लीक घोटाला, अवैध बजरी घोटाला, सरकारी ऑफिसों में करोडों रूपये मिलने का घोटाला, परिवहन में घोटाला, इतने घोटाले हुये कि प्रदेश आज घोटालों का गढ़ बन चुका है।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने भाजपा कार्यकर्ताओं का आव्हान करते हुए कहा कि जहां-जहां आपका पसीना गिरेगा वहां खून का कतरा कतरा बहा देंगे। नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने अपने संबोधन में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को ललकारते हुए कहा कि यह भ्रष्टाचार के खिलाफ हमारी जंग शुरू हो चुकी है। सर से नख तक भ्रष्टाचार में डूबी अली बाबा 40 चोरों की सरकार रीट भर्ती में घोटाला करती है, उसके बाद जब अभ्यर्थी प्रदर्शन करते हैं, तो उनपर लाठीचार्ज और वाटर कैनन चलाती है, शहीदों की वीरांगनाओं पर लाठीचार्ज करती है। राठौड़ ने कहा कि अन्नपूर्णा किट घोटाला, बिजली खरीद घोटाला, किसानों को बिजली ना देना ये सारे कारनामें जनता नहीं भूलेगी। उन्होंने कहा कि जैसे चेचक रोग को समाप्त करने के लिए मुहिम चलाई गई थी, कि चेचक रोगी लाओ दस हजार रूपए पाओ उसी तरह कांग्रेस की स्थिति होगी। अगले चार महिने बाद एक लाख रूपए लो कांग्रेसी विधायक ढूंढकर दिखाओ जैसी मुहिम चलेगी।

राज्यसभा सांसद किरोडी लाल मीणा ने अपने संबोधन में गहलोत सरकार पर आरोप लगाते हुये कहा कि पेपर लीक मामले में गहलोत सरकार ने जांच के बाद डीपी जारोली क्लीन चिट दे दिया। प्रदेश में सोलह प्रतियोगी परीक्षाऐं हुई और सभी के पेपर लीक हो गये। इसके अलावा आईटी सेक्टर में पांच हजार करोड़ का घोटाला पाया जाता है, जिसकी एसीबी में जांच के लिए सरकार से स्वीकृति मांगे जाने पर मना कर दिया जाता है।

पुलिस की बर्बरता का शिकार हुये भाजपा प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा को घायल अवस्था में एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया। प्रदर्शन के दौरान प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा बैरिकेटिंग तोड़कर सचिवालय की ओर बढ़ने का प्रयास कर रहे थे, वहीं पुलिसकर्मियों से हुई झड़प के दौरान शर्मा को काफी चोटें आई। इसके अलावा भाजपा युवा मोर्चा के कई कार्यकर्ताओं को चोटें लगी हैं जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए एसएमएस अस्पताल ले जाया गया।

एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. अचल शर्मा ने बताया कि भजनलाल शर्मा को कार्डिक आईसीयू में भर्ती किया गया है। उन्होंने बताया कि भजनलाल को प्रदर्शन के बीच घबराहट होने व उल्टी होने पर एसएसएस लाया गया। यहां जांच करने पर उनका बीपी और पल्स रेट अधिक हो रही थी। इस पर उन्हें कार्डिक आईसीयू में भर्ती किया गया। देर रात तक उनका बीपी व पल्स नॉर्मल हो गए थे। ऐतियात के तौर पर उनकी ईसीजी व अन्य जांच करवाई गई है। फिलहाल उनका इलाज जारी है। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी सहित नेता प्रतिपक्ष एवं अन्य लोग कुशलक्षेम लेने के लिए एसएमएस अस्पताल पहुंचे।

इन नेताओं ने भी संबोधित किया उनमे राष्ट्रीय मंत्री अलका गुर्जर, राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड, रामचरण बोहरा, जसकौर मीणा, राजेन्द्र गहलोत, प्रदेश महामंत्री भजनलाल शर्मा, मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक रामलाल शर्मा, कालीचरण सराफ, अशोक लाहोटी, निर्मल कुमावत, संजय शर्मा, मनजीत चैधरी, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, अरूण चतुर्वेदी, राजपाल सिंह शेखावत, मोहनलाल गुप्ता, सुरेन्द्र पारीक, प्रेमचन्द बैरवा, ज्ञानदेव आहुजा, कन्हैयालाल, प्रदेश उपाध्यक्ष मुकेश दाधीच, प्रदेश मंत्री अशोक सैनी, लक्ष्मीकान्त भारद्वाज, श्रवण सिंह बगडी, महेन्द्र यादव, श्याम अग्रवाल और नगर निगम महापौर सौम्या गुर्जर, उपमहापौर पुनीत कर्नावट, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा, जयपुर शहर राघव शर्मा, जयपुर दक्षिण जिलाध्यक्ष रामानन्द गुर्जर, जयपुर उत्तर जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शर्मा सहित सभी मोर्चों के प्रदेशाध्यक्षों ने संबोधित किया।

शहीद भंवरलाल भाकर को नमन किया

जयपुर। कारगिल युद्ध के शहीद एवं वीर चक्र प्राप्त शहीद सूबेदार भंवर लाल भाकर की शहादत की 24वीं वर्षगांठ पर नागौर जिले के डीडवाना तहसील में स्थित उनके पैतृक गांव थेबड़ी में सोमवार शाम को आयोजित कार्यक्रम में उनकी प्रतिमा पर पुष्प एवं मालाएं अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई और उनकी शहादत को नमन एवं सलाम किया गया।

इस अवसर पर स्थानीय विधायक चेतन डूडी ने शहीद की प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और नमन किया। इसी तरह तहसीलदार मूलचंद उज्ज्वल, पूर्व प्रधान जालाराम भाकर, खोजास गांव के सरपंच रामनिवास रायल, पूर्व कैप्टेन रुपाराम, पूर्व सैनिक देवाराम एवं अन्य कई पूर्व सैनिकों तथा मार्बल व्यवसाई दीनाराम डूडी एवं भूराराम सहित कई लोगों ने उनकी प्रतिमा पर पुष्प चढ़ाकर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर शहीद की पत्नी एवं वीरांगना गोगी देवी, शहीद की मां करीब सौ वर्षीय चूंकी देवी, उनके पुत्र तिलोकराम एवं रामूराम, शहीद के भाई मनरुपाराम , शहीद की बहु सुनीता एवं सरोज सहित परिवार के सदस्यों के अलावा रिश्तेदार एवं थेबड़ी गांव के अलावा आस पास के गांवों के कई लोगों ने शहीद को नमन किया। इस अवसर पर प्रसादी एवं रात्रि जागरण कार्यक्रम भी किया गया। उनकी वर्षगांठ पर हर वर्ष मेला जैसा लगता और इसमें आने वाले युवा उनकी शहादत से प्रेरणा पाते हैं। यहां युवा शहीद की बरसी के अलावा भी अन्य दिन भी आकर उन्हें नमन करते हैं।

'शारीरिक व मानसिक विकास के लिए योग जरूरी'

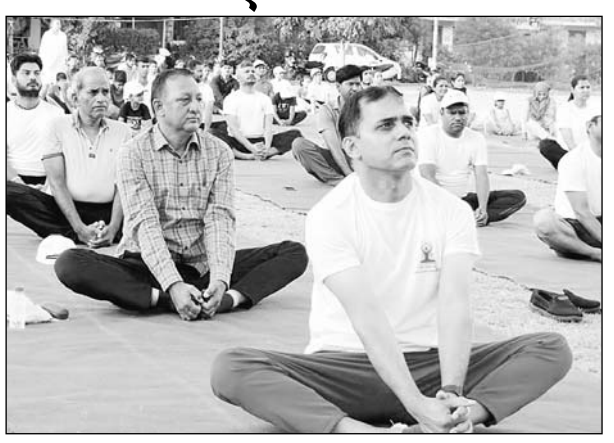

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रादेशिक कार्यालय जयपुर की ओर से सोमवार को महालेखाकार कॉलोनी, बजाज नगर, जयपुर में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जयपुर, (का.सं.)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के केंद्रीय संचार ब्यूरो के प्रादेशिक कार्यालय जयपुर द्वारा आज महालेखाकार कॉलोनी, बजाज नगर, जयपुर में योग दिवस काउंटडाऊन के अंतर्गत एक विशेष जागरूकता एंव योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम मे भारतीय लेखा एंव लेखा परीक्षा विभाग, कार्यालय प्रधान महालेखाकार, राजस्थान, जयपुर के अधिकारी एंव कर्मचारियो ने सामान्य योग प्रोटोकॉल का अभ्यास किया। इस अवसर पर प्रधान महालेखाकार के. सुब्रमण्यम, महालेखाकार रामावतार शर्मा, वरिष्ठ उपमहालेखाकार मीना कुमारी मीणा, उपमहालेखाकार प्रतिभा सिंह, केन्द्रीय संचार ब्यूरो के संयुक्त निदेशक रामखिलाड़ी मीणा, सहायक निदेशक रामेश्वर लाल मीणा एंव संतोष वेंकटरमन उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रुप मे प्रधान महालेखाकार ने योग की महत्ता पर बल देते हुए कहा कि शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास के लिए योग का बड़ा महत्व है। उन्होंने कहा कि पहले आम जन को योग के बारे मे इतनी जानकारी नही थी लेकिन पिछले 9 वर्षो से देश मे ही नही विदेशों मे भी योग का महत्व बढा है। योग के बारे मे आम जन को जागरुक करने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम उपयोगी साबित हुए है। उन्होने उपस्थित सभी अधिकारी एंव कर्मचारियो से योग को अपनी दैनिक जीवनशैली मे अपनाने की अपील की।

'वसुंधरा और पूनिया का नहीं आना भाजपा के मनभेद को उजागर कर गया'

जयपुर, (का.प्र.)। भाजपा के सचिवालय पर किये गये प्रदर्शन पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने कहा कि भाजपा ने भ्रष्टाचार के मुद्दे पर 30 हजार लोगों द्वारा सचिवालय के घेराव की घोषणा के बावजूद 1500 से अधिक लोग भी नहीं जुट सके। उन्होंने कहा कि मंच से कोई भी नेता ने राजस्थान सरकार की किसी भी योजना अथवा निर्णय के विरूद्ध नहीं बोला, क्योंकि भाजपा राजस्थान सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं के खिलाफ कमी नहीं निकाल सकी।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता चुनावी वर्ष में भी अपनी एकता प्रदर्शित नहीं कर सके तथा आज के कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे एवं पूर्व प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने दूरी बनाई। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं में मतभेद नहीं मनभेद हैं जो खुलकर प्रदर्शित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी का दावा करने वाली भाजपा के मंच से एक भी ओबीसी नेता को अपनी बात रखने का अवसर प्रदान नही किया गया।

डोटासरा ने कहा कि हाल ही कर्नाटक प्रदेश में हुई हार से बौखलाकर भाजपा के नेता राजस्थान प्रदेश में गैर जिम्मेदाराना वक्तव्य दे रहे हैं तथा राजस्थान की लोककल्याणकारी कांग्रेस सरकार के विरूद्ध झूठे आरोप लगाने की कुचेष्टा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता झूठे आरोप लगाकर राजस्थान की जनता एवं राजस्थान कार्यपालिका का अपमान कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता सरकार आने का बताकर सरकारी कर्मचारियों को धमकी देने का कार्य भी कर रहे हैं जो कि लोकतांत्रिक मूल्यों के विरूद्ध है। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेता पिछले डेढ़ वर्ष से ईडी की कार्यवाही का राग अलाप रहे थे और अब प्रदेश में ईडी के आने से यह मुद्दा भी समाप्त हो गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं के भाषण से साबित हो गया है कि भाजपा के पास राजस्थान की लोककल्याणकारी सरकार के विरूद्ध कोई मुद्दा शेष नहीं रहा है जिस कारण प्रदेश में लग रहे मंहगाई राहत कैम्प एवं राजस्थान सरकार द्वारा दिये जाने वाली दस गारंटी के विरूद्ध बोलने के लिये उनके पास कुछ नहीं है। उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट लागू हो गये, प्रदेश में कोई एंटी इनकमबैंसी नहीं हैं, इसलिये आगामी चुनावों को लेकर भाजपा के नेता भयग्रस्त हैं। उन्होंने कहा कि खेमों में बंटी हुई भाजपा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के चेहरे पर चुनाव लड़ने की बात कहती है किन्तु हाल ही में अन्य राज्यों में हुये चुनावों से साबित हो गया है कि मोदी के चेहरे की चमक फीकी पड़ गई है। उन्होंने कहा कि सचिवालय में लोक सेवक द्वारा किये गये अपराध पर राजस्थान सरकार ने त्वरित कार्यवाही करते हुये अपराधी को पकड़ा तथा आला अधिकारियों ने तुरंत समस्त जानकारी पत्रकारों के समक्ष रखकर जनता को अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार आरपीएससी के सदस्य के अपराध के विरूद्ध जानकारी मिलते ही राज्य सरकार ने तुरंत कार्यवाही की, ऐसा उदाहरण मोदी सरकार अथवा पूर्ववर्ती भाजपा शासन में नहीं मिलता है।

उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा शासन के दौरान खनन् घोटाले के आरोपी को गिरफ्तार करवाने के लिये दिल्ली तक कांग्रेस को आन्दोलन करना पड़ा था। उन्होंने कहा कि यदि पूर्ववर्ती भाजपा शासन में गड़बड़ी नहीं हुई थी तो आवंटित खानों को निरस्त क्यों किया गया। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा किया गया आज का प्रदर्शन पूर्णतया असफल रहा तथा भाजपा नेताओं के भाषण के दौरान 90 प्रतिशत कुर्सियां खाली रही जो इस बात का द्योतक है कि राजस्थान की जनता ने भाजपा से दूरी बना ली है।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के पी.एस.ओ. की पिस्टल चोरी

जयपुर (कासं)। सचिवालय घेराव के दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी.जोशी के पी.एस.ओ. महेन्द्र मीणा की पिस्टल चोरी हो गई। जिसकी शिकायत अशोक नगर थाने में दर्ज कराई गई है। शिकायत के अनुसार पीएसओ ने कहा है कि उसकी पिस्टल किसी अज्ञात व्यक्ति ने निकाल ली है। शिकायत में बताया गया कि जब रैली स्टैच्यू सर्किल पहुंची और भीड़ पर जब वॉटर कैनन का इस्तेमाल किया गया, तब भीड़ के तितर-बितर होने के दौरान उनकी सरकारी पिस्टल चोरी हो गई।

सोने के तस्कर को सजा

जयपुर। आर्थिक अपराध मामलों की विशेष एसीएमएम कोर्ट ने मस्कट से बिना सीमा शुल्क चुकाए सोना और विदेशी घडियों की तस्करी करने वाले अभियुक्त सैयद अहमद अल्ताफ को तीन साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने कर्नाटक निवासी इस अभियुक्त पर 40 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने कहा कि जुर्माना अदा नहीं करने पर अभियुक्त को डेढ़ माह की सजा अतिरिक्त भुगतनी पड़ेगी।

प्रदेश में मंगलवार को कोई नया संक्रमित नहीं मिला

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में मंगलवार को करोना संक्रमण का एक भी मामला सामने नहीं आया है। हालांकि अभी राज्य में 17 संक्रमितों का इलाज जारी है। प्रदेश में मंगलवार को करोना से और राहत मिली है। इस दौरान राज्य में न कोई नया संक्रमित मिला और न ही किसी मरीज की मौत हुई है।

उत्तरप्रदेश में डॉ. सतीश पूनिया ने कहा, ''कांग्रेस ने किसानों से झूठ बोला''

पुराना मिथक टूटेगा, मैनपुरी, संभल, अमरोहा, मुरादाबाद सहित उत्तर प्रदेश की सभी लोकसभा सीटें 2024 में भाजपा अच्छे बहुमत के साथ जीतेगी : डॉ. पूनिया

उत्तरप्रदेश के सम्भल लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने प्रबुद्धजन से संवाद किया और जनसभा को संबोधित किया।

सम्भल/जयपुर। केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के ऐतिहासिक 9 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उत्तरप्रदेश के सम्भल लोकसभा क्षेत्र में विधानसभा उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने प्रबुद्धजन से संवाद किया और जनसभा को संबोधित किया। बुधवार को मैनपुरी में प्रबुद्धजन सम्मेलन, लाभार्थी सम्मेलन और जनसभा को संबोधित करेंगे।

डॉ. पूनिया ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, एक तो वह वक्त था जब कारसेवकों पर गोलियां चल रही थी, उस समय कोई अंदाज नहीं लगा सकता था कि क्या वक्त होगा, क्या भगवान राम की महिमा उन्हीं के जन्म स्थान पर हो पायेगी, लेकिन देश ही नहीं पूरी दुनिया ने देखा कि हमने अपने आराध्य भगवान श्रीराम की जन्मभूमि को महिमामंडित किया और दुनिया देखेगी कि 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर का शुभारंभ करेंगे। कांग्रेस को 55 साल तक राज करने का अवसर मिला, लेकिन उत्तर प्रदेश की जनता को धन्यवाद दूंगा की कांग्रेस के पाखंड को और नकाब को खींच डाला और कांग्रेस पार्टी को मुख्य विपक्षी दल बनने के लिए भी तरसा दिया। उनको जगह मिली केरल के वायनाड में और रायबरेली और अमेठी की जनता ने भी कांग्रेस से पीछा छुड़ा लिया। राजस्थान से आया हूं जो शौर्य और वीरता की भूमि है, यह धरती उत्तर प्रदेश के तमाम उन शूरवीरों को नमन करती है, यह धर्म, संस्कृति, विरासत और अध्यात्म की धरती है।

उन्होंने कहा कि मैं राजस्थान से हूं और कांग्रेस के अंतरराष्ट्रीय नेता राहुल गांधी ने 2018 में राजस्थान के किसानों से वादा किया था 10 तक गिनती गिनूंगा और राजस्थान के किसानों का सारा कर्जा माफ हो जाएगा, आज पंद्रह सौ से ज्यादा दिन हो गए, इस देश में किसानों से वादाखिलाफी करने वाली कांग्रेस पार्टी है। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और मुझे पार्टी ने आदेश दिया और यहां आप लोगों के बीच में भेजा, तो मैंने यहां देखा कि 2019 में मैनपुरी, संभल, अमरोहा और मुरादाबाद इन चारों ही लोकसभा सीटों पर हमें हार का सामना करना पड़ा, लेकिन चारों ही सीटों पर कार्यकर्ताओं की मजबूत इच्छाशक्ति देखता हूं, भीषण गर्मी में बहजोई की इस जनसभा ने यह संकेत तो साफ दे दिया है कि पुराना मिथक टूटेगा इन चारों लोकसभा सीटों सहित उत्तर प्रदेश की सभी लोकसभा सीटें 2024 में भाजपा अच्छे बहुमत के साथ जीतेगी, देशभर में भाजपा एनडीए की ऐतिहासिक जीत के साथ नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे।

जयपुर और उदयपुर रेलवे स्टेशन पर अव्यवस्था, हाईकोर्ट ने लिया प्रसंज्ञान

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने जयपुर और उदयपुर रेलवे स्टेशन सहित उदयपुर जाने वाली ट्रेन में अव्यवस्थाओं को लेकर स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लिया है। इसके साथ ही अदालत ने अजमेर और जयपुर डीआरएम को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने इस आदेश मामले में स्वप्रेरित प्रसंज्ञान लेते हुए दिए। अदालत ने मामले की सुनवाई चार जुलाई को तय करते हुए उदयपुर के जिला एवं सत्र न्यायाधीश को कहा है कि वह मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट या रेलवे मजिस्ट्रेट से इस संबंध में तथ्यात्मक जानकारी लें।

मामले के अनुसार जस्टिस सुदेश बंसल ने 12 जून को सुबह 6.15 की ट्रेन से उदयपुर गए थे। उन्होंने देखा कि जयपुर रेलवे स्टेशन के प्रवेश द्वार पर अनियंत्रित निजी वाहनों के चलते यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है।

निजी वाहनों को स्टेशन बिल्डिंग के बिल्कुल नजदीक जाने की छूट होने और इन्हें नियंत्रित करने के लिए रेलवे प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई भी नहीं की जा रही है। वहीं ट्रेन के अंदर बैठने की सीट, टॉयलेट और गेट आदि का भी उचित रखरखाव नहीं था। उदयपुर पहुंचने पर जस्टिस सुदेश बंसल ने पाया कि वेटिंग हॉल बंद था और मैन्टीनेन्स रजिस्टर भी नहीं था। वहीं स्टेशन मास्टर का ऑफिस भी बंद था। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सहायता के लिए भी कोई व्यवस्था नहीं थी।

भाजपा का भ्रष्टाचार पर सचिवालय घेराव, जोशी-राठौड़ का पहला शो फ्लॉप

जयपुर। राजस्थान में भाजपा भ्रष्टाचार को चुनावो में बड़ा मुद्दा बनाना चाह रही है, लेकिन इसकी शुरुआत में शासन सचिवालय को घेराव का जयपुर में पहला प्रदर्शन ही फ्लॉप शो रहा।

खास यह भी है कि प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद सीपी जोशी और नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ की ताजपोशी के बाद जयपुर में यह पहला प्रदर्शन था। लेकिन दावे के मुताबिक भीड़ नहीं आई। इस प्रदर्शन में जयपुर जिले के भाजपाइयों को ही आना था। मगर जयपुर में आपसी गुटबाजी पर दोनों नेता पार पाने में असफल रहे।

राठौड़ ने तो प्रदर्शन को लेकर पिछले 15 दिनों में जी-जान लगा दी थी, उन्होंने जयपुर जिले की टीम इकाइयों के जिलाध्यक्षों सहित पदाधिकारियों जयपुर के पार्षदों सहित प्रमुख नेताओं की बैठक भी ली थी और सभी को भीड़ लाने का टारगेट भी दिया गया था लेकिन उनकी मेहनत गुटबाजी ने फेल कर दी।

जयपुर में 250 नगर निगम के वार्ड, 33 मंडल और तकरीबन 1800 से अधिक बूथ हैं। अगर भाजपा के कुल पदाधिकारियों की बूथ स्तर तक की टीम भी कार्यक्रम में आ जाती तो तकरीबन 7000 से ज्यादा लोग तो भाजपा के पदाधिकारी ही हो जाते।

लेकिन भाजपा ऑफिस पर हुई सभा में लगाए गए टेंट और मौजूदा भीड़ को देखकर भाजपा के कई प्रमुख पदाधिकारियों और नेताओं ने भीड़ को देखकर असंतोष जाहिर किया। कुर्सियां खाली रहने के कारण सबसे ज्यादा चिंतित राजेंद्र राठौड़ दिखे। उन्होंने मंच से उतरकर पार्टी कार्यालय के अंदर विभिन्न कमरों और कार्यालयों में जमा भाजपाइयों को खुद जाकर बाहर प्रदर्शन के कार्यक्रम में पहुंचने के निर्देश दिए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी और राजेंद्र राठौड़ को संभवत: पहले ही इसकी आशंका थी, इसके चलते उन्होंने पहले 7 जून को प्रस्तावित शासन सचिवालय घेराव को स्थगित कर दिया और इसे 6 दिन बाद 13 जून यानी कि मंगलवार को रखने का फैसला किया था। बावजूद इसके अपेक्षित भीड़ नहीं जुट पाई। भाजपा के राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा को तो आसपास के जिलों से आशंकित होकर भीड़ लाने का टारगेट दिया गया था।

किरोड़ी प्रदर्शन के दौरान टोंक, सवाई माधोपुर और दौसा से बसों में भरकर अपने समर्थकों को लेकर यहां पहुंचे थे।

हालांकि सचिवालय घेराव को सफल बनाने के लिए प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के घर जाकर मुलाकात करके आए थे। उसके बाद भी इस घेराव में न तो पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पहुंची और न ही उनके कार्यकर्ता पहुंचे।

वही इसके साथ कार्यक्रम में पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया भी नहीं पहुंचे।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ता आपस में चर्चा करते नजर आए कि दोनों नेताओं ने इस कार्यक्रम से दूरी बनाने के लिए राज्य के बाहर अन्य कार्यक्रम तय कर लिए हैं।

जान जोखिम में डालकर निर्माण कार्य करने को मजबूर श्रमिक

डीडवाना रेलवे स्टेशन पर विद्युतीकरण कार्मिक आवास निर्माण जारी

डीडवाना, (निसं)। डीडवाना रेलवे स्टेशन पर विद्युतीकरण कार्मिक आवास निर्माण में जुटे मजदूर जान जोखिम में डालकर काम करने को मजबूर है। ठेकेदार द्वारा लेबर सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किए जा रहे, जो दुर्घटनाओं को खुला निमंत्रण है।

बता दें कि डीडवाना रेलवे स्टेशन पर विद्युतीकरण कार्य हेतु बिजलीघर बनाया जाना प्रस्तावित है। इस बिजलीघर से रेलवे को निर्बाध बिजली उपलब्ध करवाने और मेंटेनेंस के लिए डीडवाना में रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों हेतु आवास भी बनाए जाने हैं। जानकारी के अनुसार विद्युतीकरण कार्य का टेंडर टाटा इस्कॉन को मिला है और वहां से अन्य ठेकेदारों को सबलेट कर दिया गया है।

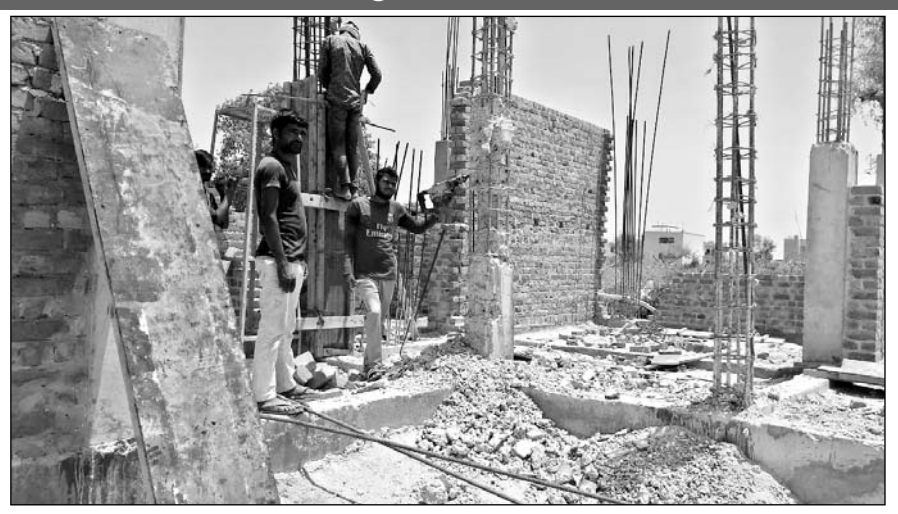

डीडवाना रेलवे स्टेशन पर विद्युतीकरण कार्मिक आवास निर्माण में जुटे मजदूर।

यहां निर्माण में अनेक मजदूर कार्यरत है, लेकिन इन मजदूरों को सुरक्षा के लिए ना तो हेलमेट उपलब्ध करवाए गए हैं, ना ही सीमेंट से बचाव के लिए प्लास्टिक बूट दिए गए हैं। हैरत की बात तो यह है कि वर्तमान में भीषण गर्मी और तेज धूप का प्रकोप है, इसके बावजूद खुले आसमान के नीचे बिना हेलमेट के मजदूर काम कर रहे हैं।

- ठेकेदार की ओर से लेबर सुरक्षा पर नहीं दिया जा रहा ध्यान

यही नहीं आसपास बिजली के तार भी उलझे पड़े है और चारों ओर सरिए, पत्थर, लोहे की प्लेट, कीलें, सेट्रिंग प्लेट आदि बिखरी पड़ी है, जिसकी वजह से भी हादसे की आशंका रहती है। बिना सुरक्षा उपकरण के कार्यरत इन मजदूरों पर रेलवे अधिकारियों की निगाह न जाती हो ऐसा नहीं हो सकता है, मगर अधिकारियों द्वारा जान बूझकर अनदेखी की जा रही है। इस संबंध में पूर्व में कई बार शिकायतें भी की गई है, मगर कोई ध्यान नहीं दिया गया।

ज्ञापन देकर फ्यूल सरचार्ज निरस्त करने की मांग

आगामी विद्युत बिल की राशि जमा नहीं करवाने का निर्णय

जालोर, (कासं)। ग्रेनाइट एसोसिएशन के पदाधिकारियो ने जोधपुर विद्युत वितरण निगम जालोर के अधीक्षण अभियन्ता को ज्ञापन देकर फ्यूल सरचार्ज को निरस्त करने हेतु मांग की गई। आम सभा में अपने सभी सदस्यो की सर्व सहमति से यह निर्णय लिया है कि जब तक फ्यूल सरचार्ज एवं अन्य अतिरिक्त चार्ज निरस्त नही किए जाएगे तब तक किसी भी उद्यमी द्वारा आगामी विद्युत के बिल की राशि जमा नही करवाई जाएगी।

- ग्रेनाइट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

इस दौरान सचिव हेमेन्द्र भण्डारी, कोषाध्यक्ष दामोदर भूतडा, सहसचिव चन्द्राराम कुमावत मौजूद रहे। आगामी दिनो में राजस्थान की ग्रेनाईट एवं मार्बल एसोसिएशन के साथ मिलकर इस विषय पर बैठक का आयोजन किया जाएगा। ज्ञापन पश्चात जालोर के बिशनगढ रोड पर बन रही सीसी रोड की ऊँचाई ज्यादा रखने से औद्योगिक प्रथम एवं द्वितीय चरण में जलभराव की आने वाली समस्या के समाधान को लेकर प्रोजेक्ट मैनेजर के साथ पदाधिकारीयो द्वारा अवलोकन किया गया।

वही ग्रेनाइट एसोसिएशन के पदाधिकारियो ने को जोधपुर विद्युत वितरण निगम जालोर के अधीक्षण अभियन्ता एम.के. व्यास व अधिशाषी अभियंन्ता नारायण सुथार को ज्ञापन देकर फ्यूल सरचार्ज को निरस्त करने के लिए मांग की गई और ज्ञापन के द्वारा उनको अवगत कराया गया कि जब तक सरकार या निगम द्वारा फयूल सरचार्ज निरस्त नही किये जाएगे तब तक कोई भी उद्यमी विद्युत बिल की राशि जमा नही कराएगा। ग्रेनाईट एसोसिएशन की आम सभा में अपने सभी सदस्यो की सर्वसहमति से यह निर्णय लिया है कि जब तक फ्यूल सरचार्ज एवं अन्य अतिरिक्त चार्ज निरस्त नही किए जाएगे तब तक किसी भी उद्यमी द्वारा आगामी विद्युत के बिल की राशि जमा नही करवाई जाएगी। इस दौरान सचिव हेमेन्द्र भण्डारी, कोषाध्यक्ष दामोदर भूतडा, सहसचिव चन्द्राराम कुमावत एवं जेवीवीएनएल, जालोर लेखाधिकारी, उत्तम जी चौधरी मौजूद रहे।

फयूल सरचार्ज को निरस्त करवाने के लिए राजस्थान की सभी ग्रेनाईट, मार्बल, स्टोन व अन्य एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने साथ मिलकर इस विषय पर 14 जून को राजसमंद में उच्च स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया है। जिसमें फयूल सरचार्ज को निरस्त करवाने के लिए आगे की सामुहिक रणनीति तय की जाएगी। ज्ञापन पश्चात जालोर के बिशनगढ रोड पर बन रही सीसी रोड की ऊँचाई ज्यादा रखने से औद्योगिक प्रथम एवं द्वितीय चरण में जलभराव की आने वाली समस्या के समाधान को लेकर प्रोजेक्ट मैनेजर एस.के. सिंह के साथ पदाधिकारीयो एवं अन्य उद्यमीयो ने मौके का निरीक्षण किया एवं जलभराव से निजात पाने के लिए नाला या पाईपलाईन डालने का निवेदन किया गया।

जल जीवन मिशन योजना में भेदभाव का आरोप

फागी, (निसं)। कस्बे में जल जीवन मिशन योजना में डाली जा रही पाइप लाइन से किये जा रहे नल कनेक्शनों में हो रहे भेदभाव से आमजन ठगा सा महसूस कर रहा है।

प्रधानमंत्री जलजीवन मिशन योजना में कस्बे में डाली जा रही पाइप लाइन में आलाधिकारी अपने चहेतों या फिर राजनैतिक संरक्षण प्राप्त ठेकेदार द्वारा बिना योजना से अपनी मनमर्जी से किसी के कनेक्शन कर रहे हैं तो दूसरी ओर पडोसी को भी छोड़ रहे हैं। जहां जलदाय विभाग कार्यालय के पास बसी कृष्णा विहार कॉलोनी निवासी रामलाल बैरवा की माने तो 15 दिसम्बर 2022 को नल कनेक्शन लेने बाबत 2249 रूपये विभाग में जमा करवा कर रसीद प्राप्त की थी। किन्तु विभाग के कर्मचारी न तो जल कनेक्शन दे पाये हैं और नही राशि वापस लौटाई है जबकि पूरी कॉलोनी में हर घर में कनेक्शन हो चुके हैं। वहीं दूसरी ओर सुभाष कॉलोनी के अन्तिम छोर पर घुमंत जाति के कालबेलिया परिवार के पांच घरों को छोड़कर पूरी कॉलोनी में जल कनेक्शन हो चुके हैं। जिसके लिए कालबेलिया परिवार विभाग कार्यालय में सैंकडों बार सहायक अभियन्ता को अपनी पीडा की गुहार लगा चुके हैं।

एंबुलेंस में अचानक आग लगी

भरतपुर (निस)। आरबीएम चिकित्सालय परिसर में ऑक्सीजन गैस प्लांट के पास खड़ी गाड़ियों एवं एंबुलेंस में अचानक आग लग जाने से हड़कंप मच गया। जैसे ही आग लगने की सूचना तकनीकी शिक्षा एवं आयुर्वेद राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग को मिली तो तुरंत ही उन्होंने पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों सहित एनडीआरएफ के अधिकारियों को घटना की सूचना देकर मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। मंत्री डॉ. गर्ग की सूचना पर फायर बिग्रेड की गाडियां बुलाकर तत्काल ही आग पर काबू पाया। मंत्री की त्वरित कार्रवाई में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया।

बिपरजॉय तूफान से सतर्क रहने की अपील

जोधपुर, (कासं)। मौसम विभाग, आपदा प्रबंधन सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग द्वारा जारी बिपरजॉय तूफान, आंधी-तूफान व बारिश के पूर्वानुमान को देखते हुए जिला कलेक्टर हिमांशु गुप्ता ने जोधपुर जिलेवासियों से सावधानी बरतने की अपील की है। जिला कलेक्टर ने लोगों से कहा है कि इस पूर्वानुमान को देखते हुए संभावित तेज आंधी अंधड़ व मेघ गर्जन के दौरान हर स्तर पर सतर्क रहते हुए सावधानी बरतें। जिला कलेक्टर ने इन परिस्थितियों में घरों के अन्दर रहने, बडे पेड़ों के नीचे और कच्ची दीवारों के पास खड़े न रहने, अंधड़ के दौरान खुले मैदान में होने पर नीचे लेट जाने, पशुओं को पेड़ से नहीं बांधने, घर में बिजली के उपकरणों का संपर्क हटा देने, बिजली के खंभों के पास व नीचे दुपहिया व चारपहिया वाहन खड़ा न करने की हिदायत दी है। यह भी कहा गया है कि जिन घरों में टीन शेड है उनके गेट बंद रखें, बड़े होर्डिंग्स लगे स्थानों से दूर रहे, बिजली के खंभों, तारों व ट्रांसफार्मर आदि से पर्याप्त दूरी बनाए रखें और नजदीकी सुरक्षित स्थलों पर आश्रय लें।

दुष्कर्म के आरोपी को आजीवन कारावास

बौंली, (निसं)। सवाई माधोपुर परिवार एवं पोक्सो न्यायालय के विशेष न्यायाधीश ने एक नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोपी हरिमोहन मीणा को दोष सिद्ध हो जाने पर विभिन्न धाराओं के तहत मृत्यु पर्यंत आजीवन कारावास व 65हजार के अर्थदंड से दंडित किया है। पीड़िता व राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक अनिल कुमार जैन ने न्यायालय को अवगत कराया कि सवाई माधोपुर जिले के एक थाने पर नाबालिग पीड़िता के पिता ने मामला दर्ज कराते हुए बताया था कि आरोपी हरि मोहन मीणा नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर बाइक पर बैठा कर ले गया एवं सवाई माधोपुर के एक कमरे में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। न्यायालय ने दोष सिद्ध हो जाने पर आईपीसी की धारा 363 के तहत 3 वर्ष का कठोर कारावास व 5हजार के अर्थदंड से व आईपीसी की धारा 366 के तहत 5 वर्ष का कारावास वह 10हजार के अर्थदंड से एवं 5 (ग)/6 पोक्सो एक्ट के तहत मृत्यु पर्यंत आजीवन कारावास व 50हजार के अर्थदंड से दंडित किया है।

जमादार पर हमले के विरोध में प्रदर्शन किया

पोकरण, (निसं)। पोकरण नगर पालिका सफाई कर्मचारी द्वारा जमादार के साथ मारपीट करने पर सर्व समाज के लोगों ने जुलूस निकालकर उपखण्ड कार्यालय के आगे विरोध प्रदर्शन कर उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

- सर्व समाज ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंप आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग

पोकरण मंगलवार को शहर में सर्व समाज के लोगों द्वारा गांधी चौक से मौन जुलूस निकालकर किला रोड महादेव होटल होते हुए एसडीएम कार्यालय पहुंचे। एसडीएम कार्यालय के बाहर जमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। ज्ञापन में बताया गया कि नगर पालिका के कर्मचारी जमेदार घनश्याम जोशी के साथ सोमवार को ड्यूटी के दौरान सफाई व्यवस्था की ड्यूटी लगाने के दौरान सफाई कर्मचारियों द्वारा स्टील की रॉड से हमला कर देने के मामले में ज्ञापन सौंपकर मांग रखी कि जमादार जोशी पर हमला करने वाले आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने की मांग रखकर पुलिस शासन द्वारा दर्ज मुकदमे मैं आरोपियों को गिरफतारी शीघ्र अति शीघ्र करने की मांग की। नगर पालिका कर्मचारी जमेदार जोशी पर हमला करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने पर उग्र आंदोलन की दी गई है।

चेतावनी देते हुए कहा कि शहर की शांति व्यवस्था एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण को खराब करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार किया जाए। ज्ञापन में बताया गया कि दो दिन में गिरफ्तारी नहीं हुई तो पोकरण बंद करने व पालिका कर्मचारियों द्वारा कल पोकरण पुलिस थाने में मामला दर्ज करवाया गया था। जिसको लेकर अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। जिससे सर्व समाज में गहरा रोष व्याप्त है। वहीं आज इस ज्ञापन देने के दौरान सर्व समाज के हर वर्ग के लोग व हर पार्टी के नेता उपस्थित रहे, जहां एक ओर बीजेपी के मंडल अध्यक्ष मुकेश शर्मा , पार्षदजितेंद्र दयाल बोहरा जैसे नेता दिखे वहीं कांग्रेस नेता प्रतिपक्ष नारायण रंगा पार्षद साकडा ब्लॉक अध्यक्ष विजय व्यास युवा जिला अध्यक्ष गोपाल जोशी, राजेश व्यास, जैसे लोग भी एक साथ दिखे।

उत्कर्ष का रविशंकर ब्लड डोनेशन सेंटर का नींव मुहूर्त सम्पन्न

जोधपुर, (कासं)। उत्कर्ष क्लासेस द्वारा अपने सामाजिक नवाचारों की कडी को आगे बढाते हुए मंगलवार को गीता भवन के सामने तीसरी चौपासनी रोड पर श्री श्री रविशंकर ब्लड डोनेशन सेंटर की नींव रखने का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। सामाजिक हित में स्थापित होने जा रहा अत्याधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण यह सेंटर जोधपुर शहर में अपनी तरह का एक अनूठा सेंटर होगा।

ब्लड डोनेशन सेंटर की नींव का मुहूर्त स्वामी रामप्रसाद महाराज ने किया। इस अवसर पर विनीत रूप में उत्कर्ष क्लासेस के संस्थापक एवं निदेशक डॉ. निर्मल गहलोत, सह संस्थापक तरुण गहलोत सहित बतौर अतिथि जोधपुर के आर्ट ऑफ लिविंग सेंटर के शिक्षक एवं स्वयंसेवकों में महेंद्र पित्ती, ललित शर्मा, कुसुम कच्छवाहा, राकेश चांडक, कीर्ति चोरडिया, प्रीति भंडारी, दिव्या भारद्वाज, सुनील भारद्वाज, राजलक्ष्मी चौधरी, शशि राठी, कुशल शिवा वैष्णव, अजय चोरडिया, सिद्धान्त चतुर्भुज, निखिल भारद्वाज तथा जय के अलावा रक्तदान स्वयंसेवी संस्थाओं से करण सिंह राठौड, प्रकाश रावल, नरसिंह गहलोत, अशोक गहलोत, रजत गौड, इकबाल खान, वरूण धनाडिया, शिव सोनी, आदेश शर्मा तथा अरु व्यास उपस्थित रहे।

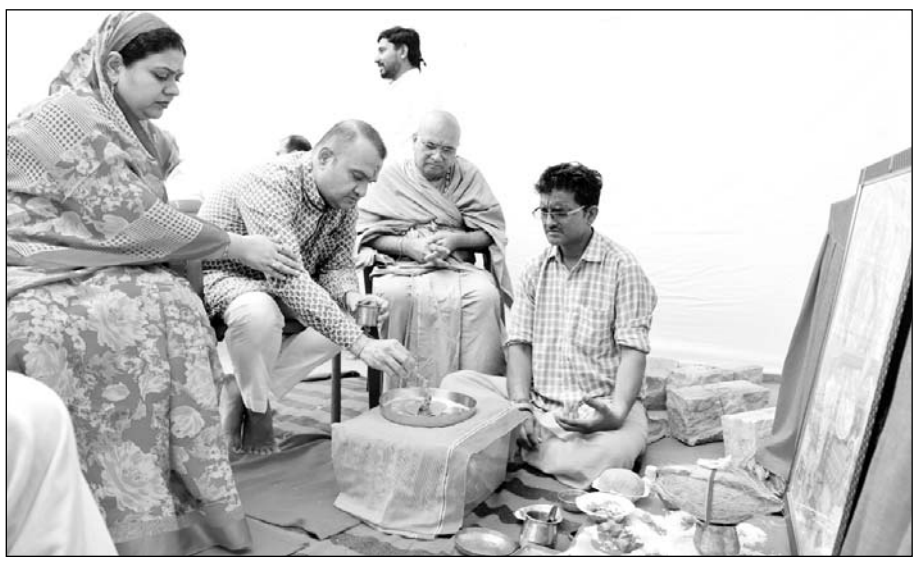

ब्लड डोनेशन सेंटर की नींव का मुहूर्त स्वामी रामप्रसाद महाराज ने किया।

नींव मुहूर्त के अवसर पर स्वामी रामप्रसाद महाराज ने ब्लड डोनेशन सेंटर की प्रशंसा करते हुए कहा कि स्थायी ब्लड डोनेशन शिविर का यह अनूठा विचार लोगों में रक्तदान के भाव को और अधिक प्रसारित करेगा। वे लोग बधाई के पात्र होते हैं जो जन्मदिन अथवा किसी अन्य शुभ अवसर पर रक्तदान शिविर जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से दूसरों को भी पुण्य कर्म करने का अवसर प्रदान करते हैं। उन्होंने इस ब्लड डोनेशन सेंटर की परिकल्पना को सार्थक करने के लिए उत्कर्ष क्लासेस एवं पूरे गहलोत परिवार को शुभकामनाएँ दी।

नींव मुहूर्त के अवसर पर उत्कर्ष ग्रुप के चेयरमैन डॉ. निर्मल गहलोत ने बताया कि श्री श्री रविशंकर की प्रेरणा से इस ब्लड डोनेशन सेंटर की स्थापना की जा रही है जो कि अपनी विशेषताओं के कारण अनूठा सेंटर साबित होने वाला है। एक अद्भुत नवाचार के तौर पर यहाँ आयोजित शिविर में रक्तदाताओं को पूर्व नियोजित स्थान पर पहले ध्यान करवाया जाएगा जिससे न केवल उनके भीतर एक नवीन ऊर्जा का संचार होगा बल्कि वे रक्तदान के पवित्र उद्देश्य के प्रति आंतरिक रूप से भी जागरूक हो सकेंगे।

तीन माह बाद भी कम्पनी ने नहीं बनाया पोली हाउस

निवाई, (निसं)। तीन माह से अधिक समय बीत जाने के बाद भी पोली हाउस का निर्माण नहीं करने से किसानों को परेशानी उठानी पड रही है। किसान शरीफ मोहम्मद ने बताया कि हार्टिकल्चर विभाग टोंक द्वारा पोली हाउस निर्माण के लिए के लिए 13 मार्च को लॉटरी निकाली गई थी।

जिसमें किसान शरीफ का नाम निकला था। 22 मार्च को किसान ने अपना फार्मर हिस्सा 18 लाख 61 हजार 200 रूपये जमा करवा दिया गया था। उसने बताया कि जय हनुमान कम्पनी का कोटेशन लगाया गया था। कोटेशन पर कम्पनी ने कहा था कि वर्क ऑर्डर जारी होते ही पोली हाउस बना दिया जाएगा। लेकिन तीन माह से अधिक का समय गुजर जाने के बाद भी कम्पनी द्वारा पोली हाउस का निर्माण नहीं किया गया है। पीडित किसान द्वारा कम्पनी को कॉल किया जाता है तो कॉल रिसिव नहीं किया जाता है। पीड़ित किसान ने बताया कि बैंक से लोन लेकर राशि जमा करवाई गई थी उस पर लगातार ब्याज बढ रहा है। कम्पनी द्वारा कार्य नहीं करने के कारण किसान कर्ज में डूब रहा है। उन्होंने बताया कि यदि बारिश आने से पहले पोली हाउस का निर्माण नहीं हुआ तो फसल भी नहीं लगेंगे और किसान को बहुत नुकसान होगा। इस बाबत पीडित किसान ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, कृषि मंत्री लालचन्द कटारिया, हार्टिकल्चर विभाग कमीश्नर, डिप्टी डायरेक्टर टोंक सहित संबंधित उच्चाधिकारियों को भी शिकायत की है लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला है।

हिण्डौन एस.डी.एम. को कारण बताओ नोटिस

करौली जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने बैठक में अनुपस्थित रहने पर जारी किया नोटिस

करौली, (निसं)। जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने कहा कि मौसम विभाग की जानकारी के अनुसार दक्षिण पशिचम मानसून सक्रिय होने जा रहा है इस संबंध में वर्षा होने की संभावना को देखते हुए समस्त जिला व ब्लाक स्तरीय अधिकारी मानसून पूर्व तैयारियों को समन्वयता के साथ 15 जून से पूर्व पूर्ण करना सुनिश्चित करे एवं इस संबंध मे अपनी कार्य योजना बनाकर भिजवाने के निर्देश दिये।

जिला कलक्टर मंगलवार को जिला कलक्ट्रेट सभागार में मानसून पूर्व तैयारी हेतु आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। उन्होंने बैठक में अनुपस्थित रहने पर उपखंड अधिकारी हिण्डौन को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। जिला कलेक्टर ने नगर परिषद, वन, पशुपालन, पंचायती राज, राजस्व, चिकित्सा, शिक्षा, बिजली, सानिवि, पुलिस, रसद सहित अन्य विभागों के अधिकारियों को विभागीय कार्ययोजना बनाकर कार्य करने के निर्देश दिये। जिला कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जिला व ब्लाक स्तर पर वर्षा से पूर्व नालो-नालियों की सफाई करवाने, हॉस्टल व स्कूलों के जलभराव की संभावित जगहों को दुरुस्त करवाने, मडपंपों को ठीक करवाने, प्रतिदिन होने वाली वर्षा कि सूचना देने, वर्षा से होने वाली जन व पशु हानि की सूचना देने, इसके अलावा अपने अधीनस्थ अधिकारियों एवं कार्मिकों को निर्देश प्रदान कर स्पष्ट रूप से आगाह कर दे कि आने वाले मानसून के समय बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोडे तथा अपना मोबाईल सदैव चालू रखें।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी वर्षा जनित खतरों को देखते हुए आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत आवश्यक इंतजाम पूरे कर एक ऐसा प्लान तैयार करें कि अतिवृष्टि व बाढ़ जनित संभावित जनधन व पशुधन को नुकसान से बचाया जा सके इसके अतिरिक्त उन्होने जिला व ब्लॉक स्तर पर नियंत्रण कक्ष स्थापित करने, मौसम की सूचना एवं मानसून की गतिविधियां नियमित रूप से उपलब्ध कराने, बाढ़ की संभावना में जिला स्तरीय आपदा नियंत्रण मे सूचनाएं देने, रक्षा पेटियों, रस्सों, मसालों, टोर्चों की व्यवस्था करने एवं उचित मूल्य की दुकानों पर गेहूं व अन्य खाद्य सामग्री के भण्डारण व वितरण की व्यवस्था तथा बाढ़ की स्थिति मे स्वैच्छिक संगठनों के सहयोग से पीड़ित व्यक्तियों तक खाद्य सामग्री पहुंचाने से संबंधित प्रबंधन करने आदि के निर्देश भी दियें।

बैठक में अतिरिक्त जिला कलेक्टर मुरलीधर प्रतिहार, मुख्य कार्यकारी अधिकारी ऋषभ मंडल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेश जैफ, उपखंड अधिकारी करौली दीपांशु सागवान, सपोटरा यशवंत मीना, टोडाभीम गौरव कुमार मित्तल, नादौती शिवराज मीना, सीएमएचओ डॉ. दिनेश मीना, पीएचईडी के परसराम वर्मा, विकास अधिकारी अनीता मीना, सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी धर्मेन्द्र मीना, डीएसओ रामसिंह मीना सहित तहसीलदार एवं अन्य अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।

भरतपुर बीट्स की ओर से आयोजित शिविर में रिकॉर्ड 666 यूनिट रक्तदान

शिविर का उद्घाटन राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने किया

भरतपुर, (निस)। समाजसेवा के क्षेत्र में शहर की अग्रणी संस्था भरतपुर बीट्स की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में रिकॉर्ड 666 यूनिट रक्तदान किया गया। बीट्स के संरक्षक जितेंद्र गोयल ने बताया कि बीट्स का ये 11वां रक्तदान शिविर था। जिसका उदघाटन राज्यमंत्री डॉ. सुभाष गर्ग ने किया।

उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता अपना घर के संस्थापक डॉ. बी एम भारद्वाज ने की व शहर के प्रमुख उद्योगपति कृष्णकुमार अग्रवाल व जिला अग्रवाल महासभा के जिलाध्यक्ष अनुराग गर्ग विशिष्ट अतिथि थे। बीट्स के प्रमुख सदस्य कृष्ण मुरारी अग्रवाल ने बताया कि बीट्स के इस शिविर में भी बीट्स ने अपनी पुरानी परम्परा को निभाते हुए अपने ही पुराने रक्तदान के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। आमजन में इस बार रक्तदान को लेकर विशेष उत्साह दिखाई दिया। प्रात: 9 बजे से प्रारम्भ हुआ शिविर रात 8 बजे तक चला।

बीट्स वरिष्ठ सदस्य नरेश जैन ने बताया कि बीट्स ने इस शिविर में रक्तदाता की सुविधा का पूरा ख्याल रखते हुए सारे इंतज़ाम किये गए थे जिसमें वातानुकूलित हॉल में रक्तदान की व्यवस्था के साथ साथ स्वल्पाहार की भी पूर्ण व्यवस्था की गई थी। बीट्स के प्रमुख सदस्य मनोज झालानी ने बताया कि शिविर में प्रत्येक रक्तदाता को संस्था द्वारा सर्टिफिकेट व आकर्षक उपहार भी दिया गया, इसके साथ ही शिविर में साथ रक्तदान करने वाली दम्पति को भी आकर्षक उपहार दिया गया। बीट्स के प्रमुख सदस्य सुनील खण्डेलवाल ने बताया कि बीट्स ने पहली बार रक्तदान शिविर में आर बी एम भरतपुर के साथ सतह जयपुर एस एम एस से भी रक्तदान के लिए टीम बुलाई थी। अब बीट्स द्वारा जयपुर एस एम एस में भी जरूरतमंद को रक्त उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

शिविर के दौरान रक्तदान करते लोग।

बीट्स के वरिष्ठ सदस्य डॉ रोहित भारतीय ने बताया कि बीट्स ने इस बार शहर की 100 समाजसेवियों को भी शिविर में सम्मानित करने के लिए बुलाया था, जिन्हें पटका पहना कर व बीट्स का मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। शिविर में सम्बोधित करते हुए मुख्यातिथि डॉ. सुभाष गर्ग ने कहा कि रक्तदान जैसे जीवनरक्षक के कार्य को अभूतपूर्व सफलता से निरन्तर आयोजित करने के लिए बीट्स धन्यवाद का पात्र है। बीट्स ने शहर में एक अलख जगाई है रक्तदान को लेकर आमजन ने जिस उत्साह के साथ लाइन में लगकर रक्तदान किया है वो अपने आप मे बीट्स के प्रयासों की गंभीरता को दर्शाता है।

समारोह के अध्यक्ष अपना घर के संस्थापक डॉ. बी एम भारद्वाज ने अपने उदबोधन में रक्तदान को महादान बताते हुए इतनी बड़ी संख्या में हुए रक्तदान को एक बीट्स के लिए ही नही शहर के लिए एक उपलब्धि बताते हुए बीट्स के प्रत्येक सदस्य का आभार व्यक्त किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में पधारे कृष्ण कुमार अग्रवाल, यश अग्रवाल, राजेश मित्तल, मोहन लाल मित्तल, ओंकार सिंह संधू, नीलकमल गेरा, विष्णु लोहिया, सीताराम गुप्ता आदि ने बीट्स की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए रक्तदान के प्रयासों को विशेष रूप से सराहा। कार्यक्रम का समापन डॉ. सुभाष गर्ग के मुख्यातिथ्य में 666 यूनिट रक्तदान का प्रतीकात्मक केक काट कर किया गया।

मैं खिलाड़ी की काबिलियत का आकलन इस आधार पर करता हूं कि वह कितने साल खेल सका। - **रिकी पोंटिंग**

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी, खिलाड़ियों की काबिलियत को लेकर।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

नोवाक जोकोविच

विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सर्पस्का ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में अपने हमवतन डुसान लाजोविच से हार गए। यह पिछले 11 वर्षों में पहला अवसर है जबकि जोकोविच को अपने हमवतन किसी खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। लाजोविच ने शुक्रवार को खेले गए इस मैच में 6-4 7-6 (6) से जीत दर्ज करने के बाद कहा,'' यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। जोकोविच मेरा अच्छा दोस्त और हमारे देश का नायक है। मैंने उसे हराने के बारे में सोचा तक नहीं था लेकिन ऐसा हो गया।''

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

क्या अब विराट-रोहित युग से आगे बढ़ने का समय है

दोनों की कप्तानी में आईसीसी के छह टूर्नामेंट खेले, ट्रॉफी एक भी नहीं जीती

नई दिल्ली, 13 जून। रविवार को ऑस्ट्रेलिया ने भारत को हराकर वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की ट्रॉफी पर कब्जा जमा लिया। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकतरफा अंदाज में हारने के बाद भारतीय टीम और इसकी लीडरशिप पर उठ रहे सवाल और भी मजबूत हो गए हैं। विराट कोहली और रोहित शर्मा पिछले एक दशक से ज्यादा समय से भारतीय क्रिकेट के दो सबसे बड़े स्टार हैं। साल 2016 के बाद हुए 6 टूर्नामेंट में भारत ने इनकी कप्तानी में शिरकत की है, लेकिन कामयाबी किसी में भी नहीं मिली। इन दोनों से पहले टीम के लीडर महेंद्र सिंह धोनी थे। उनकी अगुआई में भारत ने 3 ट्रॉफी जीतीं। आखिरी खिताबी जीत 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी के रूप में आई थी। इसके बाद से ही भारत का ट्रॉफी कैबिनेट खाली है। धोनी अपनी कप्तानी के आखिरी तीन साल में कोई खिताब नहीं जिता पाए थे। उनके जाने के बाद भारतीय फैंस ने उम्मीद जताई थी कि विराट कोहली के आने से ट्रॉफी का सूखा खत्म होगा। कोहली के बाद यह आस रोहित शर्मा से बंधी, लेकिन दोनों ही खिताबी कामयाबी हासिल नहीं कर पाए। बतौर कप्तान मैच जीतने के लिहाज से कोहली का रिकॉर्ड शानदार रहा है, लेकिन वे टीम को बड़े टूर्नामेंट में कामयाब नहीं बना पाए। विराट ने 213 इंटरनेशनल मैचों में भारत की कप्तानी की और 135 में टीम जीती। सिर्फ 60 में हार का सामना करना पड़ा। 3 मैच टाई, 11 ड्रॉ और 4 नो रिजल्ट रहे। जीत और हार का औसत 2.250 रहा। यानी उनकी कप्तानी में भारत ने जितने मैच गंवाए उसके दोगुने से भी ज्यादा जीते। हालांकि कोई टूर्नामेंट का खिताब जीतना कप्तान विराट के लिए सपना ही रह गया। हां, जूनियर लेवल पर उन्होंने अंडर-19 वर्ल्ड कप जरूर जीता है। 2017 में इंग्लैंड में हुआ चैंपियंस ट्रॉफी टूर्नामेंट बतौर कप्तान विराट का पहला टूर्नामेंट था। इसके फाइनल में भारत को पाकिस्तान के खिलाफ करारी शिकस्त मिली। इसके बाद 2019 वनडे वर्ल्ड कप में भारत सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड से हारा। 2021 फाइनल में भारत को न्यूजीलैंड ने ही हराया। 2021 टी-20 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया सेमीफाइनल में भी नहीं पहुंच सकी। यानी विराट ने दो टूर्नामेंट के फाइनल तक भारत को पहुंचाया, लेकिन फिनिश लाइन पार नहीं कर सके।

सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के इरादे से महिला हैडबॉल टीम पहुंची कजाखिस्तान

नई दिल्ली 13 जून। कप्तान निधि शर्मा के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम बुधवार से शुरू होने वाली छठीं एशियन महिला क्लब लीग हैंडबॉल चैंपियनशिप में हिस्सा लेने के लिये कजाखिस्तान के अलमाटी पहुंच गयी। टीम का उपकप्तान मेनिका को बनाया गया है। आगामी 14 से 20 जून तक आयोजित इस चैंपियनशिप में भारतीय टीम के दल प्रमुख डा.आनन्देश्वर पाण्डेय बनाए गए है। नई दिल्ली से रवानगी से पूर्व हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह चौटाला, कोषाध्यक्ष डा.तेजराज सिंह व महासचिव ए.जगनमोहन राव ने भारतीय टीम के चैंपियनशिप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की कामना की। इस अवसर पर हैंडबॉल एसोसिएशन इंडिया के कार्यकारी निदेशक डा.आनन्देश्वर पाण्डेय ने बताया कि भारतीय खिलाड़ी पिछले काफी अरसे से अंतर्राष्ट्रीय क्षितिज पर शानदार प्रदर्शन कर रहे है। मुझे पूरा विश्वास है कि भारतीय खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने व अपनी छाप छोड़ने में कामयाब होंगी। **भारतीय महिला हैंडबॉल टीम:** निधि शर्मा (कप्तान), मेनिका (उपकप्तान), मिताली शर्मा, दीक्षा कुमारी, प्रियंका ठाकुर, खुशबू आचार्य, रेखा, ज्योति मीना, ऐरांटा मीना, अक्षया, अक्सा सनी, शालिनी ठाकुर, आशा रानी, भावना। **आफिशियल :- मुख्य कोच :** सचिन चौधरी, कोच : साइरिल डिसूजा, मैनेजर : शिवबचन प्रजापति, असिस्टेंट मैनेजर : अजय कुमार जायसवाल, हेड ऑफ डेलीगेशन : डा: आनन्देश्वर पाण्डेय।

स्टार स्पोर्ट्स ने विंबलडन 2023 के लिए लांच किया प्रोमा

मुंबई,13 जून। साल के सबसे बड़े टेनिस टूर्नामेंट विंबलडन का जश्न मनाने और प्रशंसकों को उत्साह बढ ाने के लिये स्टार स्पोर्टस ने एक आकर्षक प्रोमो 'आलवेज लाइक नेवर बिफोर' लांच किया है। विंबलडन में घास के मैदानों को बेहद बारीकी से सजाया गया है और एक शताब्दी से भी अधिक समय तक इसका समृद्ध इतिहास रहा है। इस साल यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट तीन से 16 जुलाई के बीच खेला जायेगा जिसे भारत में स्टार स्पोर्ट्स 2, स्टार स्पोर्ट्स सिलेक्ट 1, स्टार स्पोर्ट्स सिलेक्ट 2 और डिज्नी हॉटस्टार पर देखा जा सकेगा। प्रोमो में फिल्म खिलाड़ियों के कौशल, अटूट दृढ संकल्प और अदम्य भावना के असाधारण प्रदर्शन को उजागर किया गया है। फिल्म में महान नोवाक जोकोविच, विश्व नंबर 1 इगा स्वोटेक और कार्लोस अल्कराज, स्टेफानोस स्तिटिपास और कोको गॉफ जैसे होनहार खिलाड़ी हैं जो ताज के लिए कड़ी चुनौती पेश करने के लिए तैयार हैं। गौरतलब है कि इस प्रतिष्ठित टेनिस टूर्नामेंट में मौजूदा चैम्पियन नोवाक जोकोविच खिताब बचाने के इरादे से उतरेंगे।

वेस्टइंडीज दौरे में नये चेहरों को मौका मिलने के आसार

नई दिल्ली 13 जून। इंडियन प्रीमियर लीग के हाल ही में संपन्न सत्र में अपने हुनर का लोहा मनवाने वाले रिंकू सिंह और यशस्वी जायसवाल जैसे चेहरों को अगले महीने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाले पांच मैचों की एक दिवसीय श्रृखंला में मौका मिलने की पूरी संभावना है। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में मिली हार के बाद स्वदेश लौटी भारतीय टीम करीब एक महीने के विश्राम के बाद जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे की शुरूआत करेगी। कैरीबियन टीम के खिलाफ भारत दो टेस्ट मैच,तीन वनडे और पांच टी-20 मैच खेलेगा। दौरे की शुरूआत 12 जुलाई से खेले जाने वाले टेस्ट मैच से होगी जबकि दौरे का समापन टी-20 मैचों की श्रृखंला से होगा।

डेनवर नगेट्स ने एनबीए लीग का टाइटल जीतकर इतिहास रचा, पहली बार विजेता बनी

नई दिल्ली, 13 जून। डेनवर नगेट्स ने मंगलवार को नेशनल बास्केटबॉल एसोसिएशन लीग का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। अमेरिका के डेनवर के बॉल एरिना में खेले गए फाइनल मैच में टीम ने मियामी हीट को 94-89 से हराया। डेनवर नगेट्स साल 1967 से चैंपियनशिप में हिस्सा ले रही है, लेकिन यह पहली बार है जब उसने ट्रॉफी जीती है। बता दें, मियामी हीट ने तीन बार ट्रॉफी जीती है। लॉस एंजिल्स लेकर्स लीग की सबसे सफल टीम लॉस एंजिल्स लेकर्स और बोस्टन सेल्टिक्स लीग की सबसे सफल टीमें हैं। इन दोनों टीमों ने 17-17 बार लीग का खिताब जीता है। गोल्डन स्टेट वारियर्स सात ट्रॉफी के साथ तीसरे नंबर पर है। शिकागो बुल्स छह और सैन एंटोनियो स्पर्स पांच बार चैंपियन बनी है।

शुरू के दोनों क्वार्टर मियामी हीट के नाम रहें मियामी हीट ने मैच का पहला क्वार्टर 24-22 से जीता था। पहले क्वार्टर में डेनवर नगेट्स ने भी आक्रामक खेल दिखाया लेकिन दो पॉइंट्स से पीछे रही। दूसरे क्वार्टर में मियामी हीट फिर हावी रही और 27-22 के स्कोर के साथ बाजी मारी। मैच का तीसरा क्वार्टर डेनवर नगेट्स ने 26-20 से जीता। मैच के चौथे क्वार्टर में डेनवर नगेट्स ने मियामी हीट पर दबाव बनाए रखा और मैच का चौथा क्वार्टर जीत लिया। चौथे क्वार्टर के अंत में अंतिम स्कोर 24-18 था। चारों क्वार्टर मिलाकर मैच का अंतिम स्कोर 94-89 था।

रवि शास्त्री ने कहा, खिलाड़ी फैसला करें, आईपीएल जरूरी या डब्ल्यूटीसी

मुंबई 13 जून। विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में भारत को मिली करारी हार के बाद दिग्गज क्रिकेटरों के बीच छिड़ी बहस के बीच भारत के पूर्व कोच रवि शास्त्री का मानना है कि यह खिलाड़ियों पर निर्भर करता है कि वे इंडियन प्रीमियर लीग जैसे व्यवासयिक टूर्नामेंट को चुनते हैं अथवा डब्ल्यूटीसी सरीखे प्रतिष्ठित मैचों की तैयारी में अपना समय और ऊर्जा खपाते हैं।

क्रिकइंफो के अनुसार शास्त्री ने स्टार स्पोर्ट्स से बातचीत में कहा, देखिए ऐसा कभी नहीं होने वाला है कि आपको किसी मैच या सीरीज़ की तैयारी के लिए 20-21 दिन मिले। अंतिम बार ऐसा 2021 के इंग्लैंड दौरे पर हुआ था, जब भारतीय टीम पहले टेस्ट से तीन सप्ताह पहले वहां पहुंच गई थी। इसका भारत को फ़ायदा भी हुआ और वे सीरीज़ में 2-1 से आगे थे। लेकिन यह तभी संभव हो पाया था, जब कोरोना के कारण आईपीएल का दूसरा हाफ़ टल गया था। तभी इतना समय मिल पाया था। उन्होंने कहा, हमें यथार्थ में जीना होगा। आपको ये 20 दिन कभी नहीं मिलेंगे और अगर ऐसा होता है तो आपको आईपीएल छोड़ना होगा। यह अब खिलाड़ियों और बीसीसीआई पर निर्भर करता है। मुझे लगता है कि बीसीसीआई भी इस पर ध्यान देगा। अगर हर बार डब्ल्यूटीसी का फ़ाइनल आईपीएल के एक सप्ताह बाद जून में पड़ता है तो फ़ाइनल में पहुंचने वाले फ्रैंचाइज़ियों के लिए कुछ शर्तें होनी चाहिए।

गौरतलब है कि डब्ल्यूटीसी चैंपियनशिप के फाइनल में हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा ने कहा था कि डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल जैसे मैचों की तैयारियों के लिए आदर्श रूप से कम से कम 20-25 दिन चाहिए होते हैं जबकि आईपीएल के बाद टीम को तैयारी का अवसर नहीं मिला। भारतीय कोच राहुल द्रविड़ ने भी डब्ल्यूटीसी फ़ाइनल से पहले व्यस्त शेड्यूल का हवाला दिया था और कहा था कि एक कोच के तौर पर वह ऐसी तैयारियों से बिल्कुल भी ख़ुश नहीं हो सकते, लेकिन सच्चाई यही है कि उन्हें इससे अधिक समय मिल भी नहीं सकता है। उन्होंने कहा था, शेड्यूल बहुत टाइट है। जब आप यहां पर तीन सप्ताह पहले आते हो और दो अभ्यास मैच खेलते हो, तब आपकी तैयारी बेहतर होती है। लेकिन यह सुविधा हमारे पास नहीं है। हालांकि यह कोई बहाना या शिक़ायत भी नहीं है। भारतीय घरेलू क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो बेहतरीन कर रहे है, उन्हें बस ढूंढने और सही मौक़ा देने की ज़रूरत है।

भारत को अगले डब्ल्यूटीसी चक्र की शुरुआत जुलाई में वेस्टइंडीज़ के ख़िलाफ़ सीरीज़ से करना है। इस साल अक्तूबर-नवंबर में 50 ओवर के विश्व कप को देखते हुए भारतीय टीम प्रबंधन को खिलाड़ियों का वर्कलोड मैनेजमेंट भी करना है। इसका मतलब यह भी है कि वेस्टइंडीज़ दौरे पर कुछ खिलाड़ियों को आराम भी दिया जा सकता है। शास्त्री का मानना है कि यह सही मौक़ा है जब कुछ युवा खिलाड़ियों को मौक़ा दिया जाए, जो आगे अनुभवी खिलाड़ियों की जगह भी ले सकें। उन्होंने भारतीय टीम प्रबंधन और चयनकर्ताओं से कुछ कठिन निर्णय लेने की भी बात कही।

उन्होंने कहा, थिंक-टैंक और चयनकर्ताओं को भविष्य को देखते हुए योजना बनानी होगी। ऑस्ट्रेलिया ऐसा कई वर्षों से करता आ रहा है। वे सिर्फ़ आज नहीं बल्कि अगले तीन साल की टीम बनाते हैं। वे इसका इंतज़ार नहीं करते कि अचानक से कुछ खिलाड़ी संन्यास लें या ख़राब फ़ॉर्म में आएं और उनके पास कोई विकल्प ही ना रहे। उनकी टीम में युवा और अनुभव का मिश्रण है। वहां के युवा खिलाड़ी, अनुभवी खिलाड़ियों से तेज़ी से सीखते हैं। वहां का टीम प्रबंधन कठिन निर्णय भी लेता है, जिसको कई लोग पसंद नहीं करते, लेकिन वह टीम के हित में होता है। तभी उनकी टीम इतनी मज़बूत है। यही योजना भारत को भी बनानी होगी।

कप्तान रोहित भी कहीं ना कहीं शास्त्री की बातों से सहमत नज़र आते हैं। उन्होंने फ़ाइनल के बाद पोस्ट मैच कॉन्फ्रेंस में कहा था, हमें कुछ सवालों का जवाब ढूंढ़ना होगा। घरेलू क्रिकेट में कई ऐसे खिलाड़ी हैं जो बढ़िया प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्हें बस ढूंढ़ने, तराशने और सही समय पर सही मौक़ा देने की ज़रूरत है।

क्या टेस्ट टीम से पुजारा-उमेश की छुट्टी होगी

डब्ल्यूसीटी फाइनल के बाद नया बैच तैयार कर रहे सिलेक्टर्स, विंडीज में जायसवाल-मुकेश को मौका

मुंबई, 13 जून। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप में लगातार 2 फाइनल गंवाने के बाद भारतीय टीम में बदलाव का दौर शुरू हो रहा है। हालांकि इसमें कुछ समय लग सकता है। रविवार को ऑस्ट्रेलिया से मिली हार के बाद अब भारतीय सिलेक्टर्स पर नया बैच तैयार करने का दबाव है। ऐसे में कुछ टेस्ट स्पेशलिस्ट प्लेयर को अपनी प्लेस गंवानी पड़ सकती है। साथ ही कुछ युवा चेहरों को आजमाया जा सकता है। एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि फाइनल हारने के बाद टेस्ट स्पेशलिस्ट बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और तेज गेंदबाज उमेश यादव अपनी जगह गंवा सकते हैं। उनकी जगह युवा यशस्वी जायसवाल और तेज गेंदबाज मुकेश कुमार को विंडीज दौरे पर मौका दिया जा सकता है, क्योंकि टेस्ट चैम्पियनशिप के पिछले सीजन में पुजारा और उमेश ही टीम की कमजोर कड़ी साबित हुए हैं। ऐसे में संभव है कि उन्हें ड्रॉप किया जाए।

एलपीएल की नीलामी में सुरेश रैना भी शामिल

कोलंबो, 13 जून। लंका प्रीमियर लीग (एलपीएल) के 31 जुलाई से शुरू होने वाले चौथे सत्र की नीलामी 14 जून को होगी जिसमें भारत के पूर्व स्टार खिलाड़ी सुरेश रैना भी उपलब्ध होंगे। नीलामी के लिए कुल 360 खिलाड़ियों को चुना गया है जिसमें भारतीय टीम के पूर्व सदस्य सुरेश रैना भी उपलब्ध रहेंगे। नीलामी सूची के अनुसार नीलामी में श्रीलंका के 202 खिलाड़ियों की बोली लगेगी। लिस्ट में बाकी 153 खिलाड़ियों में विदेशी क्रिकेटर शामिल हैं। विदेशी खिलाड़ियों में सबसे अधिक 34 खिलाड़ी पाकिस्तान के है जबकि आस्ट्रेलिया के 24, बांग्लादेश के 24, वेस्ट इंडियन के 14 और दक्षिण अफ्रीका के दस खिलाड़ियों की बोली नीलामी में लगेगी। तमीम इकबाल (बांग्लादेश), क्रिस लिन (ऑस्ट्रेलिया), एविन लुईस (वेस्टइंडीज), लेंडल सिमंस (वेस्टइंडीज), इमाद वसीम (पाकिस्तान), टिम सीफर्ट (न्यूजीलैंड), रस्सी वान डेर डूसन (दक्षिण अफ्रीका), इमरान ताहिर (दक्षिण अफ्रीका), ईश सोढ़ी (न्यूजीलैंड), नूर अहमद (अफगानिस्तान) समेत कुछ अन्य शीर्ष खिलाड़ी बुधवार को नीलामी के लिए उपलब्ध होंगे। पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना ने भी 50 हजार अमेरिकी डालर के आधार मूल्य के साथ खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम रखा है। 36 वर्षीय विश्व कप विजेता मध्यक्रम के बल्लेबाज ने 18 टेस्ट, 226 एकदिवसीय और 78 टी20 मैचों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। जाने-माने भारतीय कमेंटेटर, कंपेयर और क्विज मास्टर चारु शर्मा एलपीएल नीलामी के लिए नीलामीकर्ता के तौर पर काम करेंगे।

डब्ल्यूटीसी हार पर तेंदुलकर ने पूछा- अश्विन बाहर क्यों

गावस्कर ने कहा- कोहली ने कैसा शॉट खेला; रोहित बोले- शॉट खेलने की छूट दी थी

नई दिल्ली, 13 जून। ऑस्ट्रेलिया से वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हारने के बाद इंडिया के क्रिकेट लीजेंड्स टीम पर सवाल उठा रहे हैं। सचिन तेंदुलकर ने आर अश्विन जैसे स्पिनर को टीम से बाहर रखने पर हैरानी जताई। सुनील गावस्कर ने कहा कि कोहली ने खराब शॉट खेला। उनसे पूछना चाहिए कि वो क्या शॉट था। टीम इंडिया के कप्तान ने फाइनल हारने के बाद रविवार को सफाई दी थी कि उनकी टीम के बल्लेबाजों के एकाठाता में कोई कमी नहीं थी, बस टीम थोड़ा अलग बल्लेबाजी का प्लान लेकर उतरी थी।

सचिन तेंदुलकर ने ट्वीट किया, ''पहली पारी में इंडिया को ज्यादा स्कोर करना था, ताकि वो खेल में बने रहे। लेकिन वो ऐसा नहीं कर पाए। टीम के लिए कुछ अच्छे मोमेंट्स भी थे। लेकिन मैं यह समझ नहीं पा रहा हूं कि अश्विन को टीम से बाहर क्यों रखा गया, जबकि अभी वो दुनिया का नंबर वन टेस्ट बॉलर है। मैंने मैच से पहले भी कहा था कि टैलेंटेड स्पिनर्स हमेशा घूमने वाले विकेट के भरोसे नहीं रहते। वे उछाल और गति में बदलाव से विकेट का इस्तेमाल करते हैं। ये भी नहीं भूलना चाहिए कि ऑस्ट्रेलिया के टॉप 8 बल्लेबाजों में 5 लेफ्ट हैंडर थे।''

तेंदुलकर ने यह सवाल इसलिए भी उठाया, क्योंकि मौजूदा सीजन में अश्विन ने 13 टेस्ट में 61 विकेट लिए हैं। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स से कहा, ''कोहली का शॉट खराब था। वो बहुत ही साधारण शॉट था। आप मुझसे पूछने की बजाय कोहली से पूछें कि वो क्या शॉट था। हम इतनी बार बात कर चुके हैं कि मैच जीतने के लिए आपको बड़ी इनिंग की जरूरत होती है। आपको शतक मारने की जरूरत होती है। जब आप ऑफ स्टंप से इतनी बाहर की गेंद पर शॉट खेलेंगे तो आप सेंचुरी कैसे बनाएंगे? शायद वो फिफ्टी के करीब थे इसलिए उनके दिमाग में बहुत कुछ चल रहा होगा। जडेजा के साथ भी ऐसा ही हुआ था, जब वो पहली पारी में 48 रन पर आउट हो गया।''

ऑस्ट्रेलिया से 209 रन से हारने के बाद रोहित ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, '' फाइनल में एक मैच की बजाय तीन मैचों की सीरीज हो। हमने कड़ी मेहनत की, बड़ी टीमों को उनके घर में कड़ी टक्कर दी और लगातार दूसरी बार यहां तक पहुंचे, लेकिन केवल एक ही मैच खेलकर चैंपियनशिप गंवा दी। मुझे लगता है अगले साइकल में तीन मैचों की सीरीज सही रहेगी।'' इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अगला फाइनल लॉर्ड्स पर खेले जाने की घोषणा पहले ही कर दी है। ऐसे में रोहित ने कहा, ''यह मैच कहीं भी कराया जा सकता है। जून में फाइनल नहीं होना चाहिए। यह साल में किसी भी समय हो सकता है। सिर्फ इंग्लैंड में ही नहीं, बल्कि कहीं भी हो सकता है।''

टीम इंडिया के कप्तान बोले, ''ऐसे फाइनल के लिए 20 से 25 दिन की तैयारी चाहिए। पिछली बार इंग्लैंड में हमने यही किया था और नतीजा आपने देखा। हम 2-1 से आगे थे जब अगला मैच स्थगित हुआ था। टेस्ट क्रिकेट में काफी अनुशासन की जरूरत है।'' रोहित ने ये माना कि दूसरी इनिंग में कई गलत शॉट्स खेले गए, लेकिन उन्होंने टीम की बेहद आक्रामक बैटिंग पर कुछ नहीं कहा।

इंडोनेशिया ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधु

// प्रणय भी अगले दौर में, त्रीशा-गायत्री की जोड़ी बाहर //

नई दिल्ली, 13 जून। भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु ने मंगलवार को जकार्ता में खेली जा रही इंडोनेशिया ओपन वर्ल्ड टूर सुपर 1000 के पहले राउंड में इंडोनेशिया ठिगोरिया मारिस्का तुंजुंग को हराकर प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। मेंस सिंगल में एचएस प्रणय भी अपना मुकाबला जीत कर अगले दौर में पहुंच गए हैं। वहीं त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय महिला युगल जोड़ी को हार का सामना करना पड़ा। सिंधु की ठिगोरिया के खिलाफ पिछले तीन मैच में यह पहली जीत है। सिंधु के खिलाफ ठिगोरिया ने पहले गेम में अच्छी शुरुआत करते हुए 9-7 की बढ़त बनाई लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने अपनी लंबाई का फायदा उठाते हुछ अच्छे अंक जुटाए और ठिगोरिया की लगातार तीन गलतियों से ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बना ली और फिर गेम जीतने में सफल रही।

दूसरे गेम में सिंधु बेहतर लय में नजर आईं। सिंधु की ठिगोरिया के खिलाफ 10 मैच में यह आठवीं जीत है जबकि उन्हें दो बार हार का सामना करना पड़ा है। सिंधु अगले दौर में तीसरी वरीय ताइ जू यिंग से भिड़ेंगी। ताइवान की खिलाड़ी ने सिंधु के खिलाफ पिछले लगातार आठ मुकाबले जीते हैं और भारतीय खिलाड़ी के खिलाफ उनकी जीत-हार का रिकॉर्ड 18-5 है।

टेस्ट कप्तानी छोड़ने का फैसला विराट का था, तब रोहित बेस्ट ऑप्शन थे : गांगुली

// डब्ल्यूटीसी हार पर कहा- टीम में लड़ने का जज्बा नहीं दिखा //

नई दिल्ली, 13 जून। पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है कि नहीं चाहता था कि विराट कोहली टेस्ट की कप्तानी छोड़ें। उनसे टेस्ट की कप्तानी न छोड़ने के लिए अनुरोध भी किया गया था। उन्होंने कहा कि कप्तानी छोड़ने का फैसला विराट का था। हमने जब यह खबर सुनी तो हम भी हैरान रह गए थे। इसके लिए तैयार नहीं था। उस वक्त टीम में रोहित शर्मा ही कप्तानी का बेहतर विकल्प थे। गांगुली ने फाइनल में हार पर कहा- टीम की अप्रोच डिफेंसिव थी। टीम ने रिस्क नहीं लिया। इस टीम को खुलकर खेलना चाहिए। जीत मिलेगी। गांगुली ने यह बात एक टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में कही। विराट ने जनवरी 2022 में टेस्ट टीम की कप्तानी छोड़ी थी। यह फैसला उन्होंने साउथ अफ्रीका सीरीज में 2-1 से हार के बाद किया था। उन्होंने नवंबर 2021 टी-20 वर्ल्ड कप के बाद उन्होंने टी-20 टीम की कप्तानी छोड़ी। दिसंबर 2021 में उन्हें वन डे टीम की कप्तानी से हटा दिया गया था। गांगुली ने कहा, रोहित ने 5 खिताब जीते हैं। उन्होंने 2018 में भारत को एशिया कप में भी जीत दिलाई थी। रोहित को तब तक बतौर कप्तान जो भी जिम्मेदारी दी गई थी, उसमें वे सफल रहे थे। विराट इस समयभारतीय टीम की कप्तानी के लिए रोहित ही ठीक हैं। रोहित और द्रविड़ को आगे होने वाले टूर्नामेंट में ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता दिखानी होगी।'' गांगुली ने कहा कि फाइनल में टीम इंडिया ने टी-20 वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल वाली गलती दोहराई। टीम द ओवल में खिताबी मुकाबले में रिस्क लेने की हिम्मत नहीं दिखा सकी। भारतीय टीम को रिस्क लेना चाहिए था। टॉस जीतकर पहले बैटिंग करना बेहतर होता। इससे टीम की मानसिक मजबूती सामने आती। 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच में राहुल द्रविड़ ने बतौर कप्तान कठिन पिच पर पहले बैटिंग करने का फैसला लिया था और उस मैच में जीत भी दर्ज की थी।'' गांगुली ने कहा, ''अभी ऐसा लगता है कि भारतीय खिलाड़ी बंधकर खेलते हैं। इससे बाहर निकलने की जरूरत है। टूर्नामेंट में नाकामी की एक वजह डिफेंसिव अप्रोच रखना है। मुझे लगता है कि खिलाड़ी थोड़े बंधे हुए हैं। टी-20 तो मारने का ही खेल है, जिस टीम के पास 8 नंबर तक बल्लेबाज हैं, उसमें तो ऊपर वालों को खुलकर ही खेलना चाहिए। यहां पंड्या और जडेजा 6 व 7 पर खेलते हैं। अक्षर पटेल को लेते हैं तो 8 पर खेलेंगे, तो खुलकर खेलो। यह गलती फाइनल में भी दोहराई गई।'' सौरव बोले, ''फाइनल में भारतीय टीम डरी डरी-सी दिखी। टीम ने रिस्क नहीं लिया। फाइनल जैसे मुकाबलों में उन्हें सोचना होगा कि हमें किसी को कुछ साबित नहीं करना है। भारत बहुत अच्छी टीम है। उसने पिछले दो साल में काफी कुछ जीता है। टीम इंग्लैंड में दो टेस्ट मैच जीती। उससे पहले टीम ब्रिस्बेन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ऐतिहासिक जीत के साथ सीरीज अपने नाम करने का कारनामा दिखा चुकी थी। उस मैच में ऋषभ पंत ने शानदार पारी खेली। तब कई बड़े खिलाड़ी उपलब्ध नहीं थे। यहां ओवल में पहले दो सेशन में हम पीछे चले गए और वहां से रिकवरी नहीं हो सकी। टीम ने चढ़कर खेलने की कोशिश नहीं की।'' पूर्व कप्तान ने कहा, ''फाइनल में जो चीज मुझे नहीं दिखी वह यह थी कि चलो लड़ते हैं। यह अप्रोच मुझे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भी नहीं दिखी। हमारे खिलाड़ी उम्मीदों के बोझ तले दब गए। उससे निकलना जरूरी है। हार गए तो हार गए...इस टीम के पास इतनी प्रतिभा है, मैं समझ नहीं पा रहा कि क्या ये बार-बार हारेंगे। इस टीम को रिस्क लेने की जरूरत है। राहुल द्रविड़, टीम मैनेजमेंट को सोचना होगा कि डर को पीछे छोड़ना है।'' गांगुली ने कहा, ''जो भारतीय फैंस क्रिकेट देखते हैं, उनसे यही कहना चाहता हूं कि भारत दूसरी बार फाइनल पहुंचा है, इसकी तारीफ करनी चाहिए। हम जीत भी जाएंगे एक-दो बार। जीतने के लिए मैं समझता हूं कि बिना डरे खेलें। जब हम खेलते थे तो हमारे भी बल्ले के किनारे लगे हैं। हम भी हारे हैं। खुलकर खेलो...हारोगे ही...बीच-बीच में जीत भी जाओगे। जिस टीम में इतने बड़े-बड़े नाम है वह बार-बार वर्ल्ड चैंपियनशिप नहीं हारेगी।''

पेपरलीक और गहलोत सरकार के भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रदेश भाजपा संगठन ने मंगलवार को पैदल मार्च करते हुये सचिवालय घेराव का कार्यक्रम आयोजित किया। सचिवालय की ओर बढ़ रहे भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं को पुलिस ने बैरीकेड लगाकर रोकने का प्रयास किया। तमाम प्रयासों के बावजूद पुलिस भाजपाइयों को रोकने में नाकाम रही। इस दौरान पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर लाठीचार्ज किया और उन पर वॉटर कैनन भी चलाई। भाजपा सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने भी स्टैच्यू सर्किल पर पुलिस बैरीकेड को पार करने की जमकर जद्दोजहद की। लाठीचार्ज और भारी बलप्रयोग के बावजूद भी कुछ भाजपा कार्यकर्ता सचिवालय तक पहुँचने में कामयाब हो गये और उन्होंने वहाँ पर गहलोत सरकार का पुतला दहन किया।

राहुल गांधी ने अमेरिका में की ट्रक की सवारी

कांग्रेस ने कहा कि, राहुल गांधी ने भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर के साथ 190 किलोमीटर की यात्रा की

- गौरतलब है कि, राहुल गांधी ने पिछले महीने की शुरुआत में दिल्ली से चंडीगढ़ तक ट्रक यात्रा की थी।
- कांग्रेस ने कहा है कि, राहुल गांधी की इस यात्रा का मकसद लोगों की रोजमर्रा की दिक्कतों से करीब से रूबरु होना है। कांग्रेस के अनुसार, राहुल ने अमेरिका में भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवरों के रोजमर्रा के जीवन को नजदीक से जानने और समझने के लिए वहां ट्रक पर सवारी की।
- कांग्रेस की ओर से बयान में कहा गया कि, भारत में ट्रक ड्राइवर कम मजदूरी और रिकॉर्ड मूल्य वृद्धि के साथ घर पर संघर्ष करते हैं, वहीं अमेरिका में ट्रक चालकों को उनके श्रम के लिए उचित मजदूरी के साथ सम्मान मिलता है।

नई दिल्ली, 13 जून (वार्ता)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत के साथ ही विदेशों में भी लोगों से करीब से रूबरू होने का अपना सफर जारी रखते हुए हाल में अमेरिका यात्रा के दौरान ट्रक की सवारी की।

कांग्रेस पार्टी ने मंगलवार को जारी बयान में कहा , गांधी भारतीय मूल के ट्रक चालकों के साथ वाशिंगटन डीसी से न्यूयॉर्क तक 190 किलोमीटर की दूरी ट्रक यात्रा के जरिए की। भारत में दिल्ली से चंडीगढ़ तक की ट्रक यात्रा की अमेरिका में भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवरों के रोजमर्रा के जीवन को नजदीक से जानने और समझने के लिए उन्होंने वहां ट्रक पर सवारी की।

बयान में कहा गया कि जबकि यहां ट्रक ड्राइवर कम मजदूरी और रिकॉर्ड मूल्य वृद्धि के साथ घर पर संघर्ष करते हैं, वहीं अमेरिका में ट्रक चालकों को उनके श्रम के लिए उचित मजदूरी के साथ सम्मान मिलता है।

कांग्रेस ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर गांधी की एक ट्रक ड्राइवर के साथ बातचीत का नौ मिनट का वीडियो भी जारी किया। वीडियो में कांग्रेस नेता ग्रे टी-शर्ट पहने ट्रक पर सवार होते और सवारी करते नजर आ रहे हैं।

गौरतलब है कि पिछले महीने गांधी देर रात ट्रक पर सवार होकर दिल्ली से चंडीगढ़ पहुंचे थे और चालकों से उनकी समस्याओं के बारे में चर्चा भी की थी।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष के खिलाफ तमिलनाडु वि.सभा में प्रस्ताव पारित

चेन्नई, 13 जून (वार्ता)। तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल अन्नाद्रमुक ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेशाध्यक्ष के. अन्नामलाई के अन्नाद्रमुक की सुप्रीमो एवं पूर्व मुख्यमंत्री ज़े. जयललिता के खिलाफ टिप्पणी का पुरजोर विरोध करने का प्रस्ताव पारित किया।

- तमिलनाडु में मुख्य विपक्षी दल, अन्नाद्रमुक ने भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष, के. अन्नामलाई द्वारा पूर्व मुख्यमंत्री जयललिता के खिलाफ की गई टिप्पणी का पुरजोर विरोध करने का प्रस्ताव पारित किया।

अन्नाद्रमुक के महासचिव और विपक्ष के नेता एडापल्ली के पलानीस्वामी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में सर्वसम्मति से यह फैसला लिया गया। पलानीस्वामी ने मीडिया को प्रस्ताव पढ़कर बताया और अन्नामलाई की एक साक्षात्कार के दौरान अन्नाद्रमुक नेताओं और जयललिता पर की गई टिप्पणी को गंभीर बताया। उन्होंने कहा कि जयललिता एक सम्मानित राष्ट्रीय नेता थीं।

'एयर इंडिया उपभोक्ता को टिकट के 7 लाख रू. वापस करे'

राज्य उपभोक्ता आयोग ने एजेंट की कार्रवाई के लिए एयर इंडिया को दोषी ठहराते हुए यह आदेश दिया

- आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग द्वारा लगाए गए 50 हजार रू. के जुर्माने को भी बरकरार रखा।
- आयोग ने एयर इंडिया की अपील खारिज करते हुए कहा कि, यह कहने मात्र से उसकी जिम्मेदारी खत्म नहीं हो जाती कि, टिकट फर्जी थे। अगर टिकट फर्जी थे तो एयर इंडिया को एजेंट के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करानी चाहिए थी।

जयपुर, 13 जून (का.सं.)। राज्य उपभोक्ता आयोग ने एयर इंडिया की ओर से नियुक्त किए गए एजेंट की कार्रवाई के लिए भी एयर इंडिया को जिम्मेदार माना और आदेश दिया कि एयर टिकट के तौर पर उपभोक्ता से ली गई 7 लाख रुपए की राशि लौटाई जाए। राज्य आयोग ने जिला उपभोक्ता आयोग की ओर से एयर इंडिया पर लगाए 50 हजार रुपए के जुर्माने को भी बरकरार रखा है। आयोग के न्यायिक सदस्य निर्मल सिंह मेड़तवाल व सदस्य लियाकत अली ने एयर इंडिया लिमिटेड की अपील को खारिज करते हुए यह आदेश दिया। आयोग ने कहा कि अपीलार्थी के यह कहने मात्र से उसकी जिम्मेदारी खत्म नहीं होती कि उसे टिकट बुकिंग के रुपए नहीं मिले थे और टिकट फर्जी थे। यदि टिकट फर्जी भी थे तो एयर इंडिया को एजेंट के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करवानी चाहिए थी।

मामले के अनुसार, परिवादी शैलेन्द्र भार्गव व मंजू भार्गव ने अन्य परिवारजनों के साथ भारत से अमेरिका जाने के लिए एयर इंडिया के अधिकृत एजेंट अर्श टूर, मुंबई के जरिए 8 व 9 मार्च 2020 को 7 लाख रुपए का भुगतान कर टिकट बुक कराए थे। एजेंट ने कन्फर्म टिकट बुक कर पीआरएन नंबर व टिकट नंबर दे दिया, लेकिन जब उन्होंने मई 2020 में अपने टिकटों की स्थिति देखी तो पता चला कि सभी टिकट रद्द कर दिए हैं, जबकि परिवादियों ने टिकट रद्द नहीं कराए थे। इसका कारण पूछने पर एयर इंडिया ने कहा कि एजेंट ने टिकट बनाकर खुद ही रद्द कर दिए हैं। जब परिवादियों ने एजेंट के ऑफिस पर पता किया तो वह बंद मिला। इस पर परिवादियों ने टिकट राशि रिफंड के लिए एयर इंडिया से संपर्क किया, लेकिन उसने कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया। एयर इंडिया व एजेंट की इस कार्रवाई को परिवादियों ने जिला उपभोक्ता आयोग में चुनौती दी थी। जिला उपभोक्ता आयोग ने परिवादियों के पक्ष में फैसला दिया था। इस आदेश को एयर इंडिया ने राज्य आयोग में चुनौती दी थी।

कश्मीर में मंगलवार को घुसपैठ कर रहे दो आतंकी मारे गये

श्रीनगर, 13 जून (वार्ता)। जम्मू कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में मंगलवार को सुरक्षा बलों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए दो अज्ञात आतंकवादियों को मार गिराया।

- पुलिस ने बताया कि, एल.ओ.सी. के पास दोबनार माचिल सैक्टर में दो आतंकवादी सेना और पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए।

पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि नियंत्रण रेखा (एल.ओ.सी.) के पास दोबनार माचिल सेक्टर में दो आतंकवादी सेना और कुपवाड़ा पुलिस के संयुक्त अभियान में मारे गए।

पुलिस ने बयान में कहा कि तलाशी अभियान अभी तक जारी है।

शाहरुख खान पर नारकॉटिक्स अधिकारी को रिश्वत देने का मुकदमा चलेगा?

मुंबई हाई कोर्ट में शाहरुख खान के खिलाफ अपराधिक जनहित याचिका दायर की गई

- अदालत में इस याचिका पर 20 जून को सुनवाई होगी। याचिका में कहा गया है कि, अभिनेता शाहरुख खान ने अपने बेटे से जुड़े ड्रग्स केस को ठीक से हैंडल करने के लिए इस केस की तहकीकात कर रहे नारकॉटिक्स अधिकारी समीर वानखेड़े को रिश्वत की पेशकश की थी।

मुंबई, 13 जून। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान पर अपने बेटे आर्यन खान को बचाने के लिए रिश्वत की पेशकश करने का आरोप लगा है। इस मामले में शाहरुख को आरोपी बनाने की मांग को लेकर बॉम्बे हाई कोर्ट में आपराधिक जनहित याचिका दायर की गई है। अदालत में इस याचिका पर 20 जून को सुनवाई होगी। इसमें कहा गया है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो ने तत्कालीन पूर्व नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो मुंबई के जोनल निदेशक समीर वानखेड़े के खिलाफ दर्ज की थी। वानखेड़े की ओर से शाहरुख के साथ केपी गोसावी के जरिए रिश्वत को लेकर बातचीत करने से जुड़ा यह मामला है। इसमें आर्यन को बचाने के लिए 25 से 18 करोड़ रुपये की रिश्वत राशि तय करने और 50 लाख रुपये नकद स्वीकार करने का आरोप है।

हाई कोर्ट में दायर याचिका में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 12 का हवाला दिया गया है। इसके मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो को सूचित किए बिना किसी अधिकारी को पक्ष लेने के लिए रिश्वत देता है, तो ऐसा व्यक्ति अभियोग के लिए जिम्मेदार होगा। याचिका में शाहरुख खान और आर्यन खान के खिलाफ मुकदमा चलाने की मांग की गई है। याचिका के अनुसार, उपरोक्त धारा शाहरुख खान और आर्यन खान पर लागू होती है। इस मामले के याचिकाकर्ता आर.के. पठान हैं जिनकी ओर से वकील नीलेश ओझा और तनवीर निजाम पेश होंगे।

याचिका में हाई कोर्ट से जबरन वसूली और रिश्वत मामले की जांच के लिए गठित करने की अपील की गई है। साथ ही शाहरुख खान और आर्यन खान को मामले में आरोपी के तौर पर जोड़ने का निर्देश देने के लिए भी कहा गया है। इसके जरिए, मुंबई पुलिस के उन अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की गई है जिन्होंने जांच की और फिर समीर वानखेड़े व अन्य को भ्रष्टाचार के आरोपों से क्लीन चिट दी।

'जब व्यापारिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भारत और पाकिस्तान के बीच की व्यापारिक नीतियों के उदारीकरण से इन ट्रेड चैनलों को विधिवत स्वरूप देने में मदद मिल सकती है तथा कस्टम ड्यूटी के रूप में, संबंधित सरकारों के राजस्व में भी वृद्धि हो सकती है।

पाकिस्तान के एक बहुत बड़े व्यापारिक समूह के अध्यक्ष ने "द डॉन" को दिये एक इन्टरव्यू में भारत की केस स्टडी की ओर संकेत दिया था। नई दिल्ली ने करीब तीन दशक पहले अपने अंतिम आई.एम.एफ. प्रोग्राम के बाद, बहुत सख्त सुधार लागू किये थे और अब उसके श्रमिक उसके सुखद परिणाम पा रहे हैं। उन्होंने एक बात और कही थी, जिसे अब वहाँ के बहुत से लोग दोहरा रहे हैं। उन्होंने कहा था कि अन्य क्षेत्रीय अर्थव्यवस्थाओं के साथ ही, भारत के व्यापार दोबारा शुरु करना पाकिस्तान के दीर्घकालीन स्थायित्व के लिए बहुत जरुरी है।

दुर्भाग्य की बात यह है कि पाकिस्तान ने अपने पूर्वी पड़ोसी से अच्छे विचारों तथा सस्ते सामानों का आयात बंद कर दिया है। सरकार से इस पर पुनर्विचार का अनुरोध करते हुये, बहुत से लोगों ने यह तर्क भी दिया है कि जब अन्य देशों, जिनमें लम्बे समय तक शत्रुता रही है, ने एक दूसरे के साथ आर्थिक संबंध रखने से इनकार नहीं किया है तो भारत और पाकिस्तान ऐसा क्यों कर रहे है?

यह मानना भी सुरक्षित ही है कि उन्नत व्यापारिक रिश्ते आगे चलकर भारत और पाकिस्तान के बीच के राजनैतिक मतभेदों को सुधारने में भी मदद कर सकते हैं।

उत्तर व पश्चिम भारत में सीटें कम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

की भरपाई की जा सके। उत्तर और पश्चिमी भारत के कुछ राज्यों जहां भाजपा ने जीत हासिल की थी, में हालात बदल रहे हैं। इसलिए भाजपा ने उन क्षेत्रों में जमने का आक्रामक अभियान छेड़ दिया है जहां यह पहले कभी नहीं थी।

अब हाल ही में दिल्ली में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह और चंद्रबाबू की मुलाकात के बाद किसी हद तक यह साफ हो गया है कि भाजपा व तेलुगुदेशम मिल कर चुनाव लडेंगी, इसी के साथ अभिनेता से नेता बने पवन कल्याण भी गठबंधन का हिस्सा बन रहे हैं। पर्यवेक्षकों के अनुसार ये पूरी तरह से जीत के समीकरण हैं।

इससे भाजपा ने एक पक्का काम कर लिया है कि आंध्र से 20 से ज्यादा सांसदों का समर्थन मिलता रहे, भले ही गठबंधन हारे या जीते। अगर भाजपा तेलुगुदेशम के साथ मिल कर जीत गई तो ज्यादा अच्छा होगा और कही पार्टी का अनुमान गलत गया तो भी उसे जगन मोहन रेड्डी की पार्टी वाय.एस.आर. सी.पी. का समर्थन मिलता रहेगा।

इधर जगन मोहन रेड्डी ने तेलुगुदेशम-भाजपा गठबंधन को खारिज कर दिया और घोषणा की कि उनकी पार्टी राज्य में जीत रही है। अपने शासनकाल में जगन समाज के हर वर्ग को कुछ ना कुछ देने के लिए जाने जाते रहे हैं। तेलुगुदेशम के कुछ कट्टर समर्थकों के अलावा राज्य का सारा गरीब तबका जगन मोहन का समर्थक है।

भाजपा और तेलुगुदेशम ने चुनाव से पूर्व वाय.एस.आर.सी.पी. और रेड्डी पर हमला तेज कर दिया है, वे उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं। राज्य का राजनैतिक तापमान चढ़ रहा है, आरोप-प्रत्यारोप के दौर चल रहे हैं और अब जब भाजपा ने अपने इरादे जता दिए हैं तो मुख्यमंत्री ने भी केन्द्र सरकार के खिलाफ बोलना शुरु कर दिया है।

उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने अभी तक भी राज्य को स्पेशल पैकेज नहीं दिया जबकि इसका वादा केन्द्र ने राज्य के विभाजन के समय किया था। इस मुद्दे को वे अपने चुनाव अभियान में उठा रहे हैं। परंतु उनका अभियान पूरी तरह से जनता को मुफ्त सुविधाएं बांटने पर केन्द्रित है।

वाय.एस.आर.सी.पी. के वरिष्ठ नेताओं ने जगन पर आरोप लगाने के लिए भाजपा नेतृत्व पर हमला बोल दिया है। वरिष्ठ नेता व नागरिक आपूर्ति मंत्री के. वैंकट नागेश्वर राव ने भाजपा के याद दिलाया कि भाजपा की सरकार कई मानदंड़ों, जैसे शिक्षा में तीसरे नम्बर पर आना व कई अन्य क्षेत्रों में टॉप पर आने के लिए राज्य सरकार की तारीफ कर चुकी है और अब केन्द्र में सत्तारूढ़ पार्टी के नेता आधारहीन आरोप लगा रहे है।

उन्होंने कहा कि, आप ने ये सभी रेटिंग्स दीं और अब आप आधारहीन आरोप लगा रहे हैं। क्या सरकार ने तेलुगुदेशम के शासन के सरकार को कोई आय हुई। हम राज्य में हजारों करोड़ रू. का निवेश ला रहे है।

भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने गत दिनों एक रैली में मौजूदा राज्य सरकार को अब तक सबसे भ्रष्टतम सरकार बताया है। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी पूछा कि केन्द्र सरकार से राज्य का जो लाखों करोड़ रूपए मिले थे उनका क्या हुआ?

राज्य मंत्री के. सत्यनारायण ने भाजपा नेताओं की आलोचना की कि वे हरेक भारतीय के खाते में 15 लाख रू. जमा नहीं करा पाए, ना ही सारा काला धन वापस ला पाए। उन्होंने भाजपा नेतृत्व से पूछा कि उन्होंने अब तक आंध्र के लिए क्या किया है।

तमिलनाडू के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विपक्ष को धमकाने व डराने के प्रयास कर रही है और इसके लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग मोदी सरकार की पहचान बन गई है।

अमेरिकी राजदूत ने भारत की डिजिटल क्रांति की खूब तारीफ की

- अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी ने कहा कि, जब मैं भारत में डिजिटल पेमैंट और वित्तीय तकनीक को देखता हूं, तो मैं मानता हूं कि, हमने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है।
- इस दौरान उन्होंने एन.एस.ए अजीत डोभाल की भी जमकर तारीफ की। गार्सेटी ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय खजाना बताया। उन्होंने कहा, अजीत डोभाल, उत्तराखंड के एक गांव का लड़का न केवल एक राष्ट्रीय खजाना है, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय खजाना बन गया है।

नई दिल्ली, 13 जून। अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी भारत की डिजिटल क्रांति के मुरीद हैं। उन्होंने मंगलवार को डिजिटल पेमेंट और वित्तीय प्रौद्योगिकी में भारत की प्रगति की जमकर तारीफ की। एक कार्यक्रम में बोलते हुए अमेरिकी दूत ने कहा, "जब मैं भारत में डिजिटल पेमेंट और वित्तीय तकनीक को देखता हूं, तो मैं मानता हूं कि हमने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। एक गांव में एक चाय वाला भी अपने फोन में सरकार से सीधे पेमेंट लेता है.. वो भी पूरे के पूरे 100 फीसदी रुपये उसे मिलते हैं।"

उन्होंने कहा, "मैंने हाल ही में भारत में अनेक धर्मों के नेताओं के एक समूह के साथ डिनर किया, उनमें से एक ने कहा " हमने 4, 5 और 6 के बारे में बहुत बातें सुनी हैं, लेकिन यहां भारत में हमारे पास इससे अधिक शक्तिशाली कुछ है- वह है गुरुजी। " अमेरिकी राजदूत यू.एस.-इंडिया इनिशिएटिव ऑफ क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी (आई.सी.ई.टी.) कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन यह देखकर रोमांचित हैं कि यहां (भारत में) क्या हो रहा है। हम (पी.एम. मोदी की) राजकीय यात्रा के लिए तत्पर हैं। पी.एम. मोदी अगले सप्ताह वाशिंगटन में (यात्रा) शुरू करेंगे।" इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी जमकर तारीफ की। गार्सेटी ने उन्हें अंतर्राष्ट्रीय खजाना बताया। उन्होंने कहा, अजीत डोभाल, उत्तराखंड के एक गांव का लड़का जो न केवल एक राष्ट्रीय खजाना है बल्कि एक अन्तर्राष्ट्रीय खजाना बन गया है।

ट्विटर के पुराने कर्ता धर्ता डोरसी ने भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा, "जो कुछ कहा गया, वह जबरदस्त झूठ है।"

ठाकुर ने आगे कहा, "जैक डोरसी सालों बाद जागे हैं तथा अपने गलत कामों पर पर्दा डालना चाहते हैं। जब ट्विटर को एक अन्य व्यक्ति ने खरीद लिया था, तो "ट्विटर फाइल्स" से यह उजागर हुआ कि इस प्लेटफॉर्म का किस तरह दुरूपयोग किया जा रहा था। जैक डोरसी इस बात का जवाब आज तक नहीं दे सकें हैं क्योंकि उनकी पोल खुल चुकी है।"

आई.टी. के प्रभारी राज्यमंत्री राजीव चन्द्रशेखर ने कहा कि ट्विटर संस्थापक की टिप्पणियाँ "कल्पना" है तथा कम्पनी ने भारतवासियों और भारत सरकार के खिलाफ "भ्रामक सूचनाओं को सशक्त" किया है।

उन्होंने कहा, "भारत सरकार की यह मान्यता निरन्तर रही है कि कोई भी प्लेटफॉर्म, चाहे वह भारत का हो या विदेशी, छोटा हो या बड़ा, को अगर भारत में अपना काम करना है, तो उसे भारतीय कानून मानने ही होंगे।"

राजीव चन्द्रशेखर ने ट्विटर पर डाली गई अपनी लम्बी पोस्ट में जैक डोरसी की सजगता को लेकर कहा कि यह प्लेटफॉर्म "बार-बार एवं लगातार भारतीय कानून का उल्लंघन कर रहा था। उन्होंने कहा कि "डोरसी के ट्विटर साम्राज्य को भारतीय कानून को प्रभुसत्ता को स्वीकार करने में परेशानी थी।"

उन्होंने लिखा है, "सच्चाई तो यह है कि वे (ट्विटर) 2020 से लेकर 2022 तक बार-बार कानून की अवमानना कर रहे थे तथा सिर्फ उन्होंने जून 2022 में ही कानून की अनुपालना की। न तो कोई जेल गया और न ट्विटर बंद हुआ।"

चन्द्रशेखर आगे लिखते हैं, "डोरसी के ट्विटर साम्राज्य को भारतीय कानून की प्रभुसत्ता को स्वीकार करने में परेशानी थी। उसका व्यवहार इस प्रकार का था, मानो भारत के कानून उस पर लागू ही नहीं होते हों। भारत को, एक सम्प्रभु राष्ट्र होने के नाते, यह सुनिश्चित करने का अधिकार है कि भारत में कार्यरत सभी कम्पनियाँ उसके कानूनों का पालन कर रही हैं। जनवरी 2021 में आंदोलन के दौरान ऐसी बहुत सारी भ्रामक सूचनाएं यहां तक कि जाति संहार की रिपोर्ट थीं, जो निश्चित रूप से झूठी (फेक) थीं।"

उन्होंने जोर देते हुए कहा कि सरकार को "इस प्लेटफॉर्म से गलत जानकारियाँ हटाने के लिये बाध्य होना पड़ा, क्योंकि ऐसी संभावना थी कि झूठी खबरों के आधार पर, स्थिति और बिगड़ सकती है।"

उन्होंने आगे लिखा, "जैक के दौर में, ट्विटर पर पक्षपात पूर्ण रवैया बहुत ज्यादा था कि, और उन्हें भारत में इस प्लेटफॉर्म से झूठी सूचनाएं हटाने तक में परेशानी थीं। जब अमेरिका में ऐसी ही घटनाएं हुईं तो उन्होंने स्वयं ही ऐसा किया।

रिकॉर्ड को ठीक बनाये रखने के लिये, न तो किसी पर छापा मारा गया और न किसी को जेल भेजा गया। हमारा जोर केवल भारतीय कानून की अनुपालना को सुनिश्चित बनाये रखने पर था।"

चन्द्रशेखर ने कहा कि जनता के पास उन दिनों में, "जैक के ट्विटर की स्वेच्छाचारिता, खुली तरफदारी तथा भेदभावपूर्ण आचरण तथा इस प्लेटफॉर्म पर अपने अधिकारों के दुरूपयोग के "पर्याप्त प्रमाण" हैं।

आई.टी. मंत्री ने कहा, "डोरसी के दौर में, ट्विटर भारतीय कानून का उल्लंघन ही नहीं कर रहा था, बल्कि हमारे संविधान के अनुच्छेद 14 एवं 19 के उल्लंघन में तथा गलत जानकारियों को मजबूत करने की सहायता में अपनी निरंकुशता की "डी-एम्प्लीफाइंग" तथा डी-प्लेटफॉर्मिंग को भी काम में ले रहा था। भारत में कार्यरत सभी माध्यमों (इन्टर मीडियवीज़) के लिये हमारी सरकार की नीतियाँ स्पष्ट रहती हैं- यह सुनिश्चित करने के लिये कि इन्टरनैट "सुरक्षित, "विश्वसनीय" तथा "जवाबदेह" है, कानूनों का पालन कीजिये।"

हजारों किसानों ने एक साल तक चला अपना आंदोलन नवम्बर 2021 में उस समय समाप्त कर दिया था, जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने तीनों विवादास्पद कृषि कानूनों को वापस लेने की घोषणा कर दी थी।

कांग्रेस ने कहा कि जैक डोरसी की टिप्पणियाँ सरकार द्वारा लोकतंत्र को कमजोर करने की जबरदस्त सबूत है। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा, "हम मांग करते हैं कि सरकार सोशल मीडिया को दबाना बंद करे, मीडिया को दबाना तथा मीडिया के बहुत बड़े वर्ग को फुसलाना बंद करे।"

सुप्रिया ने यह आरोप भी लगाया कि मोदी सरकार ने ट्विटर पर दबाव डाला था कि वह कांग्रेस नेता राहुल गांधी के अकाउन्ट को ब्लॉक कर दे। उन्होंने कहा कि अगस्त 2021 में, ट्विटर ने राहुल का अकाउन्ट ब्लॉक कर दिया था।

श्रीनेत ने कहा कि राहुल का अकाउन्ट बंद करने के लिये यह बहाना लिया गया था कि राहुल गांधी ने कुछ गाइडलाइनों का उल्लंघन किया है, जबकि राहुल द्वारा ट्विटर पर शेयर किया गया फोटो पीड़िता का नहीं, उसके परिजन का था।

सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि उसके बाद, एक अप्रत्यक्ष रोक लगाते हुए, इस माइक्रोब्लॉगिंग साइट पर गांधी के फॉलोअर्स की बढ़ती संख्या को सीमित कर दिया गया था। बाद में, फरवरी 2022 में, "वॉलस्ट्रीट जर्नल" ने इस मुद्दे को एक बड़ी खबर का रूप देने की धमकी दी थी तथा इस विषय में ट्विटर को एक पत्र लिखा था। इसके परिणामस्वरूप, अप्रत्यक्ष प्रतिबंध हटा लिया गया था तथा गांधी के ट्वीट्स को सबस्क्राइब करने वाले लोगों की संख्या में जबरदस्त वृद्धि सामने आ गई थी।

आई.टी.आई...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

विभाग रेंजर दिनेश मीणा, घांटा का गांव नाका प्रभारी राकेश पाटीदार, शैलेष सिंह राव आदि मौके पर पहुंचे। उदयपुर से भी लाल सिंह समेत रैस्क्यू टीम मंगलवार सुबह 4 बजे मौके पर पहुंची। तथापि, इससे पहले ही पैंथर दरवाजे के ऊपर लगा कांच तोड़कर वहाँ से निकल कर भाग गया। टीम को कांच तोड़कर पैंथर के निकलने के साक्ष्य मिले हैं तथा सर्च ऑपरेशन चलाया गया है।

मथुरा के प्रेम मंदिर परिसर में आग लगी

मथुरा, 13 जून। मथुरा-वृंदावन स्थित प्रसिद्ध प्रेम मंदिर के पिछले हिस्से में भीषण आग लगने की घटना सामने आई है। आग बुझाने के लिए फायर बिग्रेड की 2 गाड़ियां मौके पर मौजूद हैं। आग इतनी भीषण थी कि कुछ ही देर में पूरा आसमान काला हो गया। वीडियो में आग की भयंकर लपटें दिखाई दे रही हैं। हालांकि मौके पर पहुंचे फायरकर्मियों ने आग बुझाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी। खबर लिखे जाने तक किसी के हताहत होने की बात सामने नहीं आई है।

आग लगने के कारणों का पता किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस जगह पर ये आग लगी, वह मंदिर का पिछला हिस्सा है, जो कि एक स्टोर रूम था और उसमें लकड़ी का सामान भी रखा हुआ था। गौरतलब है कि वृंदावन का प्रेम मंदिर दुनियाभर में प्रसिद्ध है और दुनियाभर से लाखों श्रद्धालु भगवान कृष्ण के दर्शन के लिए यहां आते हैं।

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908